रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 20 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 102 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.0	28.5
जमशेदपुर	34.8	26.6
डालटनगंज	36.6	28.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,000
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबर

राज्यपाल को छूट मिले या नहीं, होगी सुनवाई

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 361 की समीक्षा करने पर शुक्रवार को सहमत हो गया, जो राज्यपालों को आपराधिक केसों से पूर्ण छूट प्रदान करते हैं. शीर्ष कोर्ट ने यह आदेश बंगाल राजभवन में कार्यरत उस महिला कर्मी की याचिका पर दिया है, जिसने राज्यपाल पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ इस मामले की सुनवाई करने को तैयार हो गई है.

माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड ठप, इंटरनेट सेवाएं हुईं बाधित

एजेंसियां। नयी दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड के ठप होने के कारण शुक्रवार को पूरी दुनिया ठप हो गई. इसकी बड़ी वजह यह है कि दुनियाभर के तमाम बैंक, बिजनेस, एयरलाइन क्लाउड सर्वर पर निर्भर हैं. माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड के डाउन होने के कारण भारत अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया समेत दुनियाभर की सैकड़ों फ्लाइट कैंसिल हुई और कइयों का समय बदला गया. एयरलाइंस कंपनियों ने अपने यात्रियों के इस आउटेज के कारण सेवाओं में हो रही देरी को लेकर एडवाइजरी जारी की है.

बता दें कि अधिकतर कंपनियां क्लाउड सर्वर का इस्तेमाल कर रही हैं और इस वक्त क्लाउड सर्विस देने वाली तीन प्रमुख कंपनियां हैं जिनमें माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और गूगल शामिल हैं.

कई घंटे तक व्यवधान कायम रहने के बाद प्रौद्योगिकी कंपनी ने कहा है कि वह धीरे-धीरे माइक्रोसॉफ्ट 365 ऐप और सेवाओं तक पहुंच को प्रभावित करने वाली समस्या को ठीक कर रही है.

इंटरनेट रुकावटों पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'डाउनडिटेक्टर' ने बताया कि वीजा, एडीटी सिक्योरिटी और अमेजन, तथा अमेरिकन एयरलाइंस और डेल्टा समेत विभिन्न एयरलाइन के कामकाज में व्यवधान बढ़ा है. अमेरिका, यूरोपीय देशों और ऑस्ट्रेलिया में समाचार संस्थानों ने बताया कि एयरलाइंस, दूरसंचार सेवाएं और बैंक व मीडिया संस्थानों में कंप्यूटर सिस्टम पर कामकाज नहीं हो पा रहा है. न्यूजीलैंड के कुछ बैंकों ने कहा कि उनका कामकाज भी प्रभावित हुआ है. -पेज 12 भी देखें

थम गई पूरी दुनिया

माइक्रोसॉफ्ट ने कहा जल्द करेंगे ठीक

माइक्रोसॉफ्ट 365 ने एक्स पर पोस्ट किया कि कंपनी प्रभावित ट्रैफिक को वैकल्पिक प्रणालियों पर पुनर्निर्देशित करने पर काम कर रही है ताकि अतिशीघ्रता से प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके. और वे सेवा उपलब्धता में सकारात्मक रुझान देख रहे हैं. इस संबंध में सवाल करने पर कंपनी ने फिलहाल जवाब नहीं दिया है.

दिल्ली एयरपोर्ट ने की अपील

इस आउटेज पर दिल्ली एयरपोर्ट ने कहा, वैश्विक आईटी आउटेज के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित हुईं. हम अपने यात्रियों को असुविधा कम करने के लिए अपने पार्टनर के साथ मिलकर काम कर रहे हैं. यात्रियों से अनुरोध है कि वे एयरलाइन के संपर्क में रहें.

इन एयरलाइंस की सेवाएं हुईं ठप

भारत में इंडिगो, स्पाइसजेट और आकासा एयरलाइंस की सेवाएं प्रभावित हुई हैं. भारत के अलावा अमेरिका में फ्रंटियर एलिगेंट और सनकंट्री जैसी बड़ी एयरलाइंस कंपनियों की सेवाएं माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड आउटेज के कारण ठप हो गईं. इस आउटेज के कारण एयरलाइंस कंपनियों के बुकिंग, चेक-इन, बोर्डिंग, वेब चेक-इन जैसी सभी सेवाएं प्रभावित हुई हैं.

क्राउडस्ट्राइक के कारण हो रही दिक्कत

यह आउटेज सीधे तौर पर माइक्रोसॉफ्ट के कारण नहीं, बल्कि माइक्रोसॉफ्ट पीसी और साइबर सिक्योरिटी सर्विस देने वाले प्लेटफॉर्म डाउन होने के कारण है. क्राउडस्ट्राइक विंडोज पीसी को एडवांस सॉल्यूशन देती है. क्राउडस्ट्राइक के ही डाउन होने से भारत, अमेरिका, कनाडा, जापान समेत दुनिया के कई देश प्रभावित हैं. क्राउडस्ट्राइक ने एक बयान में कहा कि वह रिपोर्ट से अवगत है और उसके लोग इसे फिक्स करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं.

आपस में भिड़ंत : सीएम आवास के गेट के सामने कांके रोड बना रणक्षेत्र

पुलिस पर पुलिस ने बरसाईं लाठियां

- एक घंटे की वार्ता विफल, निषेधाज्ञा के बावजूद गुस्साए सहायक पुलिसकर्मी पहुंचे सीएम आवास
- पत्थर फेंके, बल्लियां भांजी, दोनों ओर से लाठियां भांजी गईं, आधा दर्जन से अधिक जवान घायल

अजब हाल

आकर्ष अनिकेत। रांची

लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार को सहायक पुलिसकर्मियों के सब्र का बांध टूट गया. दोपहर से पहले पहले राउंड की वार्ता विफल होने के बाद मोरहाबादी मैदान में धरना दे रहे राज्य भर से जुटे 2200 सहायक पुलिसकर्मी दोपहर बाद कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास तक पहुंच गये.

रास्ते में उन्हें जगह-जगह पुलिस के जवानों ने रोकने की कोशिश की, लेकिन सहायक पुलिसकर्मी चकमा देते हुए सीएम आवास गेट के सामने पहुंचे गये. फिर क्या ता, लगभग एक घंटे तक कांके रोड रणक्षेत्र बना रहा. सीएम आवास के पास सुरक्षा में तैनात पुलिस के जवान और सहायक पुलिसकर्मी एक-दूसरे को ललकारते हुए भिड़ गए.

सहायक पुलिसकर्मियों ने जहां सीएम हाउस के पास सुरक्षा में तैनात जवानों पर पथराव किया, बल्लियां भांजी, वहीं जवानों की लाठियां छीन कर हमले किए. पुलिस के जवानों ने भी सहायक पुलिसकर्मियों को खदेड़ने के लिए लाठियां बरसायीं. लाठीचार्ज में आधा दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गये. लेकिन लाठीचार्ज के थोड़ी देर बाद ही सहायक पुलिसकर्मी सीएम हाउस गेट के सामने धरना पर बैठ गये और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करने लगे.

दो घंटे तक धरना पर बैठे रहे, तो रांची पुलिस के आला अधिकारियों ने सहायक पुलसकर्मियों को समझा-बुझा कर शांत कराया. अधिकारियों द्वारा उन्हें बताया गया कि मुख्यमंत्री फिलहाल गिरिडीह में हैं. आश्वासन दिया कि उनके आते ही फिर से वार्ता करायी जाएगी.इसके बाद सहायक पुलिसकर्मी मोरहाबादी स्थित धरना स्थल पर वापस लौट गये.

रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास के बाहर शुक्रवार को आंदोलित सहायक पुलिसकर्मियों और पुलिस के बीच जोर आजमाइश. **फोटो। रमीज**

सहायकों के पथराव में घायल जवान.

आंदोलनकारियों ने तोड़े पुलिस के वाहन.

जवानों की नाकेबंदी, बैरिकेडिंग को धता बता सहायक पुलिसकर्मी पहुंच गये सीएम आवास

दो जुलाई से मोरहाबादी मैदान में टेंट-तंबू लगा कर धरना पर बैठे सहायक पुलिसकर्मियों ने आंदोलन के क्रम में शुक्रवार को सीएम आवास का घेराव करने की घोषणा की थी. सहायक पुलिसकर्मियों के सीएम आवास घेरने की घोषणा को देखते हुए पुलिस के आला अधिकारी व जवान सुबह से ही मोरहाबादी मैदान और कांके रोड में तैनात थे. जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई थी, ताकि सहायक पुलिसकर्मी सीएम आवास तक नहीं पहुंच सकें. लेकिन पुलिस के आला अधिकारियों की व्यवस्था को धत्ता बताते हुए सहायक पुलिसकर्मी कांके रोड सीएम आवास के गेट तक पहुंच गए.

स्थाईकरण पर अड़े, सरकार से साथ वार्ता, नहीं बनी बात

सहायक पुलिकर्मियों के सीएम आवास घेराव की घोषणा को देखते हुए पुलिस के आला अधिकारियों ने पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाया. सरकार के प्रतिनिधियों के साथ लगभग एक घंटे तक चली वार्ता विफल रही. वार्ता के दौरान सरकार की ओर से सहायक पुलिसकर्मियों का अनुबंध एक साल बढ़ाने, वेतन में 25 प्रतिशत बढ़ोतरी करने के साथ ही साथ पुलिस बहाली में आरक्षण देने का प्रस्ताव रखा गया, लेकिन सरकार का प्रस्ताव सहायक पुलिसकर्मियों को रास न आया. सहायक पुलिसकर्मी स्थायीकरण की मांग कर रहे हैं. उनका कहना है कि जब आम पुलिस के जवानों की तरह वे ड्यूटी कर रहे हैं, तो उनकी सेवा स्थायी क्यों नहीं की जा रही. वार्ता विफल होने के बाद सहायक पुलिसकर्मियों के प्रतिनिधि मोरहाबादी मैदान लौटे. साथियों को वार्ता के बारे में जानकारी दी, फिर सभी एकसाथ सीएम आवास के घेराव करने निकल पड़े.

बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस वाहन के शीशे भी तोड़ डाले

गुस्साये सहायक पुलिसकर्मी मोरहाबादी मैदान से सीएम आवास का घेराव करने बढ़े, तो कई जगह उन्हें रोकने की कोशिश की गयी. लेकिन उन्होंने किसी की परवाह नहीं की. रास्ते में कई बैरिकेडिंग तोड़ डाले. एक बाइक को पलट दिया, जिस कारण वहां तैनात सुरक्षा बल के कई जवान भी चोटिल हो गए. इस दौरान सहायक पुलिकर्मियों ने पथराव किया और पुलिस के वाहन का शीशा भी तोड़ डाला.

सीएम आवास के सामने एक-दूसरे को ललकारते रहे

सहायक पुलिसकर्मियों के आंदोलन का समर्थन करने जेबीकेएसएस के नेता देवेंद्र नाथ महतो भी पहुंचे थे. वे सहायक पुलिसकर्मियों को सीएम आवास चलने के लिए ललकार रहे थे. यहां पुलिस के जवानों ने सहायक पुलिसकर्मियों को रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने बल्ली से उन पर हमला कर दिया. महतो सहायक पुलिसकर्मियों को साथ लेकर सीएम आवास पहुंचे और जवानों को ललकारने लगे. फिर क्या था, जवानों ने लाठी चार्ज कर दिया. उधर सहायक पुलिसकर्मियों ने बज्र वाहन का तार काट डाला, चालक को पीटा और जवानों पर पथराव भी किया. कांके रोड पर पुलिस जवानों से लाठियां छीन कर हमले करने लगे. सहायक पुलिसकर्मियों ने बांस-बल्लियां भी भांजी, जिससे कई पुलिस के जवान भी घायल हो गये. कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा.

रोजगार देने में हार गईं सरकारें!

सुरजीत सिंह

दो तथ्य

पहला – कोरोना काल से लेकर अब तक सरकार ने आम लोगों को कोई राहत नहीं दी. लेकिन बड़ी कंपनियों को टैक्स से लेकर तमाम तरह की राहत दी. कंपनियों का मुनाफा बढ़ा. लेकिन कंपनियों ने नए प्रोजेक्ट नहीं लाए. रोजगार पैदा नहीं किया.

दूसरा – खाली पड़े सरकारी पदों पर नियुक्ति नहीं हो रही. सरकार ने खर्चे खूब बढ़ाये, लेकिन बेरोजगारी कम नहीं हुई. बल्कि बेरोजगारी चरम पर पहुंची हुई है.

दो घटनाएं

पहली – कर्नाटक सरकार निजी कंपनियों में 75 प्रतिशत स्थानीय युवकों को नियुक्त करने का प्रस्ताव लाई. कंपनियों के विरोध के बाद सरकार को फैसला वापस लेना पड़ा.

दूसरी – महाराष्ट्र सरकार लाडला भाई योजना लाई. इसके तहत 12वीं पास युवकों को चार से 12 हजार रुपए तक देने का फैसला लिया.

ये तथ्य व घटनाएं बताती हैं कि सरकारें रोजगार देने के मामले में बुरी तरह हार गई हैं. सरकारी पदों पर नियुक्ति कर नहीं रहीं. निजी कंपनियां भी नई नौकरियां तो नहीं लाईं, उल्टे वहां छंटनी का दौर जारी है. तो बेरोजगारों को खुश करने के लिए अब भत्ता देना शुरू कर रही हैं. कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में इसी तरह देश भर के ग्रेजुएट्स को बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की थी. तरीका अलग था. कंपनियों में काम दिलवा कर हर माह तयशुदा रकम देने का वादा किया था. अब महाराष्ट्र सरकार ने फैसला ले लिया है. वहां चुनाव होने वाले हैं. सत्ताधारी दल लोकलुभावन फैसले ले रहे हैं. कल को दूसरे राज्यों की सरकारें भी इसी तरह के फैसले लेंगी. महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले से सरकार पर करीब 5500 करोड़ रुपए खर्च बढ़ेगा. यह पैसा कहां से आएगा. जाहिर तौर पर केंद्र सरकार से मांगना पड़ेगा, टैक्स बढ़ा कर या किसी बड़ी कल्याणकारी योजना को बंद करके. बोझ आम लोगों पर ही आएगा. मूल बात यही है कि सरकारों की नीतियों के चलते बेरोजगारों के लिए कुछ नहीं किया गया. रोजगार भी नहीं बढ़े और इस मोर्चे पर सरकारें पूरी तरह हार चुकीं हैं. और अब ऐसा लगता है कि सरकारों ने यह समझ लिया है सरकारी खजाने से बेरोजगारों को पैसा देना ही रोजगार का विकल्प है. या यूं कहें कि रोजगार पैदा करने में विफल सरकारों के लिए अपनी नाकाबीलियत को छुपाने के लिए एकमात्र विकल्प. यह राजनीतिक दलों को तो फायदा पहुंचाता ही है, कई बार आम लोगों को भी पसंद आता है. नेताओं को वोट मिलते नहीं बरसने लगते हैं पर, अर्थव्यवस्था के नजरिए से यह है बड़ा ही विध्वंसकारी फैसला. इसके दुष्परिणाम आने वाले वक्त में सामने आएंगे.

रिम्स की छात्रा रिमांड पर

नीट पेपर लीक मामला

रांची। नीट यूजी के पटना पेपर लीक मामले में सीबीआई ने शुक्रवार को रिम्स की प्रथम वर्ष की मेडिकल छात्रा सुरभि कुमारी को गिरफ्तार कर लिया. उस पर आरोप है कि उसने अभ्यर्थियों के लिए पेपर हल किया. अधिकारियों ने बताया कि कोर्ट ने पूछताछ के लिए उसे तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया है. सुरभि सॉल्वर की पांचवीं सदस्य बताई गई है, जो पंकज द्वारा चुराए गए पेपर को हल करने के लिए पांच मई को नीट-यूजी परीक्षा के दिन हजारीबाग में थी. पंकज उर्फ आदित्य, एनआईटी जमशेदपुर का 2017 बैच का इंजीनियर है, जिसने हजारीबाग से एनटीए के बक्से से पेपर चुराया था. पेपर लीक मामले में सीबीआई अब तक 16 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है.

कांवड़ रूट की दुकानों में मालिक के नाम पर एनडीए में पड़ी दरार

लोजपा, जदयू और रालोद ने किया आदेश का विरोध

एजेंसी। नयी दिल्ली

यूपी में सावन के दौरान कांवड़ यात्रा रूट पर होटल, रेस्तरां, ढाबा, फल और खान-पान की दुकानों पर मालिक के नाम का बोर्ड लगाने का आदेश अब उत्तराखंड सरकार ने भी जारी कर दिया है. इसके खिलाफ एनडीए में भाजपा के सहयोगी दल ही मोर्चा खोल दिए हैं.

जदयू ने इस आदेश की समीक्षा की मांग की है, तो जयंत चौधरी की पार्टी रालोद ने भी इसे वापस लेने की मांग कर दी है. यही नहीं लोजपा (आर) के प्रमुख चिराग पासवान भी इस आदेश का विरोध किया है. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, बसपा की अध्यक्ष मायावती, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी और दूसरे विपक्षी नेताओं के विरोध के बाद भी अब सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूरे यूपी में कांवड़ रूट पर दुकानदारों को नाम लगाने का आदेश दिया है. उधर उत्तराखंड में भी कांवड़ यात्रा मार्ग के रेस्टोरेंट और होटलों के मालिकों को अपने नाम के साथ बोर्ड लगाना होगा. हरिद्वार पुलिस ने कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी होटल, ढाबों के मालिकों से इस आदेश का पालन करनेको कहा है.

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सरकार के इस आदेश का विरोध करते हुए कहा कि वह जाति या धर्म के नाम पर भेद किए जाने का कभी भी समर्थन नहीं करेंगे. कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा, आदेश विभाजनकारी तथा संविधान एवं लोकतंत्र पर हमला है.

यहां भी आदेश

- यूपी के बाद अब उत्तराखंड सरकार ने भी दुकानदारों के लिए जारी किया आदेश

चर्चा में गुमला के बिशुनपुर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने इशारों-इशारों में किसको घेरा

कुछ लोगों में मानव होने के बावजूद मानवीय गुणों का अभाव

केंद्र की सत्ताधारी भाजपा और आरएसएस के बीच क्या सबकुछ ठीक नहीं चल रहा? 2024 लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद से ये सवाल कई बार उठे हैं. इसकी वजह है आरएसएस की ओर से लगातार आए ऐसे बयान जिसने सियासी गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है. इसकी शुरुआत खुद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने ही की. उन्होंने चुनाव नतीजों के चंद दिन बाद ही 10 जून को नागपुर से ऐसी टिप्पणी की जिसे सीधे तौर पर पीएम नरेंद्र मोदी पर टारगेट के तौर पर देखा गया. उस समय उन्होंने कहा था कि जो मर्यादा का पालन करते हुए काम करता है, गर्व करता है लेकिन अहंकार नहीं करता, वही सही अर्थों में सेवक कहलाने का अधिकारी है. अब मोहन भागवत की गुमला में की गई टिप्पणी को कहीं न कहीं केंद्र की भाजपा सरकार को नसीहत के तौर पर देखा जा रहा है.

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची

गुमला से आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बड़ा संदेश दिया है. आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि अब लोग सुपरमैन बनना चाहते हैं. मोहन भागवत गुमला के बिशुनपुर में ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे.

मोहन भागवत ने कहा कि आत्म-विकास करते समय एक मनुष्य सुपरमैन बनना चाहता है. सुपरमैन के बाद वह देवता और फिर भगवान बनना चाहता है. इंसान विश्वरूप की भी आकांक्षा रखता है, लेकिन वहां से आगे भी कुछ है क्या, यह कोई नहीं जानता है. मोहन भागवत ने कहा कि कुछ लोगों में मनुष्य होने के बावजूद मानवीय गुणों का अभाव होता है और उन्हें सबसे पहले अपने अंदर इन गुणों को विकसित करना चाहिए. उन्होंने कहा, प्रगति का कोई अंत नहीं है. मानवीय गुणों को विकसित करने के बाद एक मनुष्य अलौकिक बनना चाहता है, सुपरमैन बनना चाहता है, लेकिन वह वहां रुकता नहीं है. इसके बाद उसे लगता है कि देवता बनना चाहिए, लेकिन देवता कहते हैं कि हमसे तो बड़ा भगवान है और फिर वह भगवान बनना चाहता है. भगवान कहता है कि वह तो विश्वरूप है, तो वह विश्वरूप बनना चाहता है. वहां भी कुछ है क्या रुकने की जगह, ये कोई नहीं जानता है. लेकिन विकास का कोई अंत नहीं है. बाहर का विकास भी और अंदर का विकास भी, यह निरंतर चलने वाली एक प्रक्रिया है.

काम से नहीं होना चाहिए संतुष्ट : मोहन भागवत ने आगे कहा कि मनुष्य को मानवता के लिए अथक परिश्रम करना चाहिए. साथ ही कहा कि एक कार्यकर्ता को अपने काम से कभी संतुष्ट नहीं होना चाहिए. भागवत ने कहा, काम जारी रहना चाहिए, पर्यावरण, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में निरंतर कार्य करने का प्रयास करना चाहिए इसका कोई अंत नहीं है और विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर कार्य करना ही एकमात्र समाधान हैहमें इस विश्व को एक सुंदर स्थान बनाने का प्रयास करना चाहिए जैसी की भारत की प्रकृति है. उन्होंने कहा कि सनातन धर्म मानव जाति के कल्याण में विश्वास करता है.

देश की बेहतरी के लिए बहुत से लोग काम कर रहे हैं. इसलिए मुझे देश के भविष्य की फिक्र नहीं है.
– **मोहन भागवत,** आरएसएस प्रमुख

और क्या-क्या बोले मोहन भागवत

पूरे विश्व में भारत ही ऐसा देश है, जहां हर तरह की संस्कृति, खान-पान, रीति-रिवाज और धर्म है. लेकिन इस देश के लोगों का मन एक ही प्रकार का है.

- पहली नजर में, आदिवासी विकास से पीछे हैं. उनके पास सुविधाओं का अभाव है. जबकि शहरों में लोगों को हर सुविधा प्राप्त है. आदिवासी वनों में अपनी परंपरा के साथ रहते हैं. लेकिन शहर में सावधानी रखनी पड़ती है.
- लोगों का अपना स्वभाव है. कई लोग बिना किसी नाम या प्रसिद्धि की इच्छा के कल्याण का काम कर रहे.
- आगे बढ़ने का कोई अंत नहीं है. जहां तक विकास लेकर जाएंगे, उसके आगे भी इसकी जरूरत दिखेगी. ऐसे में मनुष्य को सेवा के क्षेत्र में अति मानव बनना चाहिए और निरंतर विकास करना चाहिए.
- कोविड-19 के बाद दुनिया को पता चला कि भारत के पास खुशहाली का रोडमैप है. संघ के लोग कल्याण के लिए लगातार प्रयास करें, यही मेरा आग्रह है.

कैसे सुलझेगी पेंच, सभी के अपने-अपने दावे और तर्क, विस चुनाव में झामुमो ही रहेगा लीड रोल में

मिशन विस : सीट 81, 'इंडिया' के दलों से दावेदारी 113 पर

फाइल फोटो

कौशल आनंद। रांची

अगर विधानसभा चुनाव अपने निर्धारित समय पर हुआ तो, इसके लिए महज अब चार महीने का समय शेष रह गया है. भाजपा विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट चुकी है. इनके विधानसभा प्रभारी सह प्रभारी लगातार दौरे पर हैं. भाजपा के दिग्गज नेता और चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 जुलाई को पार्टी के विस्तारित कार्यसमिति की बैठक करेंगे और अपने कैडर को चुनाव समर में झोंकने का काम करेंगे. अगर इंडिया गठबंधन की बातें करें तो इसमें शामिल कोई भी दल अबतक चुनावी तैयारी से शुरू भी नहीं की है. हां, गठबंधन में सीट को लेकर तरह-तरह के दावे और प्रतिदावे किए जा रहे हैं. इसको लेकर तरह-तरह के लॉजिक भी दिए जा रहे हैं. झारखंड विधानसभा की कुल 81 सीटें हैं, मगर गठबंधन दलों की ओर से कुल 113 सीटों पर दावेदारी हो रही है. अब यह पेंच कैसे और कब तक सुलझेगा, यह देखना दिलचस्प होगा.

क्या कहते हैं विभिन्न दलों के नेता

लोकसभा चुनाव में क्यों और कैसे हुआ, यह सब जानते हैं. रही बात विधानसभा की तो इसमें शामिल सभी दलों को अपनी-अपनी जमीनी हकीकत पता है. बस इतना ही कहेंगे झामुमो विधानसभा में बड़े भाई की भूमिका में है और चुनाव सीएम हेमंत के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन सभी 81 सीटों लड़ेगा. इस बार हमारी दावेदारी 50 सीटों पर रहेगी. **- सुप्रियो भट्टाचार्य, महासचिव, झामुमो**

निश्चित ही हम पिछली बार 31 सीटों पर चुनाव लड़े थे. मगर इस बार 33 की दावेदारी क्यों हो रही है, यह सभी को पता है. प्रदीप यादव पिछली बार झाविमो से लड़े थे, इस बार वे कांग्रेस की ओर लड़ेंगे. मांडू के भाजपा विधायक कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं, वे भी इस बार कांग्रेस की ओर लड़ेंगे. हमारी पार्टी का दावा स्वाभाविक है. बाकी केंद्रीय नेतृत्व और हेमंत जी तय करेंगे. **- राकेश सिन्हा, महासचिव कांग्रेस**

पिछली बार हम 7 सीट पर लड़े थे, जिसमें चार सीट पर मामूली अंतर से हारे थे. एक सीट पर विजयी रहे. इस बार प्रदेश की ओर से 22 सीट और 22 प्रत्याशी चयन कर लिया गया है. प्रस्ताव भी तैयार है. इस प्रस्ताव को जल्द ही राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा. इसके बाद राष्ट्रीय नेता ही तय करेंगे हम एक सीट पर लड़ेंगे या 22 सीट पर. **- संजय सिंह यादव प्रदेश अध्यक्ष राजद**

इंडिया गठबंधन के तहत माले राज्य की आठ विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेगा. इसकी तैयारी की जा रही है. अंतिम फैसला पार्टी के और गठबंधन के वरीय नेता बैठकर तय करेंगे. माले का मकसद है भाजपा का इस राज्य से सफाया. इसलिए माले गठबंधन को मजबूती करना चाहता है. **- भुनेश्वर केवट माले नेता**

लोस में चली थी कांग्रेस की मनमर्जी

लोकसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस की ही चली थी, कांग्रेस ने एकतरफा अपनी तय सीटों पर प्रत्याशी उतारना शुरू कर दिया था. मगर विधानसभा चुनाव का नजारा कुछ अलग ही रहेगा. विधानसभा में झामुमो ही लीड रोल और बड़े भाई की भूमिका में रहेगा. गत विधानसभा में भी झामुमो ही लीड रोल में रहा था. सीटों के बंटवारे में भी इस बार झामुमो की ही मनमर्जी चलेगी, यह भी तय है.

अंतिम फैसला हेमंत, राहुल, तेजस्वी और दीपांकर ही करेंगे

विभिन्न दलों की चाहे कितने भी सीट पर दावेदारी हो, मगर सीटों के बंटवारे पर अंतिम फैसला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और माले के दीपांकर भट्टाचार्य ही लेंगे. अब यह देखना भी काफी अहम होगा कि कौन कितना पीछे जाता है, कौन अड़ता है. मगर इस बार सीटों का बंटवारा इंडिया गठबंधन में आसान नहीं होगा तय भी तय है.

2019 में झामुमो, कांग्रेस व राजद इन सीटों पर लड़ा था चुनाव

झामुमो : गुमला, सिसई, घाटशिला, गांडेय, बरहेट, दुमका, चाईबासा, चक्रधरपुर, मनोहरपुर, गिरिडीह, बोरिया, महेशपुर, टुन्डी, शिकारीपाड़ा, सरायकेला, सिल्ली, जामा, डुमरी, बहरागोड़ा, लिट्टीपाड़ा, बिशुनपुर, लातेहार, गढ़वा.

कांग्रेस : बरही, धनबाद, पाकुड़, बेरमो, जमशेदपुर दोनों, रामगढ़, मनिका, बोकारो, डालटनगंज, खिजरी, कांके, पांकी, विश्रामपुर, लोहरदगा.

राजद : देवघर, चतरा, छतरपुर, गोड्डा, हुसैनाबाद, कोडरमा, और बरकट्ठा

किस दल की कितनी सीट पर है दावेदारी

आम आदमी पार्टी ने पहले ही एकला चलो रे के तर्ज पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. अन्य वाम दल भी की मांग इतनी अधिक रहेगी, उनकी मांगें पूरी करना संभव नहीं होगा. इसलिए झारखंड इंडिया गठबंधन में शामिल दल झामुमो, कांग्रेस, राजद और माले ही है. पिछली बार झामुमो 43 सीट पर चुनाव लड़ा था, मगर इस बार पार्टी का दावा 50 सीट है. कांग्रेस पिछली बार 31 सीट पर चुनाव लड़ी थी, इस बार इसका दावा 33 सीट पर है. वहीं राजद पिछली बार सात सीट चुनाव लड़ा था, इस बार उसकी दावेदारी 22 सीट पर है. माले पिछली बार गठबंधन का हिस्सा नहीं था. मगर इस बार माले इंडिया गठबंधन में शामिल है. माले आठ सीट पर दावेदारी कर रहा है.

ईडी के स्पेशल डायरेक्टर अमित शाह से मिलने वाले दागियों व घुसपैठियों की सूची जारी करें

झारखंड में ईडी की कार्रवाई चिह्नित करके होती है: सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने देश के गृह मंत्री के झारखंड दौरे का स्वागत करते हुए बाबूलाल मरांडी और भाजपा पर तीखा प्रहार किया है. कहा कि झारखंड में ईडी की कार्रवाई चिह्नित करके होती है. जो भाजपा के साथ हैं, भाजपा के हैं या भाजपा समर्थक हैं, उनके खिलाफ सबूत रहने के बावजूद कोई कार्रवाई होती नहीं है. जबकि भाजपा के खिलाफत करने वालों के खिलाफ ईडी चुन-चुन करके कार्रवाई करती है. लोकसभा चुनाव के पूर्व झारखंड और देश ने दो तरह की तस्वीर देखी. झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, दिल्ली के सीएम समेत ऐसे कई भाजपा और मोदी जी के खिलाफत करने वालों को जेल में डाल दिया गया. ऐसा इसलिए है कि झारखंड में ईडी के सभी अफसरों के अतिरिक्त एक और ईडी के स्पेशल डायरेक्टर हैं, जिनका नाम है बीएल मरांडी (बाबूलाल मरांडी).

वे झारखंड में तय करते हैं कि किसके खिलाफ ईडी की कार्रवाई करनी है और किसके खिलाफ नहीं है. लोकसभा चुनाव के बीचो-बीच ये स्पेशल डायरेक्टर बीएल मरांडी जमीन घोटाले में आरोपी और बेल पर चल रहे विष्णु अग्रवाल को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलवाया. इतना ही नहीं अभी ईडी के नोटिस पर नोटिस होने के बाद भी उसके समक्ष उपस्थित होने नहीं होने वाले पूर्व पत्रकार और जमीन कारोबारी कमलेश को भी वित्त मंत्री से यह ईडी के स्पेशल डायरेक्टर बीएल मरांडी ने मिलवाया. यह सभी जानते हैं कि ईडी वित्त मंत्रालय के अधीन आता है. इसलिए अब 22 जुलाई को देश के गृह मंत्री आ रहे हैं, जो पीएम के स्पेशल एफेयरर्स कैबिनेट के मेंबर भी हैं. यह स्पेशल डायरेक्टर बीएल मरांडी गृह मंत्री से किन-किन दागियों और आरोपियों से मिलवाएंगे. किन-किन घुसपैठियों से मिलवाएंगे, उसका नाम अगर आज ही सार्वजनिक हो जाता तो बेहतर रहता. क्योंकि खुद भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और नेता प्रतिपक्ष अपनी पार्टी में घुसपैठी हैं. यह बातें झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने वित्त मंत्री के साथ दोनों आरोपियों का फोटो जारी करते हुए कही. इन दोनों फोटो में मरांडी भी मौजूद हैं.

असम डीजीपी का पत्र सरकारी धन के दुरूपयोग का सबसे बड़ा दस्तावेज, गृह मंत्री को जवाब देना होगा

भट्टाचार्य ने कहा कि असम सरकार के पुलिस विभाग के डीजीपी द्वारा एक पत्र झारखंड सरकार को आया है. यह पत्र अब झामुमो के लिए एक दस्तावेज बन गया है. इस पत्र में कहा गया है कि असम के सीएम हिमंता विस्व सरमा असम के मुख्यमंत्री के साथ झारखंड में भाजपा के सह विधानसभा चुनाव प्रभारी हैं. जिसे जेड प्लस की सुरक्षा प्रदान है. वे फिलहाल झारखंड आते-जाते रहेंगे .उन्हें गृह मंत्रालय के आदेश से यह सुरक्षा प्रदान की गयी है. इसलिए अगर झारखंड सरकार को दिक्कत है तो उनके आने-जाने और सुरक्षा पर किया जा रहा व्यय असम सरकार उठाने को तैयार है. यह पत्र अपने आप में कई प्रश्न को जन्म दे रहा है. क्या यह मान लिया जाए कि चुनावी बांड के बाद यह सरकारी धन के दुरूपयोग का बड़ा मामला बनेगा. क्या हिमंता विस्व सरमा जो एक मुख्यमंत्री रहते हुए झारखंड में भाजपा संगठन के लिए काम करेंगे और उसका खर्च असम के ट्रेजरी से भुगतान होगा. यह पत्र खुद अपने आप में स्वीकारोक्ति है.

गृह मंत्री भाजपा कार्यकर्ताओं को झूठ के टिप्स देंगे, क्योंकि इसमें वे माहिर हैं

भट्टाचार्य ने कहा कि गृह मंत्री 20 जुलाई को भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं को चुनावी टिप्स नहीं, झूठ का टिप्स देंगे. क्योंकि वे झूठ बोलने और भ्रम फैलाने में माहिर हैं. उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि एक बार वे यह बातें यूपी में फैलाने को कहा था कि अखिलेश यादव ने अपने पिता मुलायम सिंह यादव को थप्पड़ मारा था. यह झूठ इतनी तेजी से यूपी में फैलाया गया कि नेशनल न्यूज बन गया था. बाद में पूरा मामला ही झूठ निकला. इसी तरह से वे झारखंड में भी आकर झूठ और भ्रम बांटेंगे.

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन को चिट्ठी लिखी

क्यों घट रही संथाल में आदिवासियों की आबादी एसआईटी का गठन कर जांच करायी जाए

ब्यूरो। रांची

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चिट्ठी लिख कर संथालपरगना में आदिवासी समाज की घटती आबादी पर चिंता जतायी है. पत्र में बाबूलाल ने संथाल में आदिवासी समाज की घटती आबादी की जांच एसआईटी से कराने की मांग की है. कहा है कि जांच से यह स्पष्ट हो जाएगा कि आदिवासी समाज की घटती आबादी के पीछे का रहस्य क्या है. चिट्ठी के साथ उन्होंने संथालपरगना में घटती आदिवासी आबादी का आंकड़ा भी दिया है.

संथाल में तेजी से बस रहे हैं घुसपैठिए : मरांडी ने अपने पत्र में लिखा है कि संथालपरगना में आदिवासी समाज की आबादी लगातार घट रही है. संथालपरगना, आदिवासियों के लिए भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है. संथाल की पहचान ययां के आदिवासी समाज की पहचान का एक हिस्सा रही है. लेकिन हाल के दशकों में इस क्षेत्र में संकट के बादल मंडरा रहे हैं. बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध प्रवास के कारण यहां का समाज अपना अस्तित्व और संसाधन बचाने में लगा है. घुसपैठिए तेजी से यहां बस रहे हैं और आदिवासी समाज के जल, जंगल व जमीन को खतरा पहुंचा रहे हैं और अपने आपराधिक कृत्यों से माताओं, बहनों और बच्चों को प्रताड़ित कर रहे हैं. यहां तक कि बांग्लादेशी घुसपैठिए आदिवासी समाज की बहनों को लोभ-लालच देकर व डरा -धमका कर जबरन शादी कर इनकी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं. पत्र में जिक्र किया है कि वर्ष 1951 में संथालपरगना में आदिवासियों की आबादी जहां 44.67% थी, वहीं आज यह घटकर मात्र 28.11% ही बची है. ऐसा ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब संथालपरगना में संथाल ही अल्पसंख्यक हो जायेंगे और आदिवासियों के नाम से जाना जाने वाला यह क्षेत्र पहचान खो देगा.

मुस्लिम समाज की आबादी आदिवासियों से ज्यादा हो जाएगी : वर्ष 2021 के अनुमानित आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा है कि जनगणना में आदिवासी और मुस्लिम समुदाय की जनसंख्या में ज्यादा अंतर नहीं रहने की संभावना है. या ये भी कह सकते हैं कि वर्ष 2021 की जनगणना में ही आदिवासी समुदाय और मुस्लिम समुदाय की जनसंख्या लगभग बराबर हो गई है. 2031 जनगणना के अनुमानित आंकड़े संकेत देते हैं कि मुस्लिम समाज की आबादी आदिवासी समुदाय से ज्यादा हो जाएगी. इस तरह आदिवासी समुदाय के लिए खतरे की घंटी बजने वाली है. वर्ष 2001 और वर्ष 2011 की रफ्तार से यदि मुस्लिम जनसंख्या बढ़ती रही, तो संथालपरगना में मुस्लिम बिरादरी की आबादी अधिक हो जाएगी.

मरांडी ने जतायी चिंता

- ऐसे में तो 2031 तक मिट जाएगी संथाल की आदिवासी पहचान
- मुस्लिम समाज की आबादी आदिवासी समुदाय से ज्यादा हो जाएगी

संथालपरगना में की जनसंख्या 1951 से 2011

वर्ष	आदिवासी	मुस्लिम	अन्य
1951	44.46	9.44	45.9
1961	38.24	13.77	48.0
1971	36.22	14.62	49.8
1981	36.80	16.44	46.8
1991	31.89	18.25	49.9
2001	29.90	20.59	49.5
2011	28.11	22.73	49.2

---

10 सेविकाओं की नियुक्ति रद्द करने का मामला

हाईकोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए गढ़वा पलामू और लातेहार के उपायुक्त

विधि संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को पलामू, गढ़वा और लातेहार जिले के उपायुक्त सशरीर उपस्थित हुए. दरअसल पलामू, गढ़वा और लातेहार जिले में 10 ग्राम सेविकाओं की नियुक्ति को 24 साल बाद अचानक रद्द कर दिया गया था. इसके बाद सभी ग्राम सेविकाओं ने नियुक्ति रद्द करने के खिलाफ और बकाया वेतन व रिटायरमेंट बेनिफिट की मांग को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया. झारखंड हाईकोर्ट ने वर्ष 2023 में इनकी याचिका स्वीकार करते हुए लंबित वेतन का भुगतान करने और रिटायरमेंट बेनिफिट देने का निर्देश तीनों जिलों के डीसी को दिया था. लेकिन अब तक इस आदेश का अनुपालन नहीं हुआ. जिसपर नाराजगी जताते हुए अदालत ने उक्त जिलों के डीसी को उपस्थित होने का निर्देश दिया था. शुक्रवार को तीनों जिलों के डीसी अदालत में उपस्थित हुए. उन्होंने कोर्ट को यह जानकारी दी कि दो सप्ताह में अदालत के आदेश का अनुपालन कर किया जाएगा. प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता मनोज चौबे ने बहस की. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ. एसएन पाठक की कोर्ट में हुई.

सैनिक मार्केट की दुकानें खाली करने के आदेश पर रोक : झारखंड हाईकोर्ट ने रांची जिला प्रशासन द्वारा मेन रोड स्थित सैनिक मार्केट की दुकानों को खाली कराने के आदेश पर रोक लगा दी है. मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी के कोर्ट में हुई. दरअसल जिला प्रशासन ने सैनिक मार्केट के कई दुकानदारों को दुकानें खाली करने का आदेश दिया था. प्रशासन के इस आदेश के खिलाफ राम नथुन साह सहित अन्य पूर्व सैनिकों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता नवीन कुमार ने बहस की.

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को एडवोकेट एसोसिएशन ने दी विदाई

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विद्युत रंजन सारंगी के कार्यकाल के अंतिम कार्यदिवस के दिन उन्हें हाईकोर्ट के वकीलों में विदाई दी. हाईकोर्ट परिसर में हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया. विदाई समारोह में हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश, महाधिवक्ता राजीव रंजन, स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष, हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता, काउंसिल के सदस्य, एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार, महासचिव नवीन कुमार व अन्य कार्यकारिणी सदस्य समेत अपर महाधिवक्ता और हाईकोर्ट के सभी अधिवक्ता मौजूद रहे. चीफ जस्टिस ने वकीलों द्वारा उनकी विदाई में दिए गए सम्मान पर आभार जताया, इसके साथ ही उन्होंने अपने अधीनस्थ सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि झारखंड में किया गया कार्य उन्हें हमेशा याद रहेगा. एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार, महासचिव नवीन कुमार ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की.

किसी कार्य के निष्पादन में विलंब होना आपराधिक विश्वासघात नहीं : हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया कि सिर्फ किसी कार्य के निष्पादन में देरी को आपराधिक विश्वासघात नहीं माना जाना चाहिए. दरअसल सिमडेगा सिविल कोर्ट ने शंकर सिंह और सोरथो सिंह को दोषी करार दिया था. दोनों ने कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट मे चुनौती दी थी. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में हुई. वर्ष 2006-07 में स्कूल भवन के निर्माण के लिए प्राथियों को 3 लाख 78 हजार 250 रुपये दिये गये थे. यह पैसा आरोपियों के बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया था. लेकिन तय समय सीमा में स्कूल भवन का निर्माण कार्य पूरा नहीं होने पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने शंकर सिंह और सोरथो सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी. ट्रायल के बाद कोर्ट ने दोनों को दोषी करार देते हुए सजा भी सुना दी. निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए हाईकोर्ट ने आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि सिर्फ कार्य के निष्पादन में देरी आपराधिक विश्वासघात नहीं है, वह भी तब जब कार्य निष्पादन की समय-सीमा से जुड़ा कोई एग्रीमेंट मौजूद ना हो.

पूर्व मंत्री आलमगीर की बेल पर कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

रांची। टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक आलमगीर आलम की बेल पर आज शुक्रवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया. अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी. बता दें कि आलमगीर आलम को ईडी ने पूछताछ के बाद 15 मई को गिरफ्तार किया था. वहीं इसी केस में ईडी राज्य के वरीय आईएएस अधिकारी मनीष रंजन से पूछताछ कर चुकी है. इस केस में आलमगीर आलम के ओएसडी रहे संजीव लाल और उसके सहयोगी जहांगीर आलम की भी गिरफ़्तारी हो चुकी है. एजेंसी ने इन दोनों के ठिकानों में छापेमारी कर 35 करोड़ से ज्यादा कैश बरामद किये थे.

एमसीसी कमांडर और दिलीप को सजा

रांची। रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दीवाकर पाण्डेय की कोर्ट ने एमसीसी के एरिया कमांडर नकुल यादव और दिलीप चंद्रवंशी को 7 साल की सश्रम कारावास की सजा और 50 हजार का जुर्माना लगाया गया. अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना नहीं देने की स्थिति में दोषी को 7 माह का अतिरिक्त कारावास होगी. नकुल यादव के खिलाफ रांची जिला के खलारी थाना में वर्ष 2002 में कांड संख्या 42 दर्ज किया गया था. इस केस का ट्रायल पोटा के तहत चला. इस केस में अभियोजन की ओर से कुल 7 गवाहों की गवाही करवाई गई. अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक बीएन. शमी ने पक्ष रखा और बहस की.

क्लासिफाइड

www.lagatar.in
रांची, शनिवार 20 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 102
आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक राज्य - एक अखबार
शुभम संदेश

तापमान
31.0° अधिकतम
24.6° न्यूनतम

आमने-सामने: सीएम आवास के पास शुक्रवार को सहायक पुलिसकर्मियों को रोकते पुलिस के जवान. इसी दौरान बात बढ़ी तो लाठीचार्ज और पथराव हो गया. फिर तो सड़क ही रणक्षेत्र बन गई.

10 हजरिया गलिंता नहीं सहेंगे-नहीं सहेंगे, हमें स्थाई करो या जहर दे दो

जैसा देखा-सुना

मोरहाबादी मैदान टू सीएम हाउस गेट कांके रोड

सैयद रमीज जावेद/ आकर्ष अनिकेत

मोरहाबादी मैदान. जगह-जगह चार-पांच टेंट-तंबू लगे हैं. टेंट को ही सहायक पुलिसकर्मियों ने अपना अस्थायी आशियाना बना रखा है. किसी तंबू में भोजन पक रहा है, किसी में महिला सहायक पुलिसकर्मी अपने बच्चे को खेला रही है. सहायक पुरुष पुलिसकर्मी घूम-घूम कर सभी साथियों को गोलबंद कर रहे हैं. उनका उत्साह भी बढ़ा रहे हैं. सरकार के प्रतिनिधियों के साथ चल रही वार्ता पर भी उनकी नजर है.

राज्य भर भर के 22 सौ महिला-पुरुष सहायक पुलिसकर्मी स्थायीकरण की अपनी फरियाद लेकर मैदान में जुटे हैं. दोपहर बाद जैसे ही वार्ता विफल हुई, सहायक पुलिसकर्मियों के तंबू तक सूचना पहुंच गई. वार्ता विफल होने के बाद प्रतिनिधि जैसे ही मैदान में पहुंचते हैं, हलचल तेज हो गयी. नारेबाजी होने लगी. सीएम आवास कूच करने का आह्वान होता है. सभी पुरुष सहायक पुलिसकर्मी तैयारी में जुट जाते हैं, लेकिन उन्हें यहां तैनात पुलिस के अधिकारी समझाते हैं. सीएम आवास के आसपास निषेधाज्ञा लागू होने की जानकारी देते हैं, लेकिन सहायक पुलिसकर्मी उनसे दो-दो हाथ करते, बैरिकेंडिग फांदते. चकमा देते अलग-अलग रास्तों से कांके रोड सीएम आवासे के गेट पर जमा हो जाते हैं.

कांके रोड पर पुलिस के जवानों से झकझूमर, होती रही धक्का-मुक्की

सीएम आवास के गेट के बाहर कांके रोड पर सुरक्षा में तैनात पुलिस के जवान व अफसर और सहायक पुलिसकर्मियों में तो कई मौकों पर आमने-सामने की भिंड़त हुई. धक्का-मुक्की. पुलिस के जवान लाठी-बंदूक से लैस, सहायक सुरक्षाकर्मी खाली हाथ. एक-दो सहायक पुलिसकर्मी कहीं से बल्ली जुगाड़ लाते हैं और सुरक्षा में तैनात जवान पर भांजते हैं. ठेला-ठेली, धक्का मुक्की होती रहती है.

जवानों की लाठी छीन कर उन पर ही भांजी, कई घायल हुए

कांके रोड पर जहां सुरक्षा में तैनात पुलिस के जवानों व सहायक पुलिसकर्मियों में रह-रह कर भिड़ंत होती रही. कई बार ऐसा भी हुआ कि सहायक पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा में तैनात जवानों की लाठी उनसे न सिर्फ छीन ली, बल्कि उन पर ही भांज दी. लाठी भांजा-भाजी में एक पुलिस के जवान का पैर ही टूट गया. वहीं कई सहायक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया. सहायक पुलिसकर्मियों का साथ देने व नेतागिरी चमकाने पहुंचे जेबीकेएसएस के देवेंद्रनाथ महतो पर पुलिसवालों से जमकर लाठियां बरसाईं, लहूलुहान कर दिया.

इधर सीएम आवास पहुंचे सहायक पुलिसकर्मी, उधर उखाड़ दिए तंबू

सहायक पुलिसकर्मियों ने जब सीएम आवास पर धावा बोला, तो मोरहाबादी मैदान स्थित उनके धरना स्थल पर तोड़-फोड़ की गयी. टेंट-तंबी उखाड़ कर फेंक दिया गया. तंबू में रखे सामानों को भी इधर-उधर फेंक दिया गया. सहायक पुलिसकर्मियों का आरोप है कि जब हम सीएम आवास के बाहर थे, उस वक्त टेंट-तंबू को को तहस-नहस कर दिया गया. सामान भी चुरा लिए गए. कर्मियों ने बताया कि लगभग पांच टेंट को उखाड़ दिया गया है. कुछ चावल की बोरियां, तेल की टीनें भी गायब हैं. सहायक पुलिसकर्मी मोहित कुमार का कहना है कि जब सरकार हमसे हार गयी, तो उसका बदला हमारे टेंट को उखाड़ कर ले रही.

लग रहे थे नारे-नौकरी स्थाई करो, नाइंसाफी बंद करो

सहायक पुलिसकर्मी एक ही रट लगा रहे थे- 10 हजरिया गलिंता नहीं सहेंगे -नहीं सहेंगे. हमारी नौकरी स्थायी करो या हमें जहर दे दो. नारेबाजी कर रहे सहायक पुलिस कर्मियों का कहना है कि हम राज्य के नक्सल प्रभावित इलाकों में भी सेवा देते हैं, जहां हमेशा हमारी जान का खतरा बना रहता है. हमारी छुट्टी निर्धारित नहीं. हम सिर्फ 10 हजार रुपये में ही दिन-रात खटते हैं. यह हमारे साथ नाइंसाफी. हमें अपने अधिकार के लिए बार-बार धरना- प्रदर्शन करना पड़ता है. पिछली बार भी हमें आश्वासन दिया गया था, पर कोई फायदा नहीं हुआ. सहायक पुलिकर्मियों का कहना है कि सरकार हमारा इस्तेमाल कर रही है. लेकिन अब हम ऐसा होने नहीं देंगे.

आरोप-महिला सहायक पुलिसकर्मियों से दुर्व्यवहार

जिस वक्त सभी सहायक पुलिसकर्मी सीएम आवास के बाहर थे, उस वक्त कुछ महिला सहायक पुलिसकर्मी अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ मोरहाबादी के धरना स्थल पर टेंट में ही थीं. महिला सहायक पुलिसकर्मियों ने आरोप लगाया कि उस वक्त उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया. टेंट में रखे सभी कपड़ों को बाहर फेंक दिया गया. टेंट को उखाड़ा गया. एक महिला सहायक पुलिसकर्मी ने आरोप लगाया कि हटिया डीएसपी ने उन्हें धक्का देकर भगाने की कोशिश की.

दोनों तरफ से घंटों होती रही झकझूमर: जवान को दबोचते आंदोलनकारी.

जेबीकेएसएस चीफ देवेंद्र नाथ महतो को टांग कर ले जाती पुलिस.

हाथ जोड़ करपिटाई नहीं करने की विनती करता सहायक पुलिसकर्मी.

एक्शन में पुलिस: अपने ही साथियों को पीटने के लिए लाठी भांजते जवान.

ब्रीफ खबरें

सुभाष मुंडा हत्याकांड: आरोपित की जमानत याचिका खारिज

रांची। न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की कोर्ट ने शुक्रवार को माकपा नेता सुभाष मुंडा हत्याकांड के आरोपित विनोद कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी. सुभाष मुंडा की हत्या 26 जुलाई, 2023 को हुई थी. सुभाष मुंडा दलादली स्थित दफ्तर में कुछ लोगों के साथ बैठे थे. इसी दौरान घात लगाए अपराधियों ने गोली मारकर सुभाष की हत्या कर दी थी.

26 से विस का मॉनसून सत्र हंगामेदार होगा

रांची। झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र में छह कार्य दिवस होंगे. राज्यपाल ने 26 जुलाई से 2 अगस्त तक मॉनसून सत्र बुलाने को मंजूरी दे दी है. सत्र के दौरान विपक्षी दल भाजपा भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून व्यवस्था और घुसपैठ जैसे विभिन्न मुद्दों पर झामुमो नीत सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार को घेरने का प्रयास करेगी. ऐसे में सत्र के हंगामेदार होने के आसार हैं. झारखंड विधानसभा का यह आखिरी सत्र होगा.

जमीन कारोबारी कमलेश नहीं हुआ ईडी के सामने पेश

रांची। ईडी के समन के बावजूद जमीन कारोबारी कमलेश कुमार शुक्रवार को ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय नहीं पहुंचा. इससे पहले ईडी ने 12 जुलाई को कमलेश को समन कर 19 जुलाई को ईडी कार्यालय बुलाया था. इससे पहले भी 12 जुलाई को भी कमलेश ईडी कार्यालय नहीं पहुंचा था. कमलेश पर आरोप है कि उसने सीएनटी एक्ट से संबंधित जमीन और सरकारी जमीन का फर्जी डीड बनाया. निर्दोष ग्रामीणों की जमीन पर जबरन हथियार के बल पर कब्जा किया और उसकी बिक्री की.

हरमू फल मंडी के पास देर रात युवक की गोली मार कर हत्या

संवाददाता। रांची

- दोस्त संग गांजा खरीदने गया था, नशे के सौदागरों से विवाद हो गया

अरगोड़ा की हरमू फल मंडी के पास शुक्रवार रात गांजा कारोबारियों गोली मारकर युवक की हत्या कर दी. हत्या करने के बाद नशे के सौदागर भाग निकले. सूचना मिलते ही सिटी एसपी,हटिया, कोतवाली डीएसपी व अरगोड़ा सहित कई थानों की पुलिस ने पहुंच कर छानबीन शुरू की. मारे गये युवक की पहचान अभिषेक कुमार सिंह के रूप में हुई है.

गांजा खरीदने मंडी पहुंचा : जानकारी के अनुसार हरमू हाउसिंग कॉलोनी में फल मंडी के पास आस्था अस्पताल है. अभिषेक अपने दोस्त प्रिंस के साथ रात करीब 11 बजे गांजा खरीदने मंडी पहुंचा. वहां पहले से नशे के तीन सौदागार गांजा बेचने के लिए बैठे थे. गांजा विक्रेताओं से अभिषेक का पैसों को लेकर विवाद हो गया. इतने में नशे के सौदागरों में से एक ने अभिषेक को दौड़ा कर गोली मार कर हत्या कर दी.

लोगों का कहना है कि मंडी के पास नशे के सौदागार नशीने पदार्थों का धंधा करता है. आपराधिक चरित्र के युवक रात में बैठ कर नशा करते हैं. राहगीरों से गाली- गलौज भी किया करते हैं. विरोध करने पर मारपीट व लूटपाट भी किया करते हैं. शुक्रवार की रात अभिषेक कुमार सिंह अपने दोस्त के साथ गांजा खरीदने पहुंचा, तो विवाद हो गया. अभिषेक की हत्या करने के बाद शव को नशे के सौदागरों ने एक किनारे फेंक दिया और घटनास्थल से भाग निकले. बताया जाता है कि अभिषेक के पिता बलबीर सिंह की मटन हांडी की दुकान डिबडीह पुल के पास है.

दौड़ा-दौड़ा कर गोली मारे जाने की आशंका : घटनास्थल पर जिस तरह से अभिषेक कुमार सिंह का शव बरामद किया गया है, उसे देखकर लगता है कि उसे दौड़ा-दौड़ाकर गोली मारी गई है. सब्जी मंडी के आसपास कई जगहों पर खून के धब्बे बिखरे पडे हैं. हत्या मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है. उससे पूछताछ की जा रही है. जिस स्थान पर अभिषेक कुमार सिंह का शव मिला है, उसके आसपास काफी खून बिखरा था.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 23 जुलाई को कुष्ठ आश्रम का करेंगे उद्घाटन

183 तकनीकी कर्मियों को बांटेंगे नियुक्ति पत्र

कौशल आनंद। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 23 जुलाई को धुर्वा के मुड़मा में नवनिर्मित आकर्षक कुष्ठ आश्रम का उदघाटर करेंगे. उसी दिन मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों के तकनीकी कर्मियों को नियुक्ति पत्र का भी वितरण करेंगे. इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री 24 जुलाई को ताज होटल के लिए टाटा कंपनी के एमओयू करेंगे. वहीं रांची के बिरसा मुंडा संग्रहालय सह पार्क में टाटा कंपनी के बनाये गये थंब इप्रेशन का भी उदघाटन 24 को करेंगे. इसको लेकर शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित नगर विकास सचिव अरवा राजकमल की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समन्वय समिति की बैठक हुई. जिसमें उपरोक्त कार्यक्रम के अलावे कई और निर्णय लिए गए. बैठक मे रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, रांची नगर निगम के प्रशासक अमित कुमार, निदेशक नगरीय प्रशासन सत्येंद्र कुमार, नगर विकास विभाग के अपर सचिव ज्ञानेंद्र कुमार, मनोहर मरांडी, जुडको के पीडीएफ अमित चक्रवर्ती, जीएम बिनय कुमार राय, रांची स्मार्ट सिटी के जीएम राकेश कुमार नंद कुलियार, अवर सचिव तुल कुमार और टाटा कंपनी के मुख्य रेजिडेंट कार्यकारी संजय मोहन श्रीवास्तव शामिल हुए.

मुख्यमंत्री 256 फ्लैट के लाभुकों को सौंपेंगे चाबी : बैठक के बाद सचिव अरवा कमल नेतृत्व में मुडमा कुष्ठ आश्रम का निरीक्षण किया गया. जिसमें रांची उपायुक्त राहुल कुमार और रांची नगर निगम के प्रशासक अमित कुमार भी उपस्थित थे.

उन्होंने बताया कि रांची के विभिन्न स्थानों पर जैसे तैसे रह रहे कुष्ठ प्रभावित लोगों को अपना पक्का और खुबसूरत आशियाना मिलने जा रहा है.धुर्वा में विधानसभा के पीछे मुडमा मौजा में बने 256 फ्लैट का समारोह पूर्वक उद्घाटन करेंगे. उसी समय आवासों की चाबी भी लाभुकों को मुख्यमंत्री सौपेंगे.

नियुक्ति पत्र पानेवालों में कई विभाग के कर्मी

सचिव राजकमल ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेने 23 जुलाई को ही प्रोजेक्ट भवन के सभागार में विभिन्न विभागों के लिए चयनित कुल 183 तकनीकी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी सौंपेंगे. जिसमें मुख्य रूप से नगर विकास विभाग के लिए 58 कनीय अभियंता, परिवहन विभाग के लिए 40 एमवीआइ पेयजल के लिए 22 कनीय अभियंता और 28 एटीपी के लिए तकनीकी कर्मी शामिल हैं.

रांची स्मार्ट सिटी में होटल ताज के लिए होगा एमओयू : उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 24 जुलाई को प्रोजेक्ट भवन के सभागार में एचइसी स्थित रांची स्मार्ट सिटी में टाटा कंपनी को आवंटित भूमि पर पांच सितारा होटल ताज के लिए लीज एमओयू टाटा के उच्चाधिकारी के साथ करेंगे. इसके अलावा 24 जुलाई को ही पुराने बिरसा मुंडा जेल परिसर में बने बिरसा मुंडा संग्रहालय सह पार्क में टाटा कंपनी द्वारा बनवाये गये खूबसूरत थंब इंप्रेशन का भी उद्घाटन करेंगे.

यादगार हेमंत सोरेन को जेल से रिहा करवाने में मदद के लिए बच्चे का अनोखा प्रयास

अंश ने गुल्लक में जमा किया पैसा सीएम को सौंपा, तो हुए भावुक

विशेष संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन से गुमला का पांच साल अंश लकड़ा सीएम आवास में मिला. इस दौरान उसने सोरेन को एक गुल्लक सौंपा, जिसमें अंश ने हेमंत को जेल रिहा करने में मदद करने के लिए पैसे जमा किए थे. ये बच्चा गुमला जिले के जारी प्रखंड की सिकरी पंचायत की समाजसेवी शांति लकड़ा का पुत्र हैं. वो अपनी मां के साथ सीएम निवास पहुंचा.

हेमंत को शांति लकड़ा ने बताया कि अंश को जैसे ही यह खबर मिली कि आप जेल गए हैं, इसने उसी दिन से अपने पॉकेट खर्च में मिले पैसे गुल्लक में जमा करना शुरू कर दिया ताकि उन पैसों से आप को जेल से रिहा कराने में मदद की जा सके. राज्य के बच्चे भी आपके से गहरा लगाव रखते हैं. गुमला जिला स्थित पगुरा गांव के 5 वर्षीय अंश लकड़ा के मन में मुख्यमंत्री के लिए कितना प्यार और स्नेह है, इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल से रिहाई में मदद पहुंचाने हेतु इस बच्चे ने अपने पॉकेट मनी से पैसे बचाकर गुल्लक में जमा किए, ताकि इन पैसों से मुख्यमंत्री को जेल से रिहा कराया जा सके.

क्षेत्र भ्रमण में भी सीएम से गर्मजोशी से मिलते हैं छोटे-छोटे बच्चे

अक्सर यह देखा जाता है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जब भी क्षेत्र भ्रमण पर होते हैं या किसी भी सभा को संबोधित करते हैं तब मुख्यमंत्री को देखने तथा उनकी बातों को सुनने बड़ी संख्या में छोटे-छोटे बच्चे भी उपस्थित होते हैं. यूं तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी सभी वर्ग-समुदाय के बच्चों को काफी स्नेह और प्यार हमेशा देते हैं. बच्चों के भविष्य को लेकर मुख्यमंत्री सदैव चिंतित भी रहते हैं. बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का संचालन भी किया जा रहा है.

अंश के जज्बे को किया सलाम, दिया आशीष

मौके पर मुख्यमंत्री ने अंश के जज्बे की सराहना की. हेमंत सोरेन जब अंश लकड़ा से मिले, तो उसके दिल में अपने प्रति इतना प्यार और आदर देख कर कुछ पल के लिए भावुक दिखाई दिए. मौके पर अंश लकड़ा की माता शांति लकड़ा ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि अंश लकड़ा मुख्यमंत्री को अपना आदर्श मानता है. मुख्यमंत्री ने अंश को अपना स्नेह एवं आशीर्वाद दिया. साथ ही बच्चे के जज्बे को सलाम भी किया.

कल तक करा लें कंज्यूमर आईडी के साथ अपना मोबाइल नंबर टैग

विशेष संवाददाता। रांची

बिजली कंज्यूमर अलर्ट

- 21 के बाद लगाए गए स्मार्ट मीटर करने लगेगा प्री-पेड मोड पर, फिर रिचार्ज करके ही जल पाएगी बिजली

राजधानी के बिजली कंज्यूमर अलर्ट हो जाएं. जिनका-जिनका स्मार्ट मीटर लग चुका है, वे 21 जुलाई के पहले तक अपने कंज्यूमर आईडी को मोबाइल नंबर से टैग करा लें, क्योंकि 21 के बाद कंज्यूमर का स्मार्ट मीटर प्री-पेड मोड पर काम करना शुरू कर देगा. इसके बाद कंज्यूमर रिर्चाज करा कर ही बिजली इस्तेमाल कर सकेंगे.

जेबीवीएनएल की ओर से स्मार्ट मीटर को प्री-पेड मोड पर करने की तैयारी पूरी कर ली गयी है. 21 जुलाई से स्मार्ट मीटर को प्री-पेड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी. 21 जुलाई से स्मार्ट मीटर प्रीपेड मोड पर काम करना शुरू करेगा. इसे डिवीजन वाइज अलग-अलग चरणों में किया जायेगा. इसके लिये जरूरी है कि उपभोक्ता अपने नजदीकी बिजली कार्यालय में जाकर कंज्यूमर आईडी के साथ मोबाइल नंबर टैग करा लें. इससे उपभोक्ताओं को वाट्सएप पर भी सेवा मिल सकेगी.

रांची में अब तक लगाए जा चुके हैं ढाई लाख स्मार्ट मीटर : रांची में अब तक ढाई लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं. वहीं शेष बचे घरों में सितंबर तक लगाने जाने का लक्ष्य रखा गया है. रांची के कुल साढ़े तीन लाख कंज्यूमरों को स्मार्ट मीटर लगाया जाना है.

मौजूद रहेंगे सीएमडी समेत यूनियन के प्रतिनिधि

एचईसी में 23 को श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता के नेतृत्व में त्रिपक्षीय वार्ता

संवाददाता। रांची

शुक्रवार राजद और एचईसी बचाओ मजदूर जनसंघर्ष समिति व यूनियन के प्रतिनिधियों ने झारखंड के श्रम एवं उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता से मुलाकात की. इस दौरान एचईसी यूनियन 8 सूत्री मांगों पर चर्चा हुई. बैठक में वार्ता के दौरान मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि ईएसआई में कर्मचारियों का चिकित्सा सुविधा बहाल रहेगी, इस पर रोक नही लगेगी.

इस संबंध में उन्होंने ईएसआई अस्पताल नामकोम के डॉ. राजीव कुमार को निर्देश दिया. साथ ही वेतन भुगतान,कर्मचारियों को काम पर रखने,बैंक गारंटी सहित सभी 8 सूत्री मांग पत्र पर को त्रिपक्षीय वार्ता बुलाई गई है. जिसका नेतृत्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता करेंगे. वहीं वार्ता में उद्योग सचिव,एचईसी के सीएमडी ,राजद एवं एचईसी बचाओ मजदूर जनसंघर्ष समिति यूनियन से 10-10 प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे.

राजद और एचईसी संघर्ष समिति के सदस्यों के साथ श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता.

वार्ता में राजद महासचिव एवं एचईसी नागरिक संघ के अध्यक्ष कैलाश यादव ने मंत्री को कहा की एचईसी के कर्मचारियों व अधिकारियों का वेतन का मामला अत्यंत गंभीर विषय हैं. लगभग 24 महीनों से नियमित रूप से वेतन नहीं मिला है, यह बिल्कुल श्रम कानून का उल्लंघन है. वार्ता में विशेष रूप से राजद के प्रधान महासचिव सह पूर्व विधायक संजय यादव,महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव,मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार,महासचिव आबिद अली,वरिष्ठ नेता राजेश यादव,महासचिव सुनीता चौधरी,महासचिव डॉ. अरुण यादव, शब्बर फातमी,प्रणय कु बबलू एवं एचईसी बचाओ मजदूर जनसंघर्ष समिति से सीटू नेता भवन सिंह,प्रमोद कुमार,मनोज पाठक, राजेश शर्मा,महेंद्र कुमार, राजेंद्र कुमार, संतोष राय,रंथु लोहरा, राजकुमार रजक, सजाद अंसारी, प्रेमप्रकाश नाथ शाहदेव सहित अन्य लोग मौजूद थे.

प्रमुख मांगें

1. डॉ वीके सारस्वत कमेटी की अनुशंसा के तहत ही कारखाने का आधुनिकीकरण जल्द से जल्द कराया जाए
2. ठेका/सप्लाई कर्मियों का 22 एवं अधिकारियों 24 महीने का बकाया वेतन भुगतान अविलंब किया जाए
3. विस्थापित – मृत आश्रित 1600 ठेका सप्लाई कर्मियों को बिना शर्त अविलंब बहाल किया जाय एवं टेंडर का बहाना की आड़ में काम पर बैठाने की कोशिश न करें क्योंकि पूर्व में निरंतर बगैर टेंडर किए हुए सप्लाई – कर्मियों को काम पर रखा गया है
4. एलटीएल आवासों का धारकों के एग्रीमेंट पेपर को रजिस्टर्ड डीड किया जाए
5. एलटीएल धारकों के एस्बेस्टस सीट वाले तमाम टाइप के आवासों को पक्का ढलाई छत करने का आदेश जारी किया जाए
6. 10 वर्षो से कार्य कर रहे ठेका सप्लाई कर्मियों को स्थाईकरण किया जाय स्थाई प्रकृति के कार्य कर रहे हैं
7. 30 सितंबर से ESI में बंद चिकित्सा सुविधा बहाल किया जाए
8. केंद्र/राज्य सरकार बैंक गारंटी की व्यवस्था करे ताकि एचईसी को लगभग साढ़े 3 करोड़ रु का ब्याज देने से बचत हो सके

बिना केंद्र सरकार के सहयोग के एचईसी का पुनरुद्धार नहीं हो सकता : राणा संग्राम सिंह

रांची। हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारियों की बैठक में लंबे समय बाद यूनियन के नेता सह महामंत्री सह इंटक के राष्ट्रीय वरीय सचिव राणा संग्राम सिंह ने कहा कि बिना केंद्र सरकार के सहयोग के एचईसी का पुनरुद्धार नहीं हो सकता है, चाहे केंद्र में किसी भी पार्टी की सरकार क्यों न हो. वैसे यदि केंद्र में कांग्रेस की सरकार होती, तो सकारात्मक परिणाम प्राप्त होता. लेकिन दुर्भाग्य है कि महीनों केंद्र की मोदी सरकार को गाली देने के बाद भी वोटिंग के समय भाजपा को वोट दिया. संजय सेठ इस बार पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरे हैं. अभी ऐसे हालात हैं कि संजय सेठ चाहें तो निश्चित रूपेण एचईसी का भला हो सकता है. केंद्र में राहुल गांधी की सरकार तो है नहीं और एचईसी को केंद्र से मदद दिलाना राज्य सरकार के श्रम मंत्री के बस के बाहर की बात है.

केंद्र इनकार करेगा, तो राज्य की भूमिका होगी

महामंत्री सिंह ने कहा कि जब केंद्र पूरी तरह एचईसी का पुनरुद्धार करने से इनकार कर देगी, तभी झारखंड के सीएम की भूमिका शुरू होगी. पहले ठेकेदार की बहाली, फिर लिखित, फिर रोड मैप, फिर कुछ और. इसके लिए केवल कामगार, नेता ही नहीं दोषी हैं, बल्कि अधिकारी और निदेशक मंडल, प्रभारी महाप्रबंधक भी दोषी हैं.

कौन-कौन सी मांग प्रबंधन के समक्ष रखी

हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन की ओर से प्रबंधन से कर्मियों का फार्म 16 निर्गत करने की मांग रखी गयी है. साथ ही कर्मचारी को पे स्लिप देने, लेजर मुहैया कराने, कामगारों को प्रोन्नति देने, फॉउंड्री मैन की प्रोन्नति जी ग्रेड से ई ग्रेड में करने, एफएफपी के मेल्टिंग विभाग में कार्यरत दो कामगार को पूर्व की भांति प्रोन्नत करने, कर्मियों के बच्चों की फीस में रियायत की मांग रखी गयी है. इसके अलावा कामगारों की पुनर्नियुक्ति की जाए, वेतन का नियमित भुगतान किया जाए, जिन कामगारों का रिटायरमेंट के बाद रिटायरल ड्यूज का भुगतान नहीं हुआ है, उन्हें आबंटित क्वार्टर का नार्मल किराया लिया जाए.

शहर में आज

1. संत मार्गेट का स्थापना दिवस, बहुबाजार में दिन के 11 बजे
2. आजसू का हल्ला बोल कार्यक्रम, कई प्रखंडों में दिन के 10 बजे

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

छवि रंजन सहित तीन लोगों ने डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल की

रांची। बरियातू के चेशायर होम रोड स्थिति जमीन की अवैध तरीके से खरीद-फरोख्त करने के आरोपित रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन सहित तीन आरोपितों ने पीएमएलए कोर्ट में डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल की है. दाखिल डिस्चार्ज पिटीशन पर 20 जुलाई को पीएमएलए कोर्ट में सुनवाई होगी। मामले में छवि रंजन के साथ जेल में बंद कोलकाता कारोबारी अमित अग्रवाल और जमानत पर चल रहे न्यूक्लियस मॉल के संचालक कारोबारी विष्णु अग्रवाल ने अपने आप को निर्दोष बताते हुए डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल की है. मामले में अब तीनों की डिस्चार्ज पिटीशन की सुनवाई पूरी होने के बाद नई तारीख निर्धारित की गई है.

लालपुर सब्जी मार्केट में शिफ्ट होने के लिए 230 विक्रेता राजी

रांची। लालपुर-कोकर मार्ग को जाम मुक्त करने के लिए डिस्टिलरी पुल के पास वेजीटेबल मार्केट का निर्माण किया गया था, जिसमें शिफ्टिंग को लेकर विक्रेता राजी नहीं थे. गुरुवार को नगर प्रशासक से वार्ता के बाद सब्जी विक्रेताओं ने मार्केट में शिफ्टिंग के लिए सहमति जताई थी. इसके बाद शुक्रवार को सहमति पत्र जमा करने के लिए भारी संख्या में विक्रेता मार्केट पहुंचे. निगम के एक अधिकारी के अनुसार 230 विक्रेताओं ने सहमति पत्र जमा किया. निगम के अधिकारी ने बताया कि आहर्ता पूर्ण करने वाले विक्रेताओं के लिए लॉटरी की प्रक्रिया जल्द की जाएगी, जिसके बाद उन्हें जगह आवंटित की जाएगी.

गिरिडीह यात्रा के दौरान सीएम ने जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की, दिए निर्देश

सीएम ने अधिकारियों को चेताया, सरकार की योजनाएं धरातल पर दिखनी चाहिए

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने गिरिडीह यात्रा के पहले दिन गिरिडीह में सरकार की योजनाओं की अफसरों के साथ बैठक की. योजनाओं की समीक्षा की. सीएम ने अफसरों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि राज्य सरकार की सभी योजनाएं धरातल पर दिखनी चाहिए. इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे पूरी संवेदना के साथ जनता की समस्याओं को सुने और समाधान निकालें. आपकी जिम्मेदारी बनती है कि जिले में सरकार की नीतियों और योजनाओं का प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन हो ताकि उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति को भी मिल सके. इसमें किसी भी तरह की कोताही और लापरवाही नहीं होनी चाहिए. बैठक में राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद, विधायक मथुरा प्रसाद महतो, विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, कल्पना सोरेन, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष संजय सिंह समेत जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारी मौजूद थे.

मनरेगा में ज्यादा मानव दिवस का सृजन हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा के तहत चल रही विभिन्न योजनाओं में ज्यादा से ज्यादा मानव दिवस सृजित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं. ताकि, मजदूरों को अपने गांव घर में ही रोजगार मिल सके और उनका पलायन नहीं हो .उन्होंने कहा कि मनरेगा श्रमिकों को पारिश्रमिक का भुगतान समय पर हो, इसे सुनिश्चित करें.

कम बारिश के मद्देनजर वैकल्पिक कृषि की तैयारी रखें

मुख्यमंत्री ने जिले में मानसून की बारिश और धान रोपनी की स्थिति की जानकारी अधिकारियों से ली. इस दौरान वे किसानों के बीच बीज और खाद वितरण की वस्तुस्थिति से भी अवगत हुए. उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगर कम बारिश की वजह से धान की बुवाई प्रभावित होती है तो किसानों को वैकल्पिक कृषि के लिए तैयार करने की पूरी तैयारी रखें. किसानों को राहत करने के लिए सभी कदम उठाये जाएं. उन्होंने कहा कि किसानों को केसीसी का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें. मुख्यमंत्री ने बैठक में कृषि ऋण माफी योजना की भी जानकारी ली.

युवाओं का पलायन नहीं हो, उन्हें रोजगार उपलब्ध कराएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरिडीह जिले से बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा रोजगार के लिए बड़े शहरों एवं दूसरे राज्यों के लिए पलायन करते हैं. यह काफी चिंतनीय है. हमारी सरकार ने युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं. इन योजनाओं से युवाओं को जोड़ें, ताकि उन्हें अपने घर- गांव में ही रोजगार मिल सके. उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग पलायन करते हैं, उनका पूरा डेटाबेस भी रखें, ताकि विपरीत परिस्थितियों में उसे अथवा उसके परिजनों को सरकार की ओर से समुचित राहत दिलाई जा सके.

फलदार पेड़ लगाने के लिए किसानों को प्रेरित करें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना से ज्यादा से ज्यादा किसानों को जोड़कर उन्हें फलदार वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करें. यह राज्य सरकार की एक अति महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका मकसद किसानों की आय बढ़ाना है. इस बैठक में उन्होंने पौधरोपण अभियान की भी जानकारी ली. वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस मानसून पूरे जिले में 8 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है. अब तक 2 लाख 10 हज़ार से ज्यादा पौधे लगाए जा चुके हैं.

बिजली समेत अन्य व्यवस्थाओं में सुधार लाने का निर्देश

मुख्यमंत्री ने जिले में बिजली –पानी समेत अन्य सभी व्यवस्थाओं में सुधार लाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया. उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि लोगों को मूलभूत सुविधाएं बेहतर रूप में मिलनी चाहिए. जिले में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें. लोगों को शुद्ध पेयजल मिले, इसके लिए जलापूर्ति योजनाओं का काम जल्द से जल्द पूरी हो. हाथियों के सुरक्षित आवागमन को लेकर कॉरिडोर निर्माण के बारे में भी जानकारी ली.

हेमंत खुद का चेहरा चमकाने में ही लगे हैं: प्रतुल शाहदेव

मुख्य संवाददाता। रांची

भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने प्रेस वार्ता में कहा कि हमारे केंद्रीय नेताओं का आना राज्य सरकार को फिजूलखर्ची लगती है. लेकिन इसी हेमंत सरकार ने सिर्फ फोटो वॉर में झारखंड का करोड़ों का बंटाधार कर दिया. प्रतुल ने कहा, केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित मोबाइल वेटनरी क्लीनिक वैन योजना फोटो वॉर के कारण बर्बादी के कगार पहुचं गई है.

राज्य के सभी 236 ब्लॉकों में इस तरह की मोबाइल वैन देने की योजना थी. प्रथम खेप में 70 वैन मिली थी.10 अगस्त, 2023 को राज्य सरकार ने इन वैनों के संचालन के लिए एमओयू भी कर दिया. परंतु एक वर्ष से भी ज्यादा समय से ये वैन खड़ी हैं. इनमें अभी भी पूर्व सीएम चंपाई सोरेन और पूर्व कृषि मंत्री बादल पत्र लेख की तस्वीर लगी हैं. इन वैनों की खरीद में राज्य का कोई पैसा नहीं लगा. इसमे केंद्र सरकार का पैसा लगा है. यह एक और उदाहरण है कि किस तरीके से राज्य सरकार केंद्र की योजनाओं को लटकाना और अटकाना चाहती है.

प्रतुल ने सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन पर हमला करते हुए कहा, गरीबों को राशन देने के लिए 66 लाख थैले बने थे. जिसमें तत्कालीन सीएम चंपाई सोरेन की तस्वीर लगी हुई थी. थैलों में योजनाओं का भी जिक्र था. इनमें से सिर्फ 22 लाख बांटे गए. जबकि 44 लाख थैलों को नहीं बांटा गया. प्रतुल ने कहा कि यह विशुद्ध सरकारी खजाने का दुरूपयोग है क्योंकि पांच महीने से थैलो को नहीं बांटना यह दिखा रहा है की हेमंत सिर्फ खुद का चेहरा चमकाने में विश्वास रखते हैं. इसलिए पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के तस्वीर वाले बाकी बचे थैलों को बांटने नहीं दिया.

प्रतुल ने कहा कि हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद भी राज्य सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियो के मुद्दे पर कोर्ट को गुमराह करने की कोशिश कर रही है. हाईकोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि सीमावर्ती छह जिलों के डीसी ही शपथ पत्र के जरिए घुसपैठ की जानकारी देंगे और उनको निकालने के कदम भी उठाएंगे. उन्होंने कहा कि लेकिन राज्य सरकार के दबाव में एलआरडीसी, एसी और एसडीओ जैसे छोटे अधिकारियों ने एफिडेविट में गलत जानकारी दी कि कोई घुसपैठिया इन 6 जिलों में नहीं है.

मदरसों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को ठहराया जाता है,पहचान पत्र भी बनाये जाते हैं: प्रतुल ने कहा कि राज्य सरकार के ही स्पेशल ब्रांच ने 2 जून, 2023 को सभी उपायुक्तों को पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा था कि बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी घुसपैठियों को संताल के मदरसों में ठहराया जाता है. उनके पहचान पत्र भी बनाए जाते हैं. प्रतुल ने कहा कि उच्च न्यायालय में गलत जानकारी देने वाले अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज हो।प्रतुल ने कहा आंकड़ों पर प्रश्न उठाने वालों को याद रखना चाहिए की 1951 की जनगणना और 2011 की जनगणना से ही स्पष्ट है कि संताल में 16% आदिवासी कम हुए हैं और 13% मुस्लिम बढ़े हैं।इस कालखंड में सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी अधिकांश समय कांग्रेस की सरकारों के पास थी।यह स्पष्ट दिखाता है कि कांग्रेस की सरकार के समय जमकर घुसपैठ हुआ था।

- वेटनरी क्लीनिक वैन एक वर्ष से भी ज्यादा समय से खड़ी है, फोटो लगा है कृषि मंत्री बादल और पूर्व सीएम चंपाई का
- उच्च न्यायालय में सरकार के दबाव में अधिकारी घुसपैठियों के मुद्दे पर गलत शपथ पत्र दाखिल कर रहे हैं
- सहायक पुलिस कर्मियों पर लाठीचार्ज सरकार की असलियत और बर्बरता की पोल खोल दी
- हेमंत सोरेन सरकार हर मोरचे पर पूरी तरह फेल

सहायक पुलिस कर्मियों पर हुआ लाठी चार्ज सरकार की बर्बरता की निशानी : प्रतुल शाह ने सहायक पुलिस कर्मीयों पर लाठी चार्ज को सरकार की बर्बरता पूर्ण कर्रावाई बताया. जिस तरह असहाय और निहत्थे सहायक पुलिसकर्मियों को लाठियां से पीटा गया. कई के सर फट गए।दर्जनों अस्पताल में भरती हैं. यह सहायक पुलिसकर्मी सिर्फ सरकार के दिए गए पूर्व के आश्वासन को अमल में लाने की मांग के कारण आंदोलन कर रहे थे .यही बर्बरता इस सरकार की सच्चाई है.प्रेस वार्ता में प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार और तारीक इमरान भी उपस्थित थे.

राज्य ऊर्जा दक्षता कार्ययोजना तैयार की जा रही : केके वर्मा

विशेष संवाददाता। रांची

- झारखंड एनर्जी इफिशिएंसी एक्शन प्लान पर कार्यशाला का आयोजन

ऊर्जा संरक्षण की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए ऊर्जा दक्षता कार्य योजना (झारखंड एनर्जी इफिशियेंसी एक्शन प्लान) बनायेगा. इसकी तैयारी ऊर्जा विभाग व जेरेडा द्वारा की जा रही है. इसे लेकर शुक्रवार को होटल रेडिसन ब्लू में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला को संबोधित करते हुए जेरेडा के निदेशक केके वर्मा ने कहा कि पेरिस समझौते के तहत 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता में 33-35% की कमी लाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन हाल ही में हमारे लक्ष्य को बढ़ाकर 45% कर दिया गया है. यह वृद्धि वैश्विक तापमान वृद्धि के प्रभावों को कम करने और हमारे देश के लिए एक स्थायी भविष्य को सुरक्षित करने में हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाती है. झारखंड ऊर्जा दक्षता के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण की भी आवश्यकता है. इसके लिए ही राज्य ऊर्जा दक्षता कार्य योजना को तैयार किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि ऊर्जा के खपत वाले क्षेत्रों की पहचान कर उत्सर्जन में कमी लाने की दिशा में कदम उठाया जाना चाहिए. उद्योग, भवन, परिवहन, कृषि जैसे फोकस क्षेत्रों में सौर ऊर्जा या वैकल्पिक ऊर्जा के इस्तेमाल से उत्सर्जन को कम किया जा सकता है.

कार्यशाला में ब्यूरो ऑफ एनर्जी इफिशियेंसी(बीइइ) के निदेशक अभिषेक शर्मा, ऊर्जा विभाग के संयुक्त सचिव सौरव सिन्हा, उद्योग विभाग के संयुक्त निदेशक प्रणव पॉल, एमसएमइ के स्थानीय निदेशक इंद्रजीत यादव, जेरेडा के परियोजना निदेशक विजय कुमार सिन्हा, कार्यपालक अभियंता अतिलेश गौतम व अन्य उपस्थित थे.

असम के मुख्यमंत्री का बयान शर्मनाक और निंदनीय

असम में बाढ़ से 10 लाख लोग बेघर हुए और हिमंता झारखंड में टूरिस्ट बने घूम रहे : संजय

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश राजद अनुशासन समिति की बैठक शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव की अध्यक्षता में हुई. इसमें समिति को मिली कई लोगों की शिकायतों पर चर्चा की गई, समिति के सदस्यों के बीच निर्णय हुआ कि अगली बैठक में विचार- विमर्श कर कार्रवाई की प्रक्रिया आरंभ की जाएगी.

प्रदेश राजद के प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाजपा राज्य में नफरत फैलाने की कोशिश कर रही है. कई केंद्रीय मंत्री लगातार झारखंड को बांग्लादेशी घुसपैठिए के नाम पर टारगेट कर मुस्लिम तुष्टिकरण की घिनौनी राजनीति कर रहे हैं. उन्अहोंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा द्वारा मुसलमानों के खिलाफ निरंतर अनर्गल बयानबाजी की दजा रही है. देश की आजादी के बाद 12 फीसदी मुस्लिम थे. लेकिन 2024 में 40 फीसदी मुस्लिम हो गए है, यह ब्यान बेहद ही शर्मनाक और निंदनीय है. असम में बाढ़ के कारण 10 लाख लोग बेघर हो गए हैं और सीएम हिमंता विस्वा सरमा झारखंड में टूरिस्ट बने घूम रहे हैं. मौके पर महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव, प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार, डॉ अरुण यादव, सुनीता चौधरी, मंजु शाह, भूतनाथ यादव मौजूद थे.

मीडिया से बातचीत करते राजद के प्रधान महासचिव संजय यादव व अन्य.

चुनाव का शंखनाद | केंद्रीय गृह मंत्री प्रभात तारा मैदान में भाजपा कार्यकर्ताओं को करेंगे संबोधित

अमित शाह आज रांची में विस चुनाव अभियान का करेंगे आगाज

मुख्य संवाददाता। रांची

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह शनिवार को भाजपा की विस्तृत कार्यसमिति की बैठक में भाग लेने रांची आ रहे हैं. दिन के लगभग 1.30 बजे रांची पहुंचेंगे. विस्तृत कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेने के बाद धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान जाएंगे.

यहां पर शाह भाजपा के 26 हजार कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे. इससे पहले झारखंड से चुनाव जीतनेवाले सांसदों का अभिनंदन करेंगे, साथ ही कार्यकर्ताओं में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जोश भरेंगे. शाह करीब छह घंटे तक रांची में रहेंगे. इसके बाद पुणे के लिए रवाना हो जाएंगे. पार्टी ने रांची के प्रभात तारा मैदान में प्रदेश की विस्तारित कार्यसमिति की सभा रखी है, जिसे वह मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करेंगे. इस सभा में प्रदेश, जिला, मंडल स्तर की कार्यसमिति और पार्टी के विभिन्न मोर्चों-प्रकोष्ठों के 26 हजार से ज्यादा पदाधिकारी और सदस्य शामिल होंगे. विधानसभा चुनाव को देखते हुआ अमित शाह की यात्रा को कई मायनों में भाजपा के लिए अहम मानी जा रही है. नेताओं-कार्यकर्ताओं में चुनावी समर को लेकर उत्साह भरेंगे. बाद में शाह प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंच कर पार्टी के प्रमुख नेताओं और प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ चुनावी रणनीति पर विमर्श करेंगे.

भाजपा ने लोकसभा चुनाव परिणाम के तुरंत बाद राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने की मुहिम शुरू कर दी है. 18 जून को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड के प्रमुख भाजपा नेताओं के साथ दिल्ली में बैठक की थी, जिसमें तय हुआ था कि अगले पांच महीने के चुनावी अभियान के लिए ब्लूप्रिंट तैयार किया जाए. इसके लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को राज्य में चुनाव प्रभारी और असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को सह प्रभारी नियुक्त किया गया. इन्हें टास्क सौंपा गया है कि लोकसभा चुनाव में जहां भी कमी रही गई, वहां डैमेज कंट्रोल की प्रभावी योजना बनाई जाए. एक-एक बूथ पर मिले वोट को ध्यान में रख कर काम किया जा रहा है. जिन बूथ पर भाजपा को अधिक वोट मिले हैं, वहां के कार्यकर्ताओं को भी अभिनंदन समारोह का आयोजन कर भाजपा सम्मानित कर रही है.

शिवराज और हिमंता तीन सप्ताह में तीन बार आ चुके हैं झारखंड

पिछले तीन हफ्तों के दौरान शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा ने तीन बार झारखंड के अलग–अलग इलाकों का दौरा कर कार्यकर्ताओं से संवाद किया. पार्टी की ओर से पिछले 5 जुलाई से लेकर 16 जुलाई तक सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में विजय संकल्प सभाओं का आयोजन किया गया और बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया.

एयरपोर्ट, जगन्नाथ मैदान और भाजपा कार्यालय आज रहेगा नो-ड्रोन जोन

रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को विशेष विमान से रांची आ रहे हैं. वे प्रभात तारा मैदान धुर्वा और भाजपा दफ्तर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे. इसके बाद शाम को ही एयरपोर्ट से विशेष विमान से पुणे चले जाएंगे. इस दौरान बिरसा विमानपत्तन से जगन्नाथ मैदान धुर्वा एवं भाजपा कार्यालय क्षेत्र में नो ड्रोन जोन रहेगा.

ड्रोन रूल 2021 और डिजिटल स्काई पोर्टल के अवलोकन से स्पष्ट है कि यह क्षेत्र रेड जोन में पड़ता है, अर्थात इसमें ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध है. फिर भी सुरक्षा के दृष्टिकोण से निषेधात्मक कार्रवाई की आवश्यकता है. इस संबंध मं उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने अनुमंडल दण्डाधिकारी सदर को निर्देश दिये है. इसे लेकर शुक्रवार को अनुमंडल दण्डाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार की ओर से बीएनएसएस की धारा-163 के अंतर्गत निम्न प्रकार की निषेधाज्ञा जारी की.

इस दौरान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हिनू चौक से बिरसा चौक से जगन्नाथ मैदान धुर्वा से भाजपा कार्यालय हरमू के 500 मीटर की परिधि को ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून्स के संदर्भ में नो फ्लाई जोन घोषित किया जाता है तथा उक्त क्षेत्र में तथा उसके ऊपर ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून्स पूर्णतः वर्जित रहेंगे. यह निषेधाज्ञा 20 जुलाई को सुबह 05.00 बजे से रात 11.00 बजे तक के लिए लागू रहेगा. गृह मंत्री के आगमन को लेकर रांची में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये है. चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गयी है.

शपथ-पत्र

मैं, **विद्या कुमारी**, पति-कालीचरण रविदास, उम्र लगभग 27 वर्ष, धर्म - हिन्दू, राष्ट्रीयता-भारतीय, निवास स्थान ग्राम-उपर टोला, तेलियातु, राजकीय मध्य विद्यालय के पास, पो.- बरकाकाना, थाना-पतरातू, जिला- रामगढ़ (झारखंड) शपथपूर्वक बयान करती हूं कि-

1. यह कि मेरा वास्तविक व सही नाम **विद्या कुमारी** है जो मेरे आधार कार्ड नं. 7670 9655 5558 एवं पेन कार्ड संख्या **KKCPK6595N** में दर्ज है।
2. यह कि पोस्ट ऑफिस के किसान विकास पत्र शाखा बरकाकाना में मेरा नाम **सुनीता देवी** दर्ज हो गया है जो मेरा घरेलु नाम है, जिसका खाता संख्या 6345253813 एवं खाता संख्या 6345253846 है।
3. यह कि **विद्या कुमारी** एवं **सुनीता देवी** दोनों नाम एक ही महिला का है जो मैं स्वयं हूं।
4. यह कि यह शपथ-पत्र मैं संबंधित पदाधिकारी को देने के लिए निष्पादित कर रही हूं।
5. यह कि उपरोक्त कथन सत्य वो सही है।

शपथ पत्र सं. 2910
दि. 12.07.24

मठ-मंदिरों सहित विभिन्न सामाजिक और धार्मिक स्थलों पर खास आयोजन होंगे

राजधानी में कल रहेगी गुरु पूर्णिमा उत्सव की धूम

संवाददाता। रांची

राजधानी में आषाढ़ शुक्ल पक्ष रविवार को गुरु पूर्णिमा उत्सव की धूम रहेगी. शहर के मठ-मंदिरों सहित विभिन्न सामाजिक और धार्मिक स्थलों पर खास आयोजन किये जायेंगे. पादुका पूजन-भजन और भंडारा का क्रमवार सिलसिला चलेगा. सुबह से देर शाम तक गुरु भक्ति की बयार बहती रहेगी. भक्तो ने तैयारी पूरी कर ली है. बस उत्सव का इंतजार है.

मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम दिव्यांग आश्रम, पुंदाग में गुरु पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा. एमआरएस श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल और राजू अग्रवाल ने बताया कि दोपहर साढ़े 12 बजे गुरु पूजन से कार्यक्रम की शुरुआत होगी. इसके बाद भजन-संकीर्तन का कार्यक्रम चलेगा. फिर वृहत रूप में भंडारा चलाया जायेगा. प्रसाद रूप में स्वादिष्ट व्यंजन बांटे जायेंगे. राजू अग्रवाल ने श्रद्धालुओं से इसमें भाग लेने का आग्रह किया है.

सहज योग केंद्र, गांधी चौक का परिसर सद्गुरु ब्रह्मलीन निर्मला देवी की भक्ति से सराबोर रहेगा. अनुयायी चरण पादुका पूजन कर गुरु भक्ति में रमे रहेंगे. ध्यान-भजन कर पथ प्रदर्शक की महिमा गायेंगे. श्रद्धा के पुष्प चढ़ायेंगे. मौके पर कुंडलिनी जागरण का सामूहिक अभ्यास भी किया जायेगा. राजू सोमानी ने बताया कि कार्यक्रम सुबह आठ से दोपहर बाद तक चलेगा. उन्होंने श्रद्धालुओं से इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है. महर्षि मेंहीं आश्रम, चुटिया में सुबह आठ बजे पुष्पांजलि से कार्यक्रम की शुरुआत होगी. अनुयायी सद्गुरु ब्रह्मलीन महर्षि मेंहीं जी की चरण पादुका पूजन कर श्रद्धा के पुष्प चढ़ायेंगे. संतमत सत्संग के योगेंद्र प्रसाद पोद्दार ने बताया कि इसमें भाग लेने के लिए कुप्पा घाट, भागलपुर से स्वामी निर्मला नंद खास तौर से पधारे हैं. दोपहर बाद भंडारा चलाया जायेगा. इसके बाद दिन के ढाई से शाम पांच बजे तक सत्संग चलेगा. स्वामी जी अनुयायियों को आशीर्वचन प्रदान करेंगे. चिन्मय मिशन आश्रम, लेक रोड में गुरु का उत्सव श्रद्धाभाव के साथ धूमधाम से मनाया जायेगा.

सुबह आठ बजे चरण पादुका पूजन से कार्यक्रम की शुरुआत होगी. इसके बाद ध्यान, भजन और सत्संग का कार्यक्रम चलेगा. प्रसाद बांटा जायेगा. आश्रम के स्वामी स्वामी परिपूर्णानंदी अनुयायियों को गुरु महिमा और गुरु परंपरा पर चर्चा करते हुए ज्ञान-ध्यान की बाते बतायेंगे. वेद प्रकाश बागला ने श्रद्धालुओं से इसमें बढ़-चढ़ कर भगा लेने की अपील की है. इसके अलावा योगदा सत्संग आश्रम, श्रीसाई मंदिर, पुंदाग, अद्वैत स्वरूप आश्रम, भारतसेवाश्रम संघ, श्रीयोग वेदांत सेवा समिति आदि की ओर से भी गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया जायेगा.

सोमवार से गूंजने लगेंगे बोल बम के नारे

संवाददाता। रांची

सोमवारी के साथ श्रावण मास 22 जुलाई को प्रारंभ हो रहा है. पहले दिन से बोलबम के नारे गूंजने लगेंगे. साथ ही राजधानी शिवमय हो जाएगी. बोल बम और भोले शंकर के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहेगा. चहुंओर श्रीशिव की भक्ति छायी रहेगी. देवालयों में श्रावण मास को लेकर तैयारी पूरी कर ली गयी है. पहाड़ी मंदिर में रविवार शाम चार बजे विधिवत दीप प्रज्जवलित कर श्रावण महोत्सव का शुभारंभ किया जायेगा. पहाड़ी मंदिर विकास समिति के बादल सिंह ने बताया कि पूरे माह भक्तों की सुविधा का खास ख्याल रखा जायेगा. महिला, बुजुर्ग और बच्चो की सहूलियत के लिए विशेष इंतजाम किये जायेंगे. सुरक्षा को लेकर सीसीटीवी कैमरा से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जायेगी. दर्शनार्थियों के लिए पेय जल आदि की समुचित व्यवस्था तो की ही जायेगी, साथ ही पूरे मास मेडिकल कैंप भी लगा रहेगा. उन्होंने बताया कि बैरिकेटिंग से गुजर कर महिला-पुरुष मुख्य मंदिर में दर्शन कर सकेंगे. साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जायेगा. मंदिर में आकर्षक पुष्प सज्जा की जायेगी.

सावन की पांच सोमवारी : श्रावण मास की शुरुआत और समापन इस बार सोमवारी से होगी. पांच सोमवारी का संयोग है. पहली 22 जुलाई, दूसरी 29 जुलाई, तीसरी 0 5 अगस्त, चौथी 12 अगस्त और अंतिम सोमवारी 19 अगस्त को है.

शुभ मुहूर्त और योग मिलने से बढ़ा मान

शुभ मुहूर्त और योग के मिलने से इस बार के श्रावण मास का मान और भी बढ़ गया है. आचार्य अजय मिश्रा ने बताया कि श्रावण माह के पहले दिन सोमवार को सर्वार्थ सिद्धि योग प्रीति और आयुष्मान योग का भी अद्भुत संयोग बन रहा है. यह आमजन के लिए धन-धान्य सुख-समृद्धि कारक सिद्ध होगा, उन्होंने बताया कि इस बार श्रावण मास 29 दिनों का है. इस बीच कृष्ण पक्ष 14 दिन और शुक्ल पक्ष के 15 दिन होंगे. रामदेव पांडेय ने बताया कि श्रावण मास में सोमवार का विशेष महत्व है.

यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने के लिए चैंबर ऑफ कॉमर्स ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

रामगढ़, हजारीबाग का अहम शहर है, पर लंबी दूरी की रेल सुविधा से अब तक है वंचित

खास बातें

- चैंबर महासचिव परेश गट्टानी ने उठायी रेल सुविधा की मांग
- पुरी, भुवनेश्वर, वाराणसी तक की सीधी ट्रेन सेवा का आग्रह

संवाददाता। रांची

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक में मौजूद पदाधिकारी.

हजारीबाग टाउन और रामगढ जिलावासियों की सुविधा के लिए शुक्रवार को झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने रेलमंत्री को पत्राचार कर नई आरंभ हुई ट्रेन आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस (बोकारो) तथा आरंभ होनेवाली ट्रेन पुरी दर्शन नगर (अयोध्या) एक्सप्रेस (साप्ताहिक) को बरकाकाना (रामगढ़), हजारीबाग टाउन होते हुए कोडरमा में मिलाने की मांग की. चैंबर महासचिव परेश गट्टानी ने कहा कि रामगढ़, हजारीबाग झारखंड का एक अहम शहर है किंतु लंबी दूरी की रेल सुविधा से अभी तक वंचित है. इस अहम ट्रेन का मार्ग परिवर्तित कर परिचालित करने से हजारीबाग, रामगढ़ की जनता को इसका अत्यधिक लाभ मिलेगा. झारखंड के अति पिछड़े जिले हजारीबाग, रामगढ़ को भी नई दिल्ली के साथ साथ पुरी, भुवनेश्वर और कानपुर जैसे बड़े शहरों के लिए सीधी ट्रेन मिल जायेगी तो पूरे छोटानागपुर प्रमंडल का भला होगा.

हजारीबाग, रामगढ़ को भी अयोध्या के साथ पुरी भुवनेश्वर व वाराणसी के लिए सीधी ट्रेन मिले : अलंग

चैंबर के रेलवे उप समिति चेयरमैन नवजोत अलंग ने कहा कि जिस प्रकार ओड़िसा के गरीब और पिछड़े क्योंझर जिले को अयोध्या की ट्रेन मिली, उसी प्रकार झारखंड के अति पिछड़े जिले हजारीबाग, रामगढ़ को भी अयोध्या के साथ साथ पुरी, भुवनेश्वर और वाराणसी जैसे बड़े शहरों के लिए सीधी ट्रेन मिलना आवश्यक है. नई आरंभ होनेवाली ट्रेन पुरी दर्शन नगर एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन करने से हजारीबाग, रामगढ़ की जनता के लिए अयोध्या में भव्य राम मंदिर, पुरी में जगन्नाथ स्वामी और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन के लिये सप्ताह में एक दिन ट्रेन की आसान उपलब्धता सुनिश्चित हो पायेगी.

दोनों ही ट्रेनों का परिचालन बरकाकाना, हजारीबाग टाउन से कोडरमा तक मिला कर हो : किशोर मंत्री

अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि रांची से बरकाकाना होते हुए कोडरमा की रेल लाइन करोडों रुपये की लागत से बनी जिससे रामगढ और हजारीबाग के लोगों में लंबी दूरी की ट्रेन मिलने की आशा बनी है, जरूरी है कि जिले के यात्रियों की सुविधा के लिये दोनों ही ट्रेन का परिचालन बरकाकाना (रामगढ़), हजारीबाग टाउन होते हुए कोडरमा में मिलाये जाने की पहल की जाय. ऐसा करने से समय-सारणी में भी अधिक बदलाव करने की आवश्यकता नहीं है, मुरी से बोकारो के रास्ते कोडरमा तक की दूरी 179 कि.मी की है और हजारीबाग, बरकाकाना के रास्ते यह दूरी 195 कि.मी की है, इस दूरी में मामूली अंतर की आवश्यकता है.

22 को चैंबर भवन में बीएसएनएल का शिविर

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की दूरसंचार उप समिति की बैठक चैंबर भवन में उप समिति के चेयरमैन अनीश सिंह की अध्यक्षता में हुई. तय किया गया कि सोमवार 22 जुलाई को चेंबर भवन में होने वाली बीएसएनल की सिम पोर्टिंग कैंप के कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई. उप समिति के अध्यक्ष अनीश सिंह ने कहा कि 22 को दोपहर 2 बजे से संध्या 6 बजे तक चेंबर भवन में बीएसएनल का एक सिम पोर्टिंग कैंप का आयोजन किया गया है. जहां पर आम जन अपने किसी भी सिम को बीएसएनएल के 4जी सिम में पोर्ट करा सकते हैं, साथ ही बीएसएनएल के पुराने उपभोक्ता अपने 3जी सिम को 4जी सिम में बदल कर नया सिम ले सकते हैं , जो भी व्यक्ति बीएसएनएल के नए कनेक्शन को लेना चाहते हैं, वह भी इस कैंप में नया सिम इशू करा सकते हैं. इस सेवा का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता को मोबाइल नंबर 700480 2020 पर व्हाट्सएप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करना होगा और उन्हें आगे की जानकारी उसी नंबर के माध्यम से दे दी जायेगी. उप समिति के सदस्यों ने इस कैंप को आयोजित करने के लिए चेंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री एवं बीएसएनएल के जनरल मैनेजर उमेश कुमार शाह का बहुत-बहुत धन्यवाद दिया. चेंबर अध्यक्ष ने सभी लोगों से अपील किया कि वह चैंबर भवन में लगे इस कैंप का लाभ उठाएं और मौके पर चैंबर के उपाध्यक्ष राहुल साबू, महासचिव परेश गट्टानी उप समिति चेयरमैन अनिश सिंह, सदस्य जसविंदर सिंह, आनंद जालान, किशन अग्रवाल आदि शामिल थे.

चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की दूरसंचार उप समिति की बैठक.

जल्द ही होगा उद्योग उप समिति का निर्णय

रांची। उद्योग उप समिति बैठक शुक्रवार को चैंबर भवन में हुई. जिसमें निर्णय लिया गया कि स्टार्टअप कॉन्क्लेव की सफलता को देखते हुए फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से जल्द ही राज्यस्तरीय बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन किया जायेगा. समिति के उपाध्यक्ष राहुल साबू ने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास के उद्देश्य से चैंबर की ओर से वृहद् स्तर पर आयोजन किया जायेगा. इस दौरान सीजीटीएमएसई योजना के तहत सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को बैंकों से ऋण प्राप्त करने में होनेवाली कठिनाईयां पर चर्चा हुई. बताया गया कि सीजीटीएमएसई योजना के तहत ऋण लेने पर इकाइयों को अधिक ब्याज दर पर ऋण की देयता बन जाती है. ब्याज में राहत नहीं देने से एसएमई इकाइयों की कठिनाइयों का समाधान संभव नहीं हो रहा है जिसकी विभागीय समीक्षा जरूरी है. उप समिति चेयरमेन बिनोद अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत बैंकों द्वारा उपयुक्त कार्रवाई नहीं की जा रही है, यह स्पष्ट किया जाना आवश्यक है कि इस योजना के तहत एसएमई को ऋण उपलब्ध कराने के लिए वित्त मंत्रालय की ओर से बैंकों को क्या निर्देश जारी किये गये हैं. मौके पर चैंबर महासचिव परेश गट्टानी, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, सदस्य सुरेश अग्रवाल, पुरूषोत्तम कुमार, संतोष अग्रवाल, राजीव चौधरी शामिल थे.

न्यूज अपडेट

संत मार्गेट की जागरण आराधना विधि का आयोजन

संत मार्गेट की 139 दिवस में जागरण आराधना विधि में यीशु विश्वासी.

रांची। सीएनआई चर्च मे संत मार्गेट की 139 दिवस में जागरण आराधना विधि सम्पन्न हुई. संचालन पुरोहित जस्टिन भुइयां ने किया. इसमें बडी संख्या में स्कूल के विद्यार्थी और शिक्षकों ने हिस्सा लिया. परमेश्वर की आराधना से कार्यक्रम शुरू हुआ. पुरोहित विकास कुजूर ने उपदेश में कहा कि परमेश्वर ने अपने दास के माध्यम से शिक्षा की अलख जगायी है. हमें भी संत मार्गेट के सम्मान में ज्योति जलानी है. तभी शिक्षा का दीप प्रज्वलित हो सकता है. उन्होंने यीशु से प्रेम की है. आज वह परमेश्वर के सिंहासन पर पाये जाते हैं और संत मार्गेट संत कहलाये. उन्होंने ईसाइयो पर विश्वास रखा.

जीईएल चर्च में दो नए बिशप किये गये नियुक्त

नवनियुक्त बिशप.

रांची । जीईएल चर्च में दो नये बिशप बनाये गये हैं. पहला असम के तैयसपुर नॉर्थ ईस्ट डायसिस हेडक्वार्टर में प्रदीप केरकेट्टा को नियुक्त किया गया. वही दूसरी ओर साउथ वेस्ट डायसिस हेडक्वार्टर के राजगंज उड़ीसा में मोहन लाल सिंह मंजर को बिशप बनाया गया. ये एक अगस्त को रांची में अपना कार्यभार संभालेंगे. इन दोनों स्थानों पर जीईएल चर्च के माडरेटर जोहन डांग ने अभिषेक विधि संपन्न कराया. बिशप प्रदीप केरकेट्टा बिशप नारेल भुइयां के स्थान पर कार्यभार संभालेंगे. वहीं बिशप मोहन लाल सिंह मंजर जोहन डांग के स्थान पर कलिसिया संभालेगें.जीईएल चर्च के मोडरेटर जोहन डांग 31 जुलाई को रिटायर होंगे.

रांची की कवयित्री को मिला नवरत्न सम्मान

नवरत्न सम्मान ग्रहण करतीं रांची की कवयित्री मीना बंधन.

रांची। मेरठ के नवचंडी मेले में नवरत्न कवि सम्मेलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जहां देश भर से सुप्रसिद्ध और नवोदित कवियों का समागम हुआ. इस कार्यक्रम में रांची की कवयित्री मीना बंधन को नवरत्न सम्मान से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ओजस्वी कवि डॉ. हरिओम पवार सहित डॉ. अनामिका जैन अंबर, सौरभ जैन सुमन, मनोज चौहान, हास्य व्यंग के प्रसिद्ध कवि दमदार बनारसी, पवन आगरे, हरि बहादुर हर्ष जी, दीप शज़र, कवि उमंग गोयल, वेद, अमन, नीतिश मिश्रा आदि ने मंच पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं.

'कैसे बनें आध्यात्मिक' विषय पर हुआ स्वाध्याय

रांची। गायत्री शक्ति पीठ,सेक्टर टू में शुक्रवार को "कैसे बनें आध्यात्मिक" विषय पर स्वाध्याय हुआ. महिला मंडल की दीप्ति सिंह ने सद्गुरु श्रीराम शर्मा आचार्य की मासिक पत्रिका अखंड ज्योति का पाठ कर आध्यात्म पर विस्तार से प्रकाश डाला. आध्यात्मिक बनने का आह्वान करते हुए कहा कि अध्यात्म कर्मकाण्ड और पूजा-पाठ नही है. यह जीवन की सर्वांगीण दृष्टि और समग्र विज्ञान है. इसमें विचारों और भावनाओं में टकराहट नहीं, बल्कि सामंजस्य होता है. उन्होंने संस्कार पर चर्चा करते हुए संस्कारी बनने की बात कही.कार्यक्रम शाम चार से छह बजे तक चला.

जुलूस की सफलता पर जमायतुल सिद्दीकी ने जताया आभार

रांची। जमायतुल सिद्दीकी संस्था की बैठक शुक्रवार को अब्दुल खालिक नन्हु की अध्यक्षता में कर्बला चौक स्थित आवासीय कार्यालय में हुई. बैठक में मुहर्रम 2024 का जुलूस सफलता पूर्वक संपन्न होने पर जिला प्रशासन एवं रांची की जनता को मुबारक बाद दी गयी. उन्होंने सेंट्रल मुहर्रम कमेटी रांची, डोरंडा की आपसी तालमेल से जुलूस के उत्तम संचालन व्यवस्था की भी प्रशंसा की. जमायतुल सिद्दीकी संस्था ने सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के महासचिव अकिलुर्रहमान, प्रवक्ता मो. इस्लाम एवं जिला प्रशासन को मुबारकबाद पेश की है.

विधानसभा अध्यक्ष से मिला प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा का शिष्टमंडल

संवाददाता । रांची

झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा का शिष्टमंडल शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो से मिलकर राज्य के तीनों संवर्ग के शिक्षकों प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों के लिए एमएसीपी का लाभ दिलाने संबंधी स्मार पत्र सौंपा. साथ ही अपनी मांगों को पूरा कराने का आग्रह किया. मुख्यमंत्री सहित सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, निदेशक, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा को भी ज्ञापन की प्रति दी गई.

संघ के प्रदेश संयोजक अमीन अहमद एवं प्रवक्ता अरुण कुमार दास ने बताया कि इस संबंध में मोर्चा के पदधारी जल्द ही मुख्यमंत्री से मिलकर उनके समक्ष अपनी मांग रखेंगे, ताकि राज्य कर्मियों की तर्ज पर एमएसीपी का लाभ शिक्षकों को भी झारखंड में मिल सके. उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य में वर्षों से कार्यरत प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों को जटिल एवं अस्पष्ट प्रोन्नति नियमावली के कारण विभिन्न कोटि में प्रोन्नति अब तक लंबित है, जिससे शिक्षक अपने मौलिक पद से बिना कोई अतिरिक्त पद लाभ या प्रोन्नति मिले ही सेवानिवृत्त होते जा रहे हैं. प्रतिनिधियों में प्रदेश संयोजक अमीन अहमद, विजय बहादुर सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार दास, आशुतोष कुमार, राम कुमार झा, मक़सूद जफर हादी, डॉ वकील अहमद रिजवी शामिल थे.

लगाया नर्सिंग अधीक्षिका पर कर्मचारियों और नर्सों के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप

बरनाबास हॉस्पिटल प्रबंधन कार्यालय का घेराव

संवाददाता रांची

बरनाबास अस्पताल में प्रबंधन कार्यालय का घेराव करतीं नर्सें.

खास बातें

- 65 गैर चिकित्सकीय कर्मी और नर्सिंग स्टॉफ रहे शामिल
- चर्च प्रबंधन से भी की गई है शिकायत, कार्रवाई की मांग

बहूबाजार स्थित संत बरनाबास अस्पताल में कार्यरत 65 नर्सिंग स्टॉफ और गैर चिकित्सकीय कर्मचारियों ने शुक्रवार को हंगामा किया. इस दौरान नर्सिंग अधीक्षिका पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए अस्पताल प्रबंधन के कार्यालय का घेराव किया. जब इस पर बात नहीं बनी तो उन्होंने शिकायत के साथ चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया संचालित छोटानागपुर डायसिस कार्यालय एवं बिशप कार्यालय का भी घेराव कर अपनी बातें रखी. कर्मियों ने अस्पताल प्रबंधक और चर्च प्रशासन को सौंपे पत्र में आरोप लगाया गया है कि अधीक्षिका कर्मचारियों का उत्पीड़न करती हैं. वह कर्मचारियों के व्यक्तिगत मामलों में अमर्यादित टिप्पणी करती हैं और थोड़ी सी गलती होने पर मरीजों के सामने अभद्र व्यवहार करती है. इसके अलावा नर्स सलोमी पूर्ति को गर्दन धड़ से अलग कर देने की धमकी देती हैं. इस पर सिस्टर ने उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या करने की भी कोशिश की. पत्र में कहा कि नर्स शांति किरण एक्का पर अधीक्षिका हाथ तक उठाती हैं. साथ ही अस्पताल में झाड़ू पोछा करने वाली विधवा महिला दुलारी को काफी अपमानित करती हैं.

यह आरोप लगाया गया है कि अधीक्षिका के भाई जो ड्रेसर के पद पर कार्यरत हैं, उसकी गैर हाजिरी होने पर भी हाजिरी बना दी जाती है, जबकि अधीक्षिका एक सप्ताह अवकाश के बाद दूसरी बार साप्ताहिक अवकाश तक लेती हैं और हम कर्मचारियों के परिवार में किसी का देहांत भी हो जाए तो अभद्र व्यवहार करते हुए छुट्टी तक नहीं देती हैं. इसके अलावा अस्पताल प्रबंधक द्वारा वेतन बढ़ोतरी विगत पांच वर्षों से नहीं की गयी है, वहीं कार्य अवधि से अधिक काम लिया जाता है और उसका पैसा तक नहीं दिया जाता है. घेराव के दौरान चर्च प्रबंधन ने उनकी बातें सुनीं और पूरे मामले पर संज्ञान लेते हुए अस्पताल प्रशासक सैमसंग आरोहण और सचिव डॉ. केनेथ सोय मुरुम को डायसिस कार्यालय बुलवाया. वहीं, अस्पताल प्रशासक ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि यह हमारे संस्थान का आंतरिक मामला है. इस पर हम कुछ नहीं बोल सकते.

'कैसे बनें आध्यात्मिक' विषय पर हुआ स्वाध्याय

रांची। गायत्री शक्ति पीठ,सेक्टर टू में शुक्रवार को "कैसे बनें आध्यात्मिक" विषय पर स्वाध्याय हुआ. महिला मंडल की दीप्ति सिंह ने सद्गुरु श्रीराम शर्मा आचार्य की मासिक पत्रिका अखंड ज्योति का पाठ कर आध्यात्म पर विस्तार से प्रकाश डाला. आध्यात्मिक बनने का आह्वान करते हुए कहा कि अध्यात्म कर्मकाण्ड और पूजा-पाठ नही है. यह जीवन की सर्वांगीण दृष्टि और समग्र विज्ञान है. इसमें विचारों और भावनाओं में टकराहट नहीं, बल्कि सामंजस्य होता है. उन्होंने संस्कार पर चर्चा करते हुए संस्कारी बनने की बात कही.कार्यक्रम शाम चार से छह बजे तक चला.

जुलूस की सफलता पर जमायतुल सिद्दीकी ने जताया आभार

रांची। जमायतुल सिद्दीकी संस्था की बैठक शुक्रवार को अब्दुल खालिक नन्हु की अध्यक्षता में कर्बला चौक स्थित आवासीय कार्यालय में हुई. बैठक में मुहर्रम 2024 का जुलूस सफलता पूर्वक संपन्न होने पर जिला प्रशासन एवं रांची की जनता को मुबारक बाद दी गयी. उन्होंने सेंट्रल मुहर्रम कमेटी रांची, डोरंडा की आपसी तालमेल से जुलूस के उत्तम संचालन व्यवस्था की भी प्रशंसा की. जमायतुल सिद्दीकी संस्था ने सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के महासचिव अकिलुर्रहमान, प्रवक्ता मो. इस्लाम एवं जिला प्रशासन को मुबारकबाद पेश की है.

आजमीन-ए-हज रांची से हज यात्रियों को सुविधा नहीं मिलने की वजह से हुई बहुत परेशानी

मदीना से वतन पहुंचा झारखंड का अंतिम जत्था

रेहान अहमद। रांची

कोलकाता एयरपोर्ट पर हज कर वापस वतन लौटे झारखंड के हजयात्री.

आजमीन ए हज 2024 झारखंड का अंतिम जत्था गुरुवार को मुंबई एयरपेर्ट पहुंचा. झारखंड से आजमीन ए हज कोलकाता व मुंबई के फ्लाइट से गये थे. कोलकाता एयरपोर्ट से झारखंड के अधिक हाजी हज कर वापस अपने वतन लौटे. अंतिम जत्थे में 324 हाजी अपने हज पूरा कर वापस लौटे. मालूम हो इस वर्ष झारखंड से कुल 1775 आजमीन हज पर गये थे. अंतिम जत्थे के साथ सारे लोग अपने हज के अरकान (नियम) पूरे कर अपने वतन आ गये हैं.

हज यात्रियों ने कहा कि रांची से हज यात्री की सुविधा नहीं मिलने के कारण बहुत परेशानी हुई. इसलिए राजधानी रांची से भी हज यात्री की व्यवस्था करने से अगले वर्ष 2025 में जाने वाले हज यात्रियों को सुविधा मिलेगी. झारखंड राज्य हज समिति के कार्यकारी अधिकारी आफताब अहमद, खुर्शीद अनवर मुंबई एयरपोर्ट में झारखंड के आने वाले आजमीन ए हज की खिदमत में मौजूद थे. ताकि एयरपोर्ट पर उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसका झारखंड राज्य हज कमेटी ने पूरा ख्याल रखा. अपने वतन पहुंचने वाले हाजी काफी खुश थे. उन्होंने कहा कि पाक सफर पर गये थे और खुदा के बारगाह का दीदार अपनी आंखों से कर के लौटे हैं. इससे बड़ी और क्या बात होगी. यह हम लोगों की खुशनसीबी है कि हज जैसे पाक सफर पूरा किया, जिसकी तम्मना हर मुसलकान की होती है. अल्लाह ने हमारे इरादे को पूरा किया, इससे बड़ी और क्या बात होगी, हम सभी लोग बहुत खुश हैं. मालूम हो केंद्रीय हज कमेटी की ओर से आजमीन ए हज 2025 के लिये फॉर्म जारी कर दिये गये हैं. वर्ष 2025 में जाने वाले आजमीन ए हज अभी से ही अपने हज में जाने की तैयारी में लग जायें.

रांची से हज यात्रा की सीधी फ्लाइट की मांग

मुस्लिम एक्शन कमेटी के अध्यक्ष मो जबिउल्लाह, सचिव शकिल अहमद अंसारी ने झारखंड से पहले की तरह वर्ष 2025 हज यात्रा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से सीधी उड़ान करने की मांग की है. साथ ही झारखंड राज्य हज कमेटी के गठन की मांग मुख्यमंत्री से की गई. संबंधित ज्ञापन सचिवालय में मुख्यमंत्री के नाम सौंपा है. उन्होंने कहा कि राजधानी रांची से हज यात्री की सीधी फ्लाईट होने से हज यात्रियों को अच्छी सुविधा मिलेगी. इस ओर ध्यान देने की जरूरत है, ताकि वर्ष 2025 में जाने वाले हज यात्रियों को पाक सफर में जाने एवं वहां से अपने वतन आने में सुविधा मिल सके.

सोट्टो ने जीएनएम को दी अंगदान की जानकारी

संवाददाता। रांची

अंगदान जन जागरूकता अभियान में मौजूद जीएनएम स्कूल की छात्राएं.

जुलाई का महीना अंगदान माह के तौर पर मनाया जा रहा है और देशभर में अंगदान जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. इसी के तहत झारखंड स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन (सोट्टो) ने शुक्रवार को रिम्स जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी (जीएनएम) स्कूल की छात्रों को अंगदान से सम्बंधित जानकारी दी.

अस्पताल में नर्स किसी भी मरीज और उसके परिजन के लिए पहला संपर्क सूत्र होती है. ऐसे में मरीज के ब्रेन डेड होने की सूचना सहानुभूति के साथ परिजनों को दे सकती है. एक ब्रेन मृत व्यक्ति कम से कम 8 लोगों की जान बचा सकता है और कई लोगों की जिंदगी बेहतर कर सकता है. सोट्टो झारखंड द्वारा स्वास्थ्यकर्मियों और आमजनों के लिए चलाये जा रहे अंगदान जन जागरूकता अभियान में एक व्यक्ति अंगदान का संकल्प लेकर कम से कम आठ लोगों की जान बचा सकता है का सन्देश दिया जा रहा है. अंगदान का संकल्प लेना काफी सरल है जिसके लिए नोटो द्वारा QR कोड जारी किया गया है. QR स्कैन करने पर www.notto.abdm.gov.in की वेबसाइट खुल जाएगी जिसपर रजिस्टर करने की आगे की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

अंगदान से सम्बंधित जानकारी के लिए राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची के एनाटॉमी विभाग स्थित स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन के ऑफिस से संपर्क कर सकते हैं. जागरूकता सत्र में सोट्टो से नोडल पदाधिकारी डॉ राजीव रंजन, जीएनएम कॉलेज प्राचार्य बीना बारला, सोट्टो की साल्विया शार्ली, ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर डॉ स्वाति भगत उपस्थित थीं.

ब्रीफ खबरें

चान्हो में सड़क हादसे में महिला हुई घायल

चान्हो। सोंस महावीर मंदिर के सामने एनएच में शुक्रवार सुबह 7 बजे तेज रफ्तार से आ रहे एक पिकअप वाहन ने सड़क पार कर रही मुन्नी देवी (अनिल लोहरा कि मां) को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई. उसे स्थानीय लोगों की मदद से स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया. महिला के शरीर से अधिक मात्रा में खून बह चुका था. ऐसे में बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स रेफर किया गया है. वहीं महिला को धक्का मारने वाला वाहन फरार बताया जा रहा है.

राज्य स्तरीय परिचर्चा में शामिल होने की अपील

ओरमांझी। कांके प्रखंड आमया संगठन के पदाधिकारी और सदस्यों द्वारा रविवार को रांची प्रेस क्लब में होने वाले राज्य स्तरीय परिचर्चा को लेकर प्रेस विज्ञप्ति जारी किया गया. साथ ही इस मुहिम में शामिल होने की अपील की गई. मौके पर आमया के केंद्रीय संगठन प्रभारी जियाउद्दीन अंसारी, केंद्रीय उप सचिव मोदस्सिर एहरार, जिला संगठन प्रभारी जावेद अंसारी, ग्रामीण जिला उप सचिव अबु रेहान, ग्रामीण जिला महा सचिव सुल्तान अंसारी और आमया संगठन के सदस्य बकरीद अंसारी, शमी अहमद आदि उपस्थित थे.

टाटीसिलवे में लगा आंख जांच का शिविर

नामकुम। एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा में शुक्रवार को मां जानकी देवी की पुण्यतिथि पर एक्यूप्रेशर परिषद कार्यालय में आंख जांच का शिविर लगाया गया. इसका उद्घाटन सचिव डॉ मधुसूदन पांडे एवं डॉ हेमलता भारती भारत कुमार ने किया. इसमें उनके दल के डॉ. भारत कुमार, अमर वर्मा, अमीन अख्तर, रीमा सिस्टर, रश्मि सिस्टर एवं एक्यूप्रेशर परिषद के डॉ. नरेश कुमार, डॉ. ललिता कुमारी, सुरेंद्र ठाकुर, प्रोफेसर लखन मिश्रा, अखिल पाठक, भोलानाथ ठाकुर इत्यादि का योगदान रहा. धन्यवाद ज्ञापन शशि कुमार ने किया.

जाम, बदबूदार नालियों का सफाई काम शुरू

चान्हो। प्रखंड के तरंगा गांव की जाम बदबूदार नालियों की सफाई का काम शुक्रवार को शुरू हो गया. काफी हो-हल्ला होने के बाद मुखिया पूनम उराइन की पहल पर सफाई कार्य शुरू किया गया. शुक्रवार सुबह जेसीबी और ट्रेक्टर के सहारे तरंगा क्षेत्र के आसपास की जाम नालियों का कचड़ा साफ किया गया. मुख्य सड़क पर बह रहे गंदे पानी को भी निकाला गया, जिससे ग्रामीणों, दुकानदारों और राहगीरों ने राहत की सांस ली. मौके पर फुरकान मियां, असफल मियां, एमडी फरत, जावेद खान, जिलानी खान, रहमतुल्लाह मियां, एमडी सैफ आदि मौजूद थे.

पंचायत सचिवों का एकदिवसीय धरना

इटकी। प्रखंड स्तरीय पंचायत सचिव संघ द्वारा अपनी लंबित दो सूत्री मांगों के समर्थन में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया. साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया. ज्ञापन में मुख्य रूप से दो मांग झारखंड सरकार से की गई है जिनमें मूल ग्रेड पे 2400 रुपये किये जाने व पंचायत सचिव को प्रमोशन (प्रोन्नति) देकर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी बनाने की मांग शामिल हैं. मौके पर प्रखंड के सभी पंचायत सचिव उपस्थित थे.

राज्य के सात जिलों के 1041 स्कूलों में मातृभाषा में होगी पढ़ाई

अच्छी पहल

झारखंड सरकार बच्चों को दिलाएगी हिंदी के साथ अपनी-अपनी स्थानीय मातृभाषा का ज्ञान, लातेहार, सिमडेगा, लोहरदगा, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, साहिबगंज और दुमका से होगी शुरुआत. यूनिसेफ व एलएलएफ के सहयोग से संथाली, मुंडारी, हो, कुड़ुख और खड़िया भाषा में मिलेगी शिक्षा, सभी तैयारियां पूरी, जल्द होगी शुरुआत.

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार पिछले दो साल से छह जिलों (गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम और साहिबगंज) के 259 चयनित विद्यालयों में मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है.

इस कार्यक्रम के लागू होने से प्रारंभिक स्तर पर बच्चों के सीखने में सकारात्मक नतीजे देखने को मिले है. इससे उत्साहित राज्य सरकार ने वर्ष 2024-25 से अब राज्य के सात जिलों (लातेहार, सिमडेगा, लोहरदगा, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, साहिबगंज और दुमका) के चयनित 1041 विद्यालयों में यूनिसेफ और एलएलएफ (लैंग्वेज लर्निंग फाउंडेशन) के सहयोग से पांच स्थानीय भाषाओं, संथाली, मुंडारी, हो,

कुड़ुख और खड़िया में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम ''पलाश'' प्रारंभ करने का निर्णय लिया है.

आठ जिलों में भाषाई सर्वेक्षण से सत्यापन : इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सीखने के बुनियादी कौशल को बेहतर बनाने के लिए बच्चों की मातृभाषा को उनकी औपचारिक शिक्षा में शामिल करते हुए उन्हें हिंदी के साथ साथ बुनियादी शिक्षा एवं संख्याज्ञान सिखाने के लक्ष्यों को प्राप्त करना है. राज्य सरकार द्वारा इस कार्यक्रम को अकादमिक सत्र 2024-25 से 1000 विद्यालयों में विस्तारित करने की योजना के अंतर्गत आठ जनजातीय भाषा बहुल जिलों के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में दो चरणों में भाषायी सर्वेक्षण कराया गया. जिन जिलों में भाषायी सर्वेक्षण हुआ उनमे दुमका, गुमला, खूंटी, लोहरदगा, पश्चिमी सिंहभूम, साहिबगंज, सिमडेगा और लातेहार शामिल हैं. इन जिलों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की भाषा से जुड़े आंकड़े एकत्रित किये गए. एकत्रित आंकड़ों का सत्यापन विद्यालयों से संबंधित संकुल साधनसेवियो (सीआरपी) के द्वारा किया गया.

स्कूलों का संयोजन, बनाया गया राज्य स्रोत समूह

भाषाई सर्वेक्षण के पश्चात चयनित विद्यालयों का एलएलएफ और यूनिसेफ के प्रतिनिधियों द्वारा संयोजन किया गया है. संस्थाओं के प्रत्येक कर्मी द्वारा विद्यालय की प्रखंड/जिला मुख्यालय से दूरी तथा अन्य प्रशिक्षण सुविधाओं का बारीकी से अनुश्रवण किया गया. इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए राज्य स्रोत समूह का निर्माण किया गया है. राज्य स्रोत समूह में आठ जिलों के 32 शिक्षकों को शामिल किया गया है. राज्य स्रोत समूह के सदस्य चयनित विद्यालयों के बहुभाषी शिक्षा से जुड़े शिक्षकों को समयक रूप से प्रशिक्षित और अनुसमर्थन करेंगे. राज्यस्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद राज्य स्रोत समूह के सदस्य अपने अपने जिलों में बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम हेतु चयनित विद्यालयों के चयनित शिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे. जिलास्तरीय प्रशिक्षण पांच अवधियों में संचालित होकर 21 अगस्त, 2024 को संपन्न होगी.

90 मिनट तक चलेगी अनिवार्य कक्षा

बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम के तहत चयनित विद्यालयों में 90 मिनट की अनिवार्य कक्षा चलेगी. इसमें मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन पर संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति के अनुसार काम होगा. शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण बच्चों की मातृभाषा में होगा एवं उसका संकलन बच्चों के परिचित संदर्भ और उनके संस्कृति से किया जाएगा. मातृभाषा के स्वर, व्यंजन, मात्राओं को लेकर अभ्यास पुस्तिका बनाई गयी है और उन्हें राज्य के पाठ्यपुस्तकों से संदर्भित किया गया है.

साल में दो बार होगा सावधिक आकलन

वर्ष में 2 बार बच्चों का सावधिक आंकलन किया जाएगा. यह आकलन साप्ताहिक आंकलन से अलग होगा. इस आंकलन को शिक्षकों द्वारा ही संचालित किया जायेगा. हर आंकलन के बाद उपचारात्मक शिक्षण कार्य के लिए आठ से दस दिन तय किये जाएंगे. कमजोर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षकों द्वारा विशेष कक्षा दी जाएगी.

मतदाता पुनरीक्षण कार्य : कारण बताओ नोटिस जारी करने की चेतावनी

बीएलओ की सुस्ती से नाराज हुई निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी

सुनील कुमार गुप्ता। लापुंग

प्रखंड में द्वित्तीय मतदाता पुनरीक्षण कार्य की प्रगति को देखने पहुंची मांडर विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी ने बीएलओ को कड़ी फटकार लगायी. राजकीय मध्य विद्यालय ककरिया संकुल संसाधन केंद्र में अंचलाधिकारी पंकज कुमार की उपस्थिति में ककरिया और डाडी. पंचायत की बीएलओ के कार्यों की समीक्षा करते हुए मोनी कुमारी ने कड़ी नाराजगी जताई और शोकॉज करने की चेतावनी दी. एक बीएलओ को 350 घरों का सर्वे करना है जबकि 24 जूलाई तक पुनरीक्षण कार्य चलना है. बावजूद इसके अभी तक बीएलओ केवल 100 घरों का ही सर्वे कर पायी है. यह सुनकर मोनी कुमारी भड़क उठीं. उन्होंने कहा कि एक महीने में केवल 100 घरों का सर्वे किया गया है, जबकि केवल पांच दिन बचे हुए हैं. ऐसे में सर्वे का काम कैसे पूरा होगा? फॉर्म 6, फॉर्म 7 एवं फार्म 8 भरने का कार्य भी अत्यंत धीमा है.

मोनी कुमारी ने मतदान केंद्र संख्या 386 की बीएलओ कांति तिर्की और 387 की बीएलओ अनिता रुंडा

समीक्षा बैठक करतीं निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी मोनी कुमारी व अन्य.

(कुरकुरिया), 374 की बीएलओ तारावती देवी (पोकटा) की जमकर क्लास लगाई और धीमी गति के कार्य पर नाराजगी दिखाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने की बात कही.

ब्लैक एंड व्हाइट वाले वोटर कार्ड को बदलने के कार्य में भी बीएलओ द्वारा संतोषप्रद कार्य नहीं करने के कारण फटकार लगाई गई. इस दौरान मतदान केंद्र संख्या 385 की बीएलओ दशमी कच्छप, 383 की बीएलओ रेणु कुमारी डे, 384 की बीएलओ मनीषा जयसवाल, 375 की बीएलओ शीला देवी, 381 की बीएलओ मरसा खलखो के कार्यों की भी मोनी कुमारी ने समीक्षा की. उन्होंने आगामी 24 जूलाई तक युद्ध स्तर में काम करने का निर्देश दिया. इस मौके पर कंप्यूटर ऑपरेटर अमित कुमार, बीएलओ पर्यवेक्षक सह प्रखंड कृषि पदाधिकारी विनय कुमार, पंचायत सेवक रामतीर्थ भगत सहित कई लोग मौके पर मौजूद थे. बाद में ककरिया गांव में घर घर जाकर मोनी कुमारी ने स्टीकर चिपकाया और अपना हस्ताक्षर किया. वहीं लापुंग प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज

खास बातें

- बीएलओ 350 में केवल 100 घरों का ही सर्वे कर पायी
- मोनी कुमारी ने बीएलओ को कड़ी फटकार लगायी

अध्यक्षता एवं अंचलाधिकारी पंकज कुमार के संचालन में में मोनी कुमारी ने बूथ लेवल पदाधिकारियों एवं बीएलओ सुपरवाइजर संयुक्त बैठक आयोजित कर कार्य की समीक्षा की.

आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर मतदाता सूची में प्रपत्र 6 व प्रपत्र 7 नाम जोड़ने व हटाने को लेकर रांची जिला की विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी प्रखंड सभागार में बुध लेबल पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया. बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज, अंचलाधिकारी पंकज कुमार के अलावे बीएलओ पर्यवेक्षक रेशम शाहदेव, मंटु कुमार साहु, मिथिलेश कुमार सिंह, अजीत कुमार सिंह सहित बीएलओ आंगनवाड़ी सेविकाएं सहित कई लोग मौके पर मौजूद थे.

देलबेड़ा मंदिर परिसर में बनेगा विवाह मंडप

- इस पर लगभग 50 लाख रुपये की लागत आएगी, विधायक ने की है पहल

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

सिल्ली प्रखंड के माड़दु के देलबेडा स्थित पवित्र शिव मंदिर के परिसर में भव्य विवाह मंडप का निर्माण किया जाएगा. इस पर लगभग 50 लाख रुपये की लागत आएगी. इसको लेकर सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने कार्य योजना तैयार की है. विवाह मंडप का भवन इलाके का सबसे बड़ा और हाईटेक सुविधाओं से लैस होगा. बहुत जल्द इसकी आधारशिला रखकर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा. विधायक प्रतिनिधि जयपाल सिंह ने इसकी

देलबेड़ा मंदिर. फाइल फोटो

जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर में शादी को लेकर जुट रही भारी भीड़ व जन आकांक्षाओं को देखते हुए विवाह मंडप की योजना बनायी गयी है, जो इस क्षेत्र का सबसे बड़ा आकर्षक होगा. भवन में भव्य जयमाला स्टेज का निर्माण भी किया जाएगा. शादी समारोह का सबसे आकर्षक का केंद्र भवन का सेंटर प्वाइंट होगा, जहां यादगार फोटो खिंचवाना और सेल्फी लेना कोई नहीं भूलेगा. विधायक की पहल पर मंदिर परिसर में गेस्ट हाउस निर्माण कार्य अंतिम चरण में है.

वहीं जयपाल सिंह ने कहा कि शादियां एक ओर जहां काफी खर्चीली होती है, वहीं शिव मंदिर परिसर में कम समय और कम बजट में शादी संपन्न होती है. यही वजह है कि लगन के दिनों में शिव मंदिर काफी गुलजार हो जाता है. तिलक, हल्दी व सिन्दूरदान समेत सभी शादी की रस्म यहां घंटों में संपन्न हो जाती है. यहां शादी के लिए आसपास के इलाके के अलावा दूर-दराज के लोग भी पहुंचते हैं. लगन के दिनों में यहां लोगों की भीड़ से गहमा-गहमी बनी रहती है.

26 बच्चों के बीच दिव्यांग यंत्र व उपकरण वितरित

ईटकी। प्रखंड कार्यालय में शुक्रवार को समावेशी शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों का जांच शिविर सह किट वितरण कार्यक्रम आयोजन किया गया. शिविर के माध्यम से 19 ऐसे बच्चे जो विद्यालय जाते हैं या पोषक क्षेत्र में आते हैं उन्हें चिन्हित किया गया. ईटकी प्रखंड में 56 बच्चों का रजिस्ट्रेशन किया गया, जिनमें 19 बच्चों को दिव्यांग यंत्र उपकरण देने के लिए सूचीबद्ध किया गया. वहीं 2023 में चिन्हित किए गए 26 बच्चों के बीच व्हील चेयर, सीपी चेयर, बैसाखी, कान की मशीन सहित दिव्यांग यंत्र और उपकरण का वितरण किया गया. कार्यक्रम में प्रमुख किरण उरांव, बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग, रिसोर्स शिक्षिका आभा, नूतन तिर्की, एलिम्को के चिकित्सक, अभिभावक मौजूद थे.

आरटीसी इंस्टीट्यूट में लगा रक्तदान शिविर

ओरमांझी। सदर हॉस्पिटल रांची, आरटीसीआईटी एनएसएस एवं यूबीए सेल के सहयोग से आरटीसी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में आरटीसीआईटी के शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. संस्थान के निदेशक एपी सिंह ने विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि रक्तदान से दिल की सेहत में सुधार आता है. 90 प्रतिशत तक हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है. यह कैंसर के खतरे को भी कम करता है. कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ.अभिषेक कुमार ने कहा कि रक्त मानव जीवन के लिए बहुमूल्य है.

प्रतिभावान छात्र-छात्राएं कल होंगे सम्मानित

अनगड़ा। जेडी नेशनल बीएड कॉलेज में 21 जुलाई को अपराह्न 1.00 बजे से झारखंड कुरमी महासभा प्रखंड के तत्वावधान में 10वें जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा. इसमें इस साल 10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुरमी समाज के छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा. इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व उप मुख्यमंत्री सह सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो व विशिष्ट अतिथि चंद्र प्रकाश चौधरी, सांसद गिरीडीह, रांची लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, पूर्व मंत्री सह मांडु विधायक जयप्रकाश भाई पटेल, डॉ. लंबोदर महतो विधायक गोमिया, सुनीता चौधरी, विधायक रामगढ़, शिक्षाविद डॉ अमर कुमार चौधरी, रोशनलाल चौधरी, राष्ट्रीय सरंक्षक अखिल भारतीय कुरमी महासभा शिवलाल महतो, राष्ट्रीय सरंक्षक अखिल भारतीय कुरमी महासभा ब्रजकिशोर गांधी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय कुरमी महासभा कुमेश्वर महतो, प्रदेश अध्यक्ष झारखंड कुरमी महासभा कारीनाथ महतो, प्रदेश महासचिव झारखंड कुरमी महासभा आदि उपस्थित रहेंगे

साईं मंदिर में कल होगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

लापुंग। प्रखंड के प्रसिद्ध साईं मंदिर में शिरडी साईं ग्राम विकास केंद्र सरसा के तत्वावधान में रविवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम का शुभारंभ काकड़ आरती से किया जाएगा. वहीं प्रातः आठ बजे साईं बाबा का मंगल स्नान एवं अभिषेक का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. दोपहर 12 बजे पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ नगाड़ों की थाप, शंख की प्रतिध्वनि के बीच बाबा का मध्याह्न आरती का आयोजन किया जाएगा. मध्याह्न आरती के बाद विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा. संध्या 6:20 बजे धूप आरती का आयोजन होगा. साईं भक्त राजेंद्र मक्कड़ एवं कोषाध्यक्ष अमित लाल ने बताया कि तैयारी में खुद अध्यक्ष संतोष चौरसिया, सचिव सत्येंद्र भगत, प्रबंधक मनोज उरांव, साईं भक्त संतोष शर्मा, मुन्ना पांडेय, चंद्रसागर भगत, राजेंद्र राम, पुजारी विभीषण पांडेय, अंत्याक्षरी पांडेय, रामसेवक लोहरा आदि जुटे हुए हैं.

स्टूडेंट एक्सप्रेस निःशुल्क बस सेवा के लिए हुआ रजिस्ट्रेशन

संवाददाता। सोनाहातू

स्टूडेंट एक्सप्रेस निशुल्क बस सेवा के लिए स्कूल और कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं का रजिस्ट्रेशन सोनाहातू प्रखंड के बारेंदा चौक और सोनाहातू माही वेंकट हॉल में किया गया. सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सभी छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए गूंज परिवार के संरक्षक सह सिल्ली के विधायक सुदेश महतो पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं. इसी कड़ी में उनके द्वारा स्टूडेंट एक्सप्रेस निशुल्क बस सेवा का सफल संचालन किया जा रहा है. एक साल के सफल संचालन के बाद दूसरे साल नए सत्र में नामांकन होने के बाद बारेंदा और सोनाहातू से 303 छात्र-छात्राओं का रजिस्ट्रेशन किया गया. इस दौरान छात्र-छात्राओं के बीच बस सेवा का कार्ड भी वितरण किया गया. मौके पर सुनील सिंह, चितरंजन महतो, सुषेन प्रामाणिक, विश्वनाथ महतो, वीरेंद्र लोहरा, खंजन महतो, हालधर मुंडा, विपिन महतो, लालजी पुरान, आसाराम महतो, अशोक महतो, सोनू प्रमाणिक आदि उपस्थित थे.

जिम्मेदारों की उदासीनता से तंग आ ग्रामीणों ने सड़क पर रोप डाला धान

- बरौदी गांव के ग्रामीणों का ध्यान आकर्षित करने का अनोखा तरीका
- पाहन खलिहान से धरधोरा धाम जाने वाली मुख्य सड़क काफी खराब

संवाददाता। ठाकुरगांव

बुढ़मू प्रखंड के बरौदी गांव के ग्रामीणों ने सरकारी उपेक्षा व जनप्रतिनिधियों के आश्वासन से तंग आकर शुक्रवार को गांव की सड़क पर धान रोप कर विरोध प्रकट किया. जानकारी के अनुसार गांव के पाहन खलिहान से धरधोरा धाम जाने वाली मुख्य सड़क काफी खराब है. सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने सांसद, विधायक, विभागीय अधिकारियों समेत पंचायत प्रतिनिधियों को कई बार आवेदन दिया, लेकिन ग्रामीणों को सभी जगहों से सिर्फ आश्वासन ही मिला.

सड़क पर कीचड़ में धान रोपते ग्रामीण.

जनप्रतिनिधियों से तंग आकर शुक्रवार को गांव के दर्जनों महिला- पुरुषों ने सड़क पर धनरोपनी कर अपना विरोध प्रकट किया. इस अवसर पर ग्रामीणों ने कहा कि जल्द ही उक्त सड़क को अगर नहीं बनाया जाएगा तो भविष्य में ग्रामीण और भी उग्र आंदोलन करने को विवश होंगे. मौके पर शिवशंकर महतो, मोतीलाल महतो, सुमेश्वर महतो, अनिल महतो, ममता देवी, होलिका देवी, शांति देवी, पियासो देवी समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे.

सांडी में विधवा ने फांसी लगा कर की खुदकुशी

ओरमांझी। सिकिदिरी थाना क्षेत्र के सांडी निवासी विधवा वसुंधरा देवी (29) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. घटना गुरुवार की शाम करीब छह बजे की है. इस संबंध में मृतका के देवर मनीष करमाली ने सिकिदिरी थाने में लिखित आवेदन दिया है. आवेदन के अनुसार उसकी भाभी वसुंधरा देवी अपने पति महेंद्र करमाली की मौत के बाद से ही हमेशा तनाव में रहती थी. विगत दो माह से अधिक तनाव में रहने लगी थी. गुरुवार की शाम घर पर अकेली थी. इसी दौरान उसने छत पर लगे पाइप में रस्सी डालकर फांसी के फंदे में झूल गई. पुलिस ने इस संबंध में यूडी केस दर्ज किया है. मालूम हो कि मृतका के पति महेंद्र करमाली की वर्ष 2014 में रांची में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. मृतका का 10 साल का एक पुत्र सुभाष करमाली है.

बुरी लत 24 प्रतिशत लोग सुबह जागने के बाद और रात को सोने से पहले घंटों रील्स देखने में बिता देते हैं समय

रियल छोड़ 'रील' के विनाशकारी स्वप्नलोक में तबाह होती जिंदगानी...

अरुण कुमार सिंह। मेदिनीनगर

सोशल मीडिया जगत में रील्स देखना और रील्स बनाना आजकल आम जीवन का सबसे बड़ा हिस्सा बन चुका है. लोग जगने से लेकर सोने तक मोबाइल पर रील्स देख रहे हैं. बहुत सारे लोग तो अपने जीवन और इज्जत की परवाह किये बिना रील्स को ही अपनी दुनिया बना चुके हैं. अक्सर हम सब रील्स देखने के बाद अपनी तुलना दूसरों से करते हैं, जो बिल्कुल सही नहीं है. इस आदत से हम भविष्य में डिप्रेशन का शिकार हो सकते हैं.

एक संस्था के सर्वे के मुताबिक करीब 76% लोग रोजाना एक से

लेकर तीन घंटे तक रील्स देखने के आदी हो चुके हैं. करीब 24% लोग सुबह जागने के बाद और रात को सोने से पहले घंटों रील्स देखते हैं. लत ऐसी लग गई है कि मोबाइल स्क्रॉल करते-करते घंटों कैसे बीत जाते हैं, पता ही नहीं चलता.

23 अगस्त 2023 को पलामू जिले के पांकी थानाक्षेत्र में एक सड़क हादसा हुआ. इसमें दो

केस - 01 नाबालिग की मौत हो गई थी. दोनों बिना हेलमेट के बाइक पर सवार थे, जिसमें एक रील्स बना रहा था और दूसरा बाइक चला रहा था. इसी दौरान वे तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गये और दोनों की मौत मौके पर ही हो गयी.

इसी वर्ष जनवरी माह में मनातू इलाके में एक लड़की रील्स बनाते हुए अर्द्धनग्न हो गयी थी.

केस - 02 ऐसा करते हुए उसके पिता ने देख लिया, तो उसे फटकार लगायी. उसी रात लड़की घर से भाग गयी और कुछ महीने बाद वह कलकत्ता के एक बदनाम जगह पर देखी गयी. अब घरवाले उस लड़की को लगभग भूल चुके हैं.

गढ़वा इलाके के एक नए शादीशुदा जोड़े को रील्स का ऐसा नशा था कि उसने अपने

केस - 03 सुहागरात का वीडियो ही सोशल मीडिया पर डाल दिया. देखते ही देखते विडियो वायरल हो गया और इस वीडियो पर तरह-तरह के भद्दे कमेंट आने लगे. इससे नवविवाहित दंपती के साथ पूरे परिवार को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी.

घंटों रील देखना सेहत के लिए हानिकारक : डॉ. विवेक

बीएचयू के मनोचिकित्सक डॉ. विवेक सिंह कहते हैं कि घंटों रील देखना सेहत के लिए हानिकारक है. इससे आप कई गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकते हैं. आपके रक्त चाप (बीपी) में उतार-चढ़ाव हो सकता है. आंख और सिर में तेज दर्द हो सकता है. सोते समय आंखों में रोशनी जैसा महसूस हो सकता है. अधिक रील्स देखने वाले 60% लोग गुस्सा, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, सिरदर्द, माइग्रेन जैसी समस्याओं से परेशान हैं.

कोरोना काल से अचानक बढ़ा रील्स देखने का ट्रेंड

युद्ध संस्था के संयोजक अंबिका सिंह कहते हैं कि रील्स देखने का ट्रेंड कोरोना काल से अचानक बढ़ गया. आज के दौर में यह लत बन गया है. लोगों पर जिस प्रकार रील्स देखने का नशा हावी है, वैसे ही रील्स बनाने का भी. रील्स बना कर बहुत सारे लोग पॉपुलर होना चाहते हैं और इसे कमाई का जरिया बनाना चाहते हैं. इसके लिए महिलायें कपड़े तक उतार रहीं हैं और पुरूष जान जोखिम में डाल रहे हैं.

जीवन के महत्वपूर्ण वक्त पर रील्स ने कर लिया कब्जा

रील्स देखने की आदत के कारण दोस्तों, रिश्तेदारों और परिवार-समाज के साथ वक्त बीताना, खाली समय में पढ़ना या खेलना, रात में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना जैसी चीजें दूर होती चली जा रही हैं. कुछ नया करने और सोचने के महत्वपूर्ण वक्त पर रील्स ने कब्जा जमा लिया है.

ऐसे छुड़ा सकते हैं रील्स देखने की आदत

अगर आप सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो एक अलार्म सेट कर लें. इससे आपका समय सीमित हो जाएगा और आप सीमित समय तक इसका इस्तेमाल कर पाएंगे. बहुत अधिक रील्स देखने की आदत से बचने के लिए आप एक टाइम टेबल बना सकते हैं और उसके अनुसार काम कर सकते हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष भाग्य का साथ मिलेगा. धर्म-कर्म में मन लगेगा. स्वास्थ्य की चिंता समाप्त होगी. निवास संबंधी समस्या रह सकती है. कुसंगति से बचें. कर्ज लेना पड़ सकता है. वस्तुएं संभालकर रखें. व्यर्थ मामलों में उलझना पड़ सकता है.

वृषभ सोच विचार कर कार्य करें. सोचे कार्यों में सफलता मिलेगी. अवसरों को न जाने दें. परिवार के सदस्यों से मतभेद हो सकते हैं. लेनदारी वसूल होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. अन्न और जल का दान करें.

मिथुन जीवनसाथी का सुख सहयोग मिलेगा. आजीविका संबंधी चिंता का समाधान होगा. ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी. नई योजना बनेगी. मान-सम्मान मिलेगा. कार्यसिद्धि होगी. आपके कार्य और प्रभाव से व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क नेत्र में पीड़ा हो सकती है. कार्य में तरक्की की संभावना बढ़ेगी. रुका पैसा मिलेगा. पूजा-पाठ में मन लगेगा. कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. घर-बाहर तनाव रहेगा. व्यापार लाभप्रद होगा. मंदिर में मिठाई का दान करें.

सिंह गलत दोस्तों से बचें. संतान के कार्य में तरक्की होगा, जिससे मन खुश होगा. प्रापर्टी के विवाद हल होंगे. आजीविका में आने वाली रुकावटें दूर होने के योग हैं. यात्रा में सावधानी रखें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें.

कन्या संतान के कार्यों से असंतोष रहेगा. मित्रों से अनबन होगी. सामाजिक सम्मान में कमी आएगी. वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है. कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे. मौसम के प्रभाव से शारीरिक कष्ट संभव है.

तुला पराक्रम से लाभ होगा. आर्थिक स्थिति संतोषप्रद रह सकेगी. आशा-निराशा की स्थिति रहेगी. अपने खर्च, लेन-देन पर नियंत्रण रखें. ऐश्वर्य पर खर्च होगा. भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी. रोजगार मिलेगा. कार्य होगा जिससे प्रसन्नता रहेगी.

वृश्चिक धन का आगमन होगा. विरोधियों पर विजय और रुके धन की प्राप्ति हो सकती है. शिक्षा के क्षेत्र में वांछनीय प्रगति होगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. विद्यार्थी वर्ग सफल रहेगा. लेन-देन में सावधानी रखें.

धनु समय उत्तम फल प्रदान करेगा. कोई सुखद समाचार मिल सकता है. विवाद न करें. मेहनत अधिक, लाभ कम होगा. काम-धंधे की चिंता से मन उदास होगा. परिवार में कलह, क्लेश का माहौल रहेगा. सतर्कता रखें.

मकर खर्च अधिक होगा. पर कार्य का कोई बड़ी प्रयास सफल रहेंगे. मान-सम्मान मिलेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. पैतृक संपत्ति के क्षेत्र में उन्नति होगी. विभिन्न स्रोतों से धन लाभ होने के योग हैं. जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं.

कुंभ समय बहुत ही उत्तम है. शुभ समाचार मिलेंगे. मान बढ़ेगा. धनार्जन होगा. दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. अध्यात्म और विज्ञान में रुचि बढ़ेगी. नौकरी, राजनीति के क्षेत्र में भाग्योदय की संभावना है. घर में मांगलिक आयोजन होंगे.

मीन पिता से लाभ संभव है. सरकारी कार्य मे गति आएगी. पर वाहन की गति पर नियंत्रण रखना जरूरी है. आर्थिक उन्नति संबंधी शुभ समाचार प्राप्त होंगे. साझेदारी व्यवसाय में इच्छित लाभ के योग बनेंगे.

तीसरी बार सीएम बनने के बाद हेमंत पत्नी संग पहुंचे गिरिडीह

कई स्थलों पर की पूजा-अर्चना

रांची। तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद हेमंत सोरेन अपनी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन के साथ गिरिडीह पहुंचे.मौके पर उन्होंने अपनी धर्मपत्नी संग सबसे पहले गिरिडीह जिला के मधुबन स्थित दिशोम मांझीथान में पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की. इसके बाद वे दोनों गिरिडीह जिला के मधुबन स्थित अधिष्ठायक देव भोमियाजी महाराज मंदिर में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की और राज्य की उन्नति, अमन -चैन व सुख-समृद्धि की कामना की. इससे पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के गिरिडीह जिला आगमन पर मधुबन स्थित सीआरपीएफ कैंप हेलीपैड पर जिला प्रशासन की ओर से उनका स्वागत करने के साथ ही साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया.

17,490 छात्र-छात्राओं को 10,67,46,000 करोड़ राशि का भुगतान

गिग वर्कर्स को सम्मान देना सरकार की प्राथमिकता : सत्यानंद भोक्ता

कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप राशि का चेक देने के बाद लाभुकों के साथ मंत्री सत्यानंद भोक्ता.

संवाददाता । रांची

श्रम नियोजन विभाग के द्वारा गिग वर्कर्स के सामाजिक सुरक्षा व न्यूनतम पारिश्रमिक पर झारखंड में अच्छे कार्यों को बढ़ावा पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ. रांची के रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित कार्यक्रम का राज्य के श्रम नियोजन मंत्री सत्यानंद भोगता ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया. एकदिवसीय परामर्श कार्यशाला का उद्देश्य गिग वर्कर्स के लिए उचित न्यूनतम वेतनमान एवं सामाजिक सुरक्षा पर चर्चा के माध्यम से राज्य केंद्रित नीति निर्माण को गति देना और गिग अर्थव्यवस्था के सभी हितधारकों के लिए उच्च स्तर पर उनके कार्य व अनुभवों पर आधारित अवसरों एवं चुनौतियों को साझा करने का अवसर प्रदान करना था.

खास बातें

- राजधानी रांची में कार्यशाला का किया गया आयोजन
- एक दिनी परामर्श कार्यशाला में गिग वर्कर्स पर चर्चा

मेधावी पुत्र-पुत्री छात्रवृति योजना की राशि का भुगतान : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सत्यानन्द भोगता जी ने कहा कि राज्य में गिग वर्कर्स के लिए उचित एवं न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक कानून लाया जा रहा है, जो संभवतः देश में ऐतिहासिक और पहला राज्य झारखंड होगा. इस कार्यशाला के माध्यम से गिग वर्कर्स के लिए उचित न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा पर चर्चा के माध्यम से राज्य केंद्रित नीति निर्माण को तेजी गति प्रदान करना है. कार्यशाला के दौरान मंत्री ने कार्यक्रम में भाग लेने आए गिग वर्कर्स को शॉल देकर सम्मानित किया. साथ ही मुख्यमंत्री सारथी योजना के सफल उम्मीदवारों को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किया. कार्यशाला के दौरान मेधावी पुत्र-पुत्री छात्रवृति योजना के तहत श्रमिकों के बच्चों को डायरेक्ट बेनेफिट्स ट्रांसफर के जरिये छात्रवृति प्रदान की गई, जहां 17,490 छात्र-छात्राओं को 10,67,46,000 करोड़ राशि का भुगतान ऑनलाइन किया गया.

कंपनियों के प्रतिनिधि भी कार्यशाला में शामिल हुए

श्रमायुक्त सह मिशन निदेशक झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाईटी संजीव कुमार बेसरा ने कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों, विभागीय अधिकारियों, आईएलओ के प्रतिनिधियों एवं दूसरे राज्यों से आने विभागीय पदाधिकारियों का स्वागत और आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि गिग वर्कर्स के लिए एक हितकारी कानून एवं नीति निर्माण की दिशा में आपके सुझाव उपयोगी साबित होंगे और हमारे प्रयास और इस प्रक्रिया को नई दिशा मिलेगी. सचिव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग मुकेश कुमार ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमारा देश आज के समय में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है. ऐसे में हम तेजी से बढ़ रही गिग अर्थव्यवस्था में संलग्न गिग वर्कर्स को वर्क फॉर्म की किस श्रेणी में रखते हैं, ये महत्वपूर्ण है, ताकि आने वाले समय में गिग वर्कर्स को न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा, उचित एवं सुरक्षित काम के घंटे का भरोसा दे सकें. मिचिको मियामोतो, कंट्री डायरेक्टर, आईएलओ ने विभाग की इस पहल के लिए झारखंड सरकार की सराहना करते हुए कहा, गिग अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और हमें इस क्षेत्र में हो रहे बदलावों से खुद को अवगत कराते रहने की आवश्यकता है. उन्होंने बताया कि गिग अर्थव्यवस्था व्यवसाय एवं रोजगार के लिए नया आयाम साबित होगा, जहां हर तरह के लोगों के लिए चाहे वो शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण, रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे. उक्त कार्यशाला कार्यक्रम के दौरान मोटो कण्टरी आई एल ओ डायरेक्टर मिचिको, श्रम विभाग सचिव मुकेश कुमार, कर्नाटक श्रम विभाग अपर सचिव डॉ. मंजुनाथन, तेलंगाना श्रमायुक्त डॉ ए. गंगाधर, श्रमायुक्त संजीव कुमार बेसरा, श्रम संगठनों के प्रतिनिधि गण, गिग वर्कर्स प्रतिनिधि समेत कई गणमान्य मौजूद रहे.

मुस्लिम मुद्दों पर राज्यस्तरीय परिचर्चा 21 जुलाई को : आमया

जानकारी देते संगठन के प्रतिनिधि.

संवाददाता । रांची

आमया संगठन की बैठक पुरानी रांची स्थित कार्यालय में शुक्रवार को अध्यक्ष एस अली की अध्यक्षता में हुई. उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के न्याय, अधिकार, शिक्षा, रोजगार, उर्दू, मदरसा, मॉब लींचिग व अन्य मामलों को लेकर संयुक्त मुस्लिम संगठन के बैनर तले 21 जुलाई को प्रेस क्लब में दिन के 11 बजे से परिचर्चा आयोजित की जायेगी. जिसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से समाजिक संगठन एवं धार्मिक संगठन के प्रतिनिधि भाग लेंगे. उन्होंने कहा कि अलग राज्य आंदोलन में शामिल मुस्लिम समुदाय के मसले राज्य अलग होने का 24 वर्ष बाद भी हल नहीं हुए हैं. 4401 उर्दू शिक्षक के बचे 3712 पदों पर झारखंड अल्पसंख्यक आयोग द्वारा 2015 में दिए निर्देशनुसार बहाली, मदरसा आलिम फाजिल डिग्री की परीक्षा विश्वविद्यालय से कराने, प्लस 2 विद्यालयों में उर्दू शिक्षक समेत सभी विषयों में बहाली, अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े बोर्ड, निगम, आयोग की नियमावली का निर्माण, मॉब लीचिंग पीड़ितों को मुआवजा और पुनर्वास, रांची 10 जून 2022 गोलीकांड पीड़ितों को न्याय सहित शिक्षा, सरकारी नौकरी में भागीदारी के साथ झारखंड में स्थानीय नीति, नियोजन नीति, पिछड़ी जातियों के आरक्षण में बढ़ोतरी, अभ्यर्थियों के उम्र सीमा में छुट जैसे मामलों के साथ राजनीतिक हिस्सेदारी पर विचार विमर्श किया जायेगा एवं निर्णय लिया जायेगा. मौके पर आमया संगठन प्रभारी जियाउद्दीन अंसारी, सचिव नौशाद आलम, इमरान अंसारी, जिला अध्यक्ष अफताब आलम, एकराम हुसैन, जावेद अंसारी, नसीम अहमद, अब्दुल बारीक, मंजूर अंसारी, आशिक अंसारी, अकराम अंसारी, अयुब अंसारी, अबु रेहान, मो आसिफ, मो फिरोज आदि शामिल थे.

कांवरिया सेवा दल का किया स्वागत

लातेहार। शक्तिपुंज एक्सप्रेस ट्रेन से देवघर जा रहे माता हीरामणि देवी निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर के सेवादल के दूसरे जत्थे का लातेहार स्टेशन में स्वागत किया गया. नारनौलिय अग्रवाल संघ के अध्यक्ष मोती अग्रवाल के नेतृत्व में समाज के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया. उनके लिए अल्पाहार और पानी की व्यवस्था करायी. मौके पर मुकेश अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, प्रियांशु अग्रवाल, शानू अग्रवाल, मुकुल अग्रवाल समेत नारनौलिय अग्रवाल समाज के कई लोग मौजूद थे. बता दें कि डालटनगंज की यह संस्था 1998 से श्रवण के महीने में देवघर में शिविर लगाकर कांवरियों को कई तरह की निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध करा रही है. पहला जत्था 14 जुलाई को रवाना हुआ था.

बाल गृह में रहनेवाले बच्चों को शिक्षा और सुविधा मुहैया करायें: उपायुक्त

खूंटी । उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला बाल संरक्षण संवर्द्धन सहयोग विलेज और अन्य कार्यरत एजेंसियों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. बैठक में मुख्य रूप से बाल गृह में रहने वाले बच्चों और बाल गृह के संचालन पर उपायुक्त ने विशेष जोर देते हुए बाल गृह में रह रहे बच्चों की जानकारी ली. उन्होंने एक-एक कर सहयोग विलेज बाल गृह, कैल्वरी चैपल ट्रस्ट बाल गृह एवं आशा किरण बाल गृह के संचालकों से उनके बाल गृह में रह रहे बच्चों की संख्या, उन्हें दी जानेवाली सुविधा, विद्यालयों में नामांकन, उनकी आयु एवं अन्य विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की. बैठक में उपस्थित जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को उपायुक्त ने बाल गृहों का निरीक्षण करने का निर्देश देते हुए कहा कि बाल गृहों में रह रहे बच्चों के हेल्थ अप, हाइजीन मेनटेन, शिक्षा समेत अन्य सुविधाओं का ख्याल रखा जा रहा है या नहीं, इस संबंध में निरीक्षण कर रिपोर्ट साझा करें, ताकि बाल गृह में रहने वाले बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सुविधाएं मुहैया कराई जा सके. समीक्षा के दौरान चाइल्ड लेबर, बाल विवाह, रेसक्यू, स्पॉन्सरशिप जैसे विषयों पर भी उपायुक्त ने चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये.

कुपोषण की रोकथाम पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

खूंटी । जिले में समुदाय नेतृत्व आधारित कुपोषण की रोकथाम के लिए डीआरडीए सभागार में शुक्रवार को एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में प्रखंड की सभी महिला सुपरवाइजर और सीडीपीओ ने भाग लिया. कार्यशाला में सीपीएएम कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और खूंटी जिले की पोषण स्थिति पर चर्चा की गई.

डी फार्मा के छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे: शुक्ला

ब्यूरो । रांची

शुक्रवार को युवा आजसू का एक प्रतिनिधिमंडल अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में राज्यपाल और मुख्यमंत्री सचिवालय में डी फार्मा के छात्र-छात्राओं की परेशानियों से संबंधित मांग पत्र सौपा. मांगपत्र कहा गया है कि झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल के अंतर्गत पूरे झारखंड राज्य में 122 कॉलेज वर्तमान में संचालित हैं, इन सभी कॉलेजों में अभी तक डी फार्मा के सत्र 20-22 व 21-23 के फाइनल परीक्षा नहीं हो पाई है, इसे लेकर छात्र-छात्राएं काफी परेशान है. विगत कुछ दिनों पहले डी फार्मा के छात्र-छात्राओं ने इस मामले को लेकर कई बार राज्य के स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव एवं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को पूरे मामले से अवगत कराया. परंतु इस मामले पर अभी तक आश्वासन के अलावा छात्र-छात्राओं को कुछ नहीं मिला. परीक्षा में देरी होने के कारण राज्यभर के लगभग 10000 से अधिक डी फार्मा के छात्र-छात्राओं का भविष्य खतरे में है. प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से दीपक दुबे, अकाश नयन, दलमणि यादव, प्रियांशु शर्मा, करण शर्मा, विशाल कुमार यादव,वसीम जौहर, सचिन पंडित, नदीम तल्हा, तोहिद आलम, अमलेश कुमार, बुशरा जन्नती, खुशबू किरण के अलावा कई अन्य सदस्य मौजूद थे.

राज्यपाल और मुख्यमंत्री सचिवालय में आजसू युवा मोर्चा ने सौंपा मांग पत्र

रजिस्ट्रार नहीं होने से निबंधन का रिन्यूअल भी नहीं हो रहा

डी फार्मा के छात्र-छात्राओं की परीक्षा में देरी होने का मुख्य कारणों में से एक झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल में रजिस्ट्रार का पद खाली रहता है. रजिस्ट्रार का पद खाली रहने से न केवल राज्य के छात्र-छात्राएं परेशान हैं, बल्कि पुराने फार्मासिस्ट जिनका निबंधन अवधि समाप्त हो चुका है, उनका निबंधन भी रिन्यूअल नहीं हो पा रहा है.

टीवीएनएल के एमडी के खिलाफ कोर्ट जाएंगे चंद्रप्रकाश

कहा : एमडी भ्रष्टाचार व वित्तीय अनियमितता में लिप्त, शिकायत के बाद भी सरकार नहीं कर रही कोई कार्रवाई

विशेष संवाददाता । रांची

आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष व गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने ललपनिया स्थित तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन (टीवीएनएल) के एमडी अनिल कुमार शर्मा के खिलाफ अब कोर्ट की शरण में जाएंगे. उन्होंने कहा कि एमडी के खिलाफ जारी व्याप्त भ्रष्टाचार व भारी वित्तीय अनियमितता को लेकर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराए जाने के बाद भी अब तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं किए जाने पर झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करने का निर्णय लिया है.

14 जून और एक जुलाई को मुख्यमंत्री को लिखा था पत्र

उन्होंने कहा कि हमने 14 जून को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस ओर उनका ध्यान आकृष्ट कराया. इस बीच किसी तरह का कोई कदम

राज्य सरकार द्वारा नहीं उठाया गया, तो हमने पुनः एक जुलाई को मुख्यमंत्री को पत्र लिखा. इस पत्र में एमडी द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार का बिंदुवार उल्लेख कर पद से हटाकर उनके विरुद्ध नियमानुसार, कार्रवाई करने व किसी योग्य पदाधिकारी को एमडी की जवाबदेही देने की मांग की गयी है.साथ ही इस तरह का पत्र हमने राज्यपाल को भी लिखा. बावजूद इसके इस पत्र पर भी राज्य सरकार का उदासीन रवैया सामने आया है. उन्होंने इस मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रशासनिक प्रणाली पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा किया है. कहा है कि हमारे पत्र पर कोई सकारात्मक प्रशासनिक कार्रवाई व आदेश जारी नहीं किया गया है. इस स्थिति में झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की जाएगी. भले ही यह हमारी बाध्यता व मजबूरी ही क्यों न हो. उन्होंने कहा कि जनहित याचिका में मुख्यमंत्री व विभाग के सचिव स्तर के वरीय पदाधिकारी व्यक्तिगत रूप से पक्षधर होंगे. उन्होंने कहा कि हमने टीवीएनएल भ्रष्टाचार को लेकर जो पत्र लिखा है, वह पत्र राज्यहित में है और बिना द्वेष व पूर्वाग्रह के सत्य निष्ठा के साथ है. हमें आशा है कि राजकीय संपत्ति की इस लूट पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाकर लुटेरे एमडी अनिल कुमार शर्मा विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

एमडी पूरी तरह से हैं भ्रष्टाचार में लिप्त

चौधरी ने कहा कि एमडी पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त हैं. उनके द्वारा नियुक्ति में अनियमितता, विस्थापितों के समझौता के अनुसार, नियोजन व मुआवजा भुगतान में अनियमितता किया जा रहा है. यही नहीं संगठित भ्रष्टाचार को भी खुलेआम बढ़ावा दे रहे हैं. एमडी अपने राजनीतिक संरक्षक स्थानीय पूर्व विधायक के साथ मिलकर उनके बेटे के नाम, रिश्तेदार, निजी सहायक व अन्य करीबी सप्लायर के नाम क्रमशः पी के इंटरप्राइजेज, गणेश इंटरप्राइजेज, जैन इंटरप्राइजेज, आदित्य इंटरप्राइजेज, मेसर्स सुशीला इंटरप्राइजेज व मेसर्स कपूर इंटरप्राइजेज नाम से फॉर्म बनाकर करीब 124 करोड़ से अधिक का कार्यदेश देकर फर्जी निकासी भी कर लिया है. एमडी ने 35 से 40 लाख के घोटाले में शामिल व दोषी अशोक प्रसाद को दंड दिए जाने वाली संचिका को नष्ट कर दिया है.

कार्यशाला बिचौलियावाद संस्कृति समाप्त करने का विकल्प है सहायता केंद्र : जेम्स हेरेंज

76 प्रखंडों में नागरिक सहायता केंद्र बने हैं वरदान : प्रो. ज्यां द्रेज

ब्यूरो । रांची

नागरिक सहायता केंद्रों के राज्य स्तरीय कार्यशाला रांची के अशोक नगर में फिया फांउडेशन की ओर से आयोजित की गयी. कार्यशाला को संबोधित करते हुए देश के जाने-माने अर्थशास्त्री प्रो. ज्यां ड्रेज ने कहा, खूंटी सदर व पलामू के छतरपुर में वर्ष 2009 में पायलट नरेगा सहायता केंद्र की शुरुआत की गयी थी, जो अब 76 प्रखंडों तक नागरिक अधिकार केन्द्र के रूप में गरीबों के लिए काम कर रहा है. सरकारी योजना का लाभ उठाने में आज भी गरीब और वंचित समूह को परेशानी का समना करना पड़ता है. झारखंड के सुदूर गांवों से भाषाई दिक्कतों, आर्थिक परेशानियों के साथ प्रखंड मुख्यालयों तक गरीब परिवार नहीं पहुंच पाते. वैसे लोगों को नरेगा सहयता केंद्र के कार्यकर्ता वंचित परिवारों के साथ खड़े होकर सरकारी योजना का लाभ दिलाने का काम करते हैं. सहायता वंचित परिवारों के कागजात जैसे मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक के खाते, राशन कार्ड, पेंशन के आवेदन, मनरेगा कार्ड, मजदूरी भुगतान, बेरोजगारी भत्ता के आवेदन करने से पीड़ित विधवा महिलायें, दोनों हाथ, पैर या अन्य अंगों से दिव्यांग, लाचार बुजुर्ग अभावग्रस्त परिवारों को नागरिक सहायता केंद्रों के माध्यम से सहायता करते हैं.

संबोधित करते ज्यां द्रेज.

मौके पर सामाजिक अंकेक्षण इकाई के समन्वयक हलधर महतो ने कहा कि मनरेगा सहित तमाम कल्याणकारी योजनाओं में नित नयी तकनीकों के प्रयोगों कई बार अभिवंचितों की परेशानियां बढ़ जाती हैं. ऐसे विपरीत परिस्थिति में नागरिक सहायता केंद्रों का होना अभिवंचितों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है. वहीं जेम्स हेरेंज ने कहा, सरकारी सिस्टम से यदि बिचौलियावाद संस्कृति को समाप्त करना है तो नागरिक सहायता केंद्र इसका विकल्प हो सकता है. जेएसएलपीएस के सुवकान्ता नायक कहा निश्चय ही ऐसे प्रयोगों को पूरे राज्य में जारी रखना चाहिए. भोजन का अधिकार अभियान से जुड़े बलराम ने कहा, इस तरह के प्रयास को कोई भी बड़े से बड़े सरकारी, विधायक अथवा मंत्रीगण नकारे नहीं हैं, बल्कि उन सबने सराहना ही की है.

अनुभवों को किया साझा

कार्यशाला में नागरिक अधिकार से जुड़कर काम कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किये. बताया कि किस तरह वंचित समहू के लोगों को सरकारी योजना का लाभ लेने में परेशानी होती है. भुक्तभोगी सरिता देवी, निगरानी समिति के सदस्या दुनुच मुर्मू, गायत्री देवी, घाघरा महिला फेडरेशन सदस्या संतोषी देवी, मनिका प्रखण्ड नामुदाग पंचायत के पूर्व मुखिया श्यामा सिंह, बीआरएल एफ के मानस मंडल, कलामंदिर संस्था जमशेदपुर के अमिताभ घोष, कर्रा ग्राम प्रधान संघ के सचिव पीटर बारला आदि ने भी अपने अनुभव साझा किये. कार्यशाला का संचालन जानेमाने सामाजिक कार्यकर्ता गुरजीत सिंह ने किया.

अवैध बालू लदा तीन ट्रैक्टर जब्त, दर्ज किया गया मामला

संवाददाता । महुआडांड़(लातेहार)

नेतरहाट थाना क्षेत्र में शुक्रवार महुआडांड़ सीओ संतोष कुमार बैठा व नेतरहाट थाना प्रभारी अरविंद होंरेंज ने अवैध खनन खिलाफ कार्रवाई की है. छापामारी अभियान के दौरान अवैध बालू लेकर जा रहे तीन ट्रैक्टर को रास्ते में पकड़ कर थाना परिसर लाया गया.पुलिस आता देख ड्राइव गाड़ी को छोड़ मौके से फरार हो गया. नेतरहाट थाना में अज्ञात लोगों के नाम कांड संख्या 9/24 तहत दर्ज की गई है. ज्ञात हो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, नयी दिल्ली और पर्यावण वजलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देश के आलोक में लातेहार जिलाभर के कैटेगरी एक एवं दो बालू घाट से बालू का उठाव 10 जून से 15 अक्टूबर तक पूर्णत बंद है. बावजूद इसके बेखौफ होकर नेतरहाट में बालू के कारोबारी लातेहार के वन प्रक्षेत्र अंतर्गत आने वाले करमखाड़ नदी व गुमला जिला के बनारी नदी से अवैध बालू खनन कर अधिक दामों में बेचते हैं. इस संबंध में महुआडांड़ सीओ संतोष कुमार बैठा ने कहा, सूचना प्राप्त हुई थी कि नेतरहाट में ट्रैक्टर से बालू बेचा जा रहा है. रास्ते में छापामारी अभियान के दौरान तीन बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़ा गया है. नेतरहाट थाना प्रभारी अरविंद होंरेंज ने कहा कि पुलिस को देख ट्रैक्टर छोड़ ड्राइवर भाग गया. वाहन मालिक का पता लगाया जा रह है.

नफरत से बचने की जरूरत

सामाजिक सांप्रदायिक नफरत का निषेध भारतीय समाज की विरासत है. बावजूद देश में चुनावों के ठीक पहले नफरत का माहौल बनाने का हर संभव प्रयास कुछ राजनीतिक दल और समूह करते रहते हैं. 2024 के लोकसभा चुनाव में भले ही एनडीए ने बहुमत हासिल कर लिया हो, लेकिन जनादेश सांप्रदायिक नफरत के खिलाफ स्पष्टता से चेता गया. लेकिन उत्तर प्रदेश के कुछ उप चुनाव, झारखंड, हरियाणा और महाराष्ट्र के विधान सभा के चुनाव के ठीक पहले जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है, वह किसी भी देश की प्रगति की राह में अड़चन पैदा कर सकता है. उत्तर प्रदेश में जिस तरह आस्था के नाम पर गैर संवैधानिक फरमान एक जिले में जारी किया गया है, उसके तमाम खतरे हैं. इन खतरों को नजरअंदाज करना भारत के संवैधानिक मूल्यों के विरोध में कदम उठाना है. आम चुनाव में लगे झटके का असर अब भारतीय जनता पार्टी और यहां तक कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में भी साफ दिख रहा है. झारखंड में ही बोलते हुए आरएसएस प्रमुख ने जिस तरह व्यंजना का इस्तेमाल करते हुए अतिमानव से भगवान बनने की चाह का उल्लेख किया, उसके अपने निहितार्थ हैं. भाजपा में भी उथल-पुथल का वैसा नज़ारा है, जिसे नरेंद्र मोदी काल में असामान्य घटनाक्रम माना जाएगा. शुरुआती प्रतिक्रिया में यह दिखाने की हुई कोशिश कि 'सब कुछ पहले जैसा है', अब बेअसर होती दिख रही है. मगर अब भी भाजपा/आरएसएस के नेता अंधेरे में ही तीर चला रहे हैं. असली सवालों का सामना करने का साहस वे नहीं दिखा पाए हैं. झारखंड में जनसंख्या असंतुलन का मुद्दा इसी का संकेत है. भाजपा/आरएसएस नेताओं की तरफ आई प्रतिक्रियाओं पर गौर कीजिए. मोटे तौर पर उन्होंने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में हार और कुछ राज्यों में लगे झटकों की वजह भाजपा की अंदरूनी कमजोरियों को माना है. पार्टी नेताओं में अहंकार, अति-आत्मविश्वास, कार्यकर्ताओं की उपेक्षा, कार्यकर्ताओं से संवाद भंग होना और टिकट बंटवारे में गलतियों का जिक्र उन्होंने किया है. परंतु किसी ने इस ओर झांकने की कोशिश नहीं की कि मतदाताओं में सत्ता-विरोधी गहराती भावनाओं का इन पहलुओं से बहुत कम संबंध है. मुमकिन है, इन बातों की भी कुछ भूमिका रही हो. असल सवाल सरकार की वे नीतियां और दिशा हैं, जिसकी वजह से आम जन का जीवन दूभर हुआ है और जिनके खिलाफ आज जमीनी स्तर पर व्यापक असंतोष है. इन भावनाओं की पुष्टि पिछले हफ्ते सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों के आए उप-चुनाव नतीजों से भी हुई है. इसे नेतृत्व की लापरवाही या अल्प दृष्टि ही कहा जाएगा कि उनका ध्यान अब तक इस पहलू पर नहीं टिका है. नतीजतन, नरेंद्र मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में उन्हीं नीतियों पर आगे बढ़ने का इरादा जता रही है और पूरा सत्ता पक्ष इस मामले में प्रधानमंत्री के पीछे लामबंद है. वह यह समझ पाने में विफल है कि इन नीतियों के दुष्परिणामों से लोगों का ध्यान भटकाए रखने की हेडलाइन मैनेजमेंट की रणनीति अब चूक रही है. दरअसल भाजपा नेतृत्व को समझना चाहिए कि जनता आर्थिक असमानता, बेरोजगारी और इसी तरह के सवालों से जूझ रही है. उन्हें इन सवालों का हल चाहिए.

> उत्तर प्रदेश में जिस तरह आस्था के नाम पर गैर संवैधानिक फरमान एक जिले में जारी किया गया है, उसके तमाम खतरे हैं. इन खतरों को नजरअंदाज करना भारत के संवैधानिक मूल्यों के विरोध में कदम उठाना है.

सुभाषित

खलः सर्षपमात्राणि पराच्छिद्राणि पश्यति।
आत्मनो बिल्वमात्राणि पश्यन्नपि न पश्यति॥

दुष्ट मनुष्य को दूसरे के भीतर के राई इतने भी दोष दिखाई देते हैं, परन्तु अपने अंदर के बिल्वपत्र जैसे बड़े दोष नहीं दिखाई पड़ते. दुष्टों का यही स्वभाव होता है. उन्हें दूसरों के दोषों के वर्णन में बहुत आनंद की प्राप्ति होती है.

सूखे सीजन में राजनीति के मजे लीजिए

भाजपा ने मध्यप्रदेश के लगातार चार बार के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा को झारखंड फतह के लिए लगाया है, जिनके राज्यों में भी आदिवासी आबादी बड़ी तादाद में है. उनको बताना चाहिए कि उनके करतब-करिश्मे से वहां के आदिवासी किस हाल में हैं. खासकर हिमंता विस्वा सरमा और झारखंड के भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी राजनीतिक तौर पर माइग्रेटेड हैं या घुसपैठिए, यह भी विचारणीय है.

जिस आषाढ़ के पहले दिन घने काले बादलों को देखकर कालिदास के यक्ष को यक्षिणी की याद बेतरह सताने लगी थी और जिसके कारण कालजयी कृति 'मेघदूत' विश्व साहित्य को मिली, वह पूरा का पूरा आषाढ़ सुखाड़ की भेंट चढ़ गया. पुनर्वसु आ गया, लेकिन अधिकतर खेतों में न तो धान के बीज डाले जा सके, न ही मक्का, तिल, अरहर आदि की बुआई हो सकी. यानी सुखाड़ के आसार झलकने लगे हैं. अबतक धान की शुरुआती रोपनी हो जानी चाहिए थी. अलग बात है कि 'डबल इंजन वाले' बिहार में पुल लगातार जल समाधि लेने लगे हैं और झारखंड में भी एकाध पुल उसी गति को वर चुके हैं. फसलें भले न लहलहायें, राजनीतिक फसलें लहालोट हो रही हैं. झारखंड में विधानसभा चुनाव दस्तक देनेवाला है, जबकि लोकसभा का चुनाव बीते महीना भर से अधिक हो गया है. खाने के दाने किसानों के घरों में भरने के उपाय 24 साल के झारखंड में नहीं हो सके, जबकि राजनीति व्यक्ति-व्यक्ति में भरी जा चुकी है. हर कोई राजनीति ही खा-पी रहा है, ओढ़-बिछा रहा है. चूंकि अजेय समझी जानेवाली भाजपा लोकसभा चुनाव में पिछड़ गई, इसलिए उसने अपनी राजनीति को और सुपाच्य बनाने और विधानसभा चुनाव में अपरिमित जीत (75 सीटें) हासिल करने का लक्ष्य बनाकर राजनीति शुरू कर दी है. राजनीतिक दल खेती करते नहीं, राजनीति ही करते हैं.

सो राजनीति की खेती जगजगाने में सभी तन-मन से लग गये हैं, चुनाव आते-आते धन से भी लग जाएंगे. ये राजनीतिक फसल न काटेंगे तो क्या धान काटेंगे?

झारखंड की राजनीति में आदिवासी सीटें बहुत मायने रखती हैं. लोकसभा चुनाव में भाजपा यहां की सभी पांच आदिवासी सीटें हार गई. हारने को तो वह पिछले विधानसभा चुनाव में 28 आदिवासी सीटों में से 26 हार गई थी. इसी कारण उसको रांची की गद्दी से महरूम होना पड़ा था और वह डबल इंजन से सिंगल इंजन पर आ गई थी. अब उसको डबल इंजन वाला रुतबा हासिल करने की बेचैनी है. होनी भी चाहिए, क्योंकि वह भी तो राजनीति की ही खेती करती है. इधर जमीन घोटाला मामले में हाईकोर्ट से फौरी राहत पाकर झामुमो के हेमंत सोरेन पुनः गद्दीनशीं हो गये हैं. वे वजीरे आजम नरेंद्र मोदी से मिल आये हैं. यह सूबे की सियासत में किसी फेरबदल का संकेत है, या रस्मी मुलाकात थी या लो मैं फिर आ गया की तर्ज पर मिलना था, यह कहना मुश्किल है. खैर, अभी जो हाथ में है, उस पर विचार करें तो रांची की गद्दी हासिल करने के लिए भाजपा हाईकमान ने जिन दो दूतों को लगाया है, वे माइग्रेशन, घुसपैठ, धर्मांतरण जैसे मुद्दे उछाल रहे हैं. आये दिन कोई न कोई केंद्रीय मंत्री भी इसी मृत्युंजय महामंत्र का जाप करते-करते रांची धमक पड़ता है. भाजपा ने मध्यप्रदेश के लगातार चार बार के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा को झारखंड फतह के लिए लगाया है, जिनके राज्यों में भी आदिवासी आबादी बड़ी तादाद में है. उनको बताना चाहिए कि उनके करतब-करिश्मे से वहां के आदिवासी किस हाल में हैं. खासकर हिमंता विस्वा सरमा और झारखंड के भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी राजनीतिक तौर पर माइग्रेटेड हैं या घुसपैठिए, यह भी विचारणीय है. दोनों की खासियत यह कि भाजपा में प्रवेश/पुनर्प्रवेश के साथ उनको जो तख्त-ताज हासिल हुआ, उससे उन लोगों को जरूर जलन हुई होगी, जिन्होंने पार्टी का झंडा-बैनर ढोने में जीवन खपा दिया. यूं, यह उनका अंदरूनी मामला है, गैरों को क्या लेना-देना? माइग्रेशन हो कि धर्मांतरण या घुसपैठ, किसी की भी हिमायत कतई नहीं की जा सकती. इस पर काबू पाना केंद्र और राज्य दोनों की जवाबदेही है. तमाम बाड़ेबंदियों के बावजूद विदेशी घुसपैठ हो रही है तो बाड़ेबंदी करनेवाले जवाबदेह क्यों नहीं हैं? पलायन और धर्मांतरण सामाजिक से अधिक बड़ा आर्थिक सवाल है, इसका जवाब दोनों सरकारों को देना चाहिए. यदि हर किसी के शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजी-रोजगार का समुचित प्रबंध कर दिया जाय तो कौन बपुरा अपने समाज से कटना चाहेगा? जवाब सिविल सोसाइटी को भी देना चाहिए कि क्या उसने कभी यह सवाल माननीय-सम्माननीय महापुरुषों और कल्याणकारी सरकारों से पूछा?

सूबे में सियासी दलों द्वारा जिस प्रकार वोट अपने पक्ष में करने, वोट बैंक बढ़ाने और अंततः राजगद्दी प्राप्त करने के चौतरफा प्रयास किये जा रहे हैं, वह गली-नुक्कड़ों पर भी चर्चा का विषय है. खेती-किसानी न हो पाने का दोष इंद्र पर मढ़कर हर कोई आधुनिक इंद्रों के इंद्रजाल में अधिक उलझा दिया गया है. वह मजे लेकर खूब बहस-मुहासिबे करता है कि फलाने ने ढेमाके के लिए क्या कहा. काश! वह यही बहस करता कि उसने बारी-बारी से हर दल को 'इंद्रासन' दे दिया, लेकिन इन इंद्रों ने उसके जीने-खाने की सामान्य सुविधा तक क्यों मुहैया नहीं करायी तो उसकी किस्मत बदल जाती. वोट वह अपने मन से ही देगा, लेकिन उपेक्षाएं भुलाने को सियासी गप्पों का ख्याल अच्छा है. राजनेता और राजनीतिक दल बड़ी-बड़ी चुनावी घोषणाओं, क्षेत्रीय विकास और क्षेत्रीय संतुलन कायम करने के वादे कर अपना काम निकालते हैं. विधायक/सांसद बनते ही उनके सारे इरादे काफूर हो जाते हैं. कारण एक ही है कि अवाम उनको राजा-महाराजा मान लेता है. लोकशाही के नाम पर हम दिनोंदिन राजशाही की गर्त में डूबते चले जा रहे हैं तो इसके जवाबदेह हम खुद हैं. जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाने का बीड़ा उठाना ही होगा अन्यथा नौकरशाही और भ्रष्टाचार के मकड़जाल से छुटकारा असंभव है. चुनाव के ठीक पहलेवाला यह समय अधिक माकूल है, जब जन अदालत में राजनेताओं की जवाबदेही तय की जाय.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

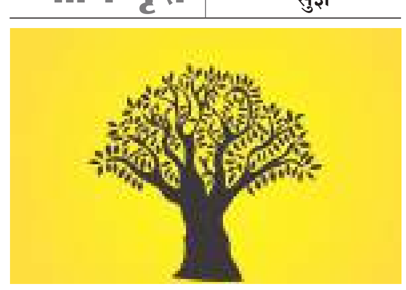

दंभ का तीव्र उदय

दंभ अहंकार का चरम रूप है. जिसके पास दंभ होता है, उसके पास ऐसा घना अंधकार होता है कि वह न तो सच्चाई देख पाता है और न ही सच्चाई को देखना चाहता है. बस, एक मैं ही हूं और दूसरा कोई नहीं. न भूतो न भविष्यति. जो न है और न भविष्य में होगा, लेकिन उसके सामने भी कभी न कभी ऐसी परिस्थिति आ ही जाती है, जब एक दंभी को भी यह मानने पर विवश कर देता है कि वह जो कुछ सोचता है, समझता है, उससे भिन्न भी कुछ है, जो यथार्थ के धरातल पर टिका है और उससे बहुत समय तक आंखें मूंदे नहीं रहा जा सकता. सच्चाई तो यह भी है कि हमारे निराधार और काल्पनिक अपमान के भयवश, हमारा दंभ उत्प्रेरित होता है. दर्प का उदय हमारे विवेक को हर लेता है. दंभ से मोहांध बनकर हम उससे भी बडी मूर्खता कर जाते है, जिस मूर्खता के कारण वह काल्पनिक अपमान भय हमें सताता है. एक बादशाह इत्र का बहुत शौकीन था. एक दिन वह दरबार में अपनी दाढ़ी में इत्र लगा रहा था. अचानक इत्र की एक बूंद नीचे गिर गई. बादशाह ने सबकी नजरें बचाकर उसे उठा लिया. लेकिन पैनी नजर वाले वजीर ने यह देख लिया. बादशाह ने भांप लिया कि वजीर ने उसे देख लिया है. दूसरे दिन जब दरबार लगा, तो बादशाह एक मटका इत्र लेकर बैठ गया. वजीर सहित सभी दरबारियों की नजरें बादशाह पर गड़ी थीं. थोड़ी देर बाद जब बादशाह को लगा कि दरबारी चर्चा में व्यस्त हैं, तो उसने इत्र से भरे मटके को ऐसे ढुलका दिया, मानो वह अपने आप गिर गया हो. इत्र बहने लगा. बादशाह ने ऐसी मुद्रा बनाई, जैसे उसे इत्र के बह जाने की कोई परवाह न हो. इत्र बह रहा था. बादशाह उसकी अनदेखी किए जा रहा था. वजीर ने यह देखकर कहा- जहांपनाह, गुस्ताखी माफ हो. यह आप ठीक नहीं कर रहे हैं. जब किसी इंसान के मन में चोर होता है तो वह ऐसे ही करता है. कल आपने जमीन से इत्र उठा ली तो आपको लगा कि आपसे कोई गलती हो गई है. आपने सोचा कि आप तो शहंशाह हैं, आप जमीन से भला क्यों इत्र उठाएंगे. लेकिन वह कोई गलती थी ही नहीं. एक इंसान होने के नाते आपका ऐसा करना स्वाभाविक था. लेकिन आपके भीतर शहंशाह होने का जो घमंड है, उस कारण आप बेचैन हो गए. और कल की बात की भरपाई के लिए बेवजह इत्र बर्बाद किए जा रहे हैं. सोचिए आपका घमंड आपसे क्या करवा रहा है. बादशाह लज्जित हो गया.

भारत-पाक क्रिकेट रिश्ते सहज क्यों नहीं?

भारत-पाकिस्तान के राजनीतिक-रिश्ते किसी भी सतह पर हों, इसमें दो राय नहीं कि खेल का मैदान दोनों को जोड़ता है. खेल ही नहीं, सिनेमा, संगीत, खानपान, पहनावा, साहित्य, भाषा और उसके मुहावरे हमें जोड़ते हैं. भारत-पाक सांस्कृतिक-रिश्तों को सामान्य और आवागमन को आसान बना दीजिए और देखिए कि क्या चमत्कार होता है. दोनों क्रिकेट के दीवाने देश हैं. हम जिस गंगा-जमुनी संस्कृति की बातें सुनते हैं, वह इन्हीं मैदानों और मंचों पर पनपती है. राजनीतिक रिश्ते जब टूटते हैं, तब सबसे ज्यादा नुकसान संस्कृति को होता है. भारतीय भूखंड में रहने वालों का हित इस बात में है कि उनकी संस्कृति सुरक्षित रहे और शांति बनी रहे. यदि ऐसा नहीं है, तो उसके कारण हमें खेल या संस्कृति में नहीं, राजनीति में खोजने होंगे. आप पाएंगे कि सबसे बड़ा कारण वह कृत्रिम-विभाजन है, जिसने हमें पहले दो और फिर तीन देशों में हाल में मिली एक खबर के मुताबिक चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में खेलने के लिए के लिए टीम इंडिया के पाकिस्तान जाने की संभावना लगभग नहीं है. बीसीसीआई चाहती है कि भारत के मैचों की मेजबानी दुबई या श्रीलंका करें. इसके लिए वह आईसीसी से अनुरोध करेगी. पाकिस्तान के दर्शकों और खेल-प्रशासन के लिए यह बड़ा धक्का है. इससे पहले एशिया कप में ऐसा ही हुआ था. भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे. दोनों देशों ने बरसों से हॉकी या क्रिकेट की द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है. 2013 में पाकिस्तान की टीम आखिरी बार द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज खेलने आई थी. उसके बाद से इन दोनों टीमों के बीच सिर्फ आईसीसी या फिर एसीसी प्रतियोगिताओं में ही मैच हुए हैं. भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेना भी बंद कर दिया है. ऐसा भी नहीं है कि भारत ने पाकिस्तान में खेलना पूरी तरह बंद कर दिया है. इस साल फरवरी में डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता के अपने मैच खेलने के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान गई थी, पर टेनिस और क्रिकेट की लोकप्रियता में फर्क है और उनके राजनीतिक-सामाजिक प्रभावों में भी अंतर है. माना जाता है कि खेल के मैदान में राजनीति का प्रवेश नहीं होना चाहिए, पर जितनी आसानी से यह बात कही जाती है, उतनी आसान वह है नहीं. 1980 के मॉस्को और उसके बाद 1984 के लॉस एंजेलस ओलिंपिक खेलों के बहिष्कारों को हम देख चुके हैं. दक्षिण अफ्रीका सरकार की रंगभेदी नीतियों के कारण लंबे समय तक वहां की क्रिकेट टीम बहिष्कृत रही थी. ऐसे अनेक प्रसंग अतीत में हुए हैं और मानकर चलिए कि वे जारी रहेंगे. भारत-पाकिस्तान रिश्तों में विभाजन के समय से ही कड़वाहट है. पाकिस्तान सरकार ने सबसे पहले अपने स्वतंत्रता दिवस को अलग किया. शुरुआती वर्षों में उसने 15 को ही अपना स्वतंत्रता दिवस मनाया, पर बाद में खुद को अलग साबित करने के लिए 14 अगस्त को अपनाया, जबकि 'इंडिपेंडेंस ऑफ इंडिया एक्ट' के अनुसार उस दिन वह देश बना ही नहीं था. बावजूद इसके दोनों देशों के खेल और संस्कृति के रिश्ते करीब डेढ़ दशक तक बने रहे. पर 1965और 1971की लड़ाइयों के बाद और फिर नब्बे के दशक में कश्मीर में हुई हिंसा और करगिल-युद्ध की वजह से कड़वाहट बढ़ती ही चली गई. इस कड़वाहट ने सांस्कृतिक रूप से एक-दूसरे से काटने का काम किया है. यह कड़वाहट किस कदर हद तक लोगों को उद्वेलित करती है, इसके उदाहरण भी मौजूद हैं. 2021में टी-20 विश्वकप प्रतियोगिता में भारत और पाकिस्तान के मैच में पाकिस्तान ने भारत को हरा दिया. पाकिस्तान के राजनीतिक तबके में उस जीत पर जो प्रतिक्रिया हुई, वह हैरतंगेज़ थी. पाकिस्तान के तत्कालीन गृहमंत्री शेख़ रशीद ने जीत के ठीक बाद ट्विटर पर एक वीडियो संदेश पोस्ट करके कहा, "दुनिया के मुसलमानों समेत हिंदुस्तान के मुसलमानों के जज़्बात पाकिस्तान के साथ हैं. इस्लाम को फ़तह मुबारक हो. पाकिस्तान ज़िंदाबाद." भारत और पाकिस्तान के बीच खेल की डिप्लोमेसी क्या कमाल करती है, यह उस दौरे में देखने को मिला. कहते हैं कि दोनों देश खेल को भी जंग मानते हैं. ऐसा नहीं है. याद करें, उस दौरे में भारत की टीम ने जब लाहौर में पाकिस्तान को हराया था, तो स्टेडियम में पटाखे दग रहे थे. वह दृश्य भी अकल्पनीय था.क्रिकेट की कारोबारी तहज़ीब पर न जाएं तो खेल का इस्तेमाल सामाजिक-सांस्कृतिक समस्याओं के समाधान में हो सकता है. खेल के मैदान में कबायली जुनून भी देखने को मिलते हैं, पर दर्शक बेहतर खिलाड़ी और टीम के कौशल को भी सराहते हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> बीसीसीआई चाहती है कि भारत के मैचों की मेजबानी दुबई या श्रीलंका करें. इसके लिए वह आईसीसी से अनुरोध करेगी. पाकिस्तान के दर्शकों और खेल-प्रशासन के लिए यह बड़ा धक्का है. इससे पहले एशिया कप में ऐसा ही हुआ था. भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे. दोनों देशों ने बरसों से हॉकी या क्रिकेट की द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है.

• देशांतर

प्रमोद जोशी

अपनी ही दुनिया में खोए रहने का मर्ज

मैंने एक महिला को देखा, जिसने एक बिस्कुट का पैकेट सड़क के किनारे बैठे एक व्यक्ति को दिया, जो कि फटे, मैले, गंदे कपड़े पहने, लंबे-लंबे जट वाले बाल, एक साइड में बैठा हुआ कुछ चुन रहा था. उसने बिस्कुट की तरफ ध्यान भी नहीं दिया और उठ कर चला गया. वह महिला आश्चर्य से मुझे देखने लगी. व्यक्ति देखने से ही मनोविदलता या सिजोफ्रेनिया बीमारी से पीड़ित लग रहा था, जो एक मानसिक रोग है, मैं तो समझ चुकी थी, क्योंकि मैं एक मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल हूं, लेकिन आप लोग भी आए दिन ऐसे मरीज देखते हैं, जो रास्तों पर, मंदिर, प्लेटफार्म पर, अपने आपमें बुदबुदाना, अपने आप में हंसना, जीवन के वास्तविकता से दूर, अपनी ही दुनिया में बहुत से मरीज ऐसे आए दिन हमें देखने को मिलते हैं. आप उन्हें पागल समझ कर एक साइड से निकल जाते हैं. यह सच है कि यह पागलपन है, जिसे सिजोफ्रेनिया कहते हैं. ज्यादातर यह बीमारी युवाओं को प्रभावित करती है. इस बीमारी में मरीज अपने आप में खोया रहता है. उसे कानों में अजीब सी आवाज आती है, जो औरों को नहीं सुनाई देती. अपने आप से बातें करना, अपने आप से ही हंसते रहना, दैनिक दिनचर्या का ध्यान बिल्कुल नहीं रहना, नींद नहीं आना, वास्तविकता से दूर रहना, संदेह करना कुछ लोगों को बातें करते देखकर मरीज को लगता है कि वे उसी के बारे में बात कर रहे हैं. पति का पत्नी के चरित्र पर शक करना या पत्नी का पति के चरित्र पर शक करना, खाद्य पदार्थों पर भी संदेह करना कि इसमें जहर मिलाया गया है. ऐसे व्यक्ति को देखना जो सिर्फ वही देख पा रहा है, बाकी और लोग नहीं देख पाते. समाज से एकदम कट जाता है ऐसा व्यक्ति. अत्यधिक अवसाद के कारण आत्महत्या की भी सोचता है. यदि ऐसे लक्षण व्यक्ति में एक महीने से अधिक आते हैं या महसूस होते हैं तो मनोविदलता संभव है. इस सिजोफ्रेनिया के कई प्रकार होते हैं. जैसे पैरानॉइड सिजोफ्रेनिया, कैटाटोनिक, सिंपल सिजोफ्रेनिया. यह बीमारी अनुवांशिक होती है, जब रोगी के परिवार में उसके माता के पक्ष या पिता के पक्ष में किसी को रक्त संबंधी संबंधों में यदि किसी प्रकार की मानसिक बीमारी हुई है तो रोगी को होने की संभावना बढ़ जाती है. ब्रेन में केमिकल या न्यूरोट्रांसमीटर का भी इसमें प्रभाव पड़ता है. इसके अलावा मनोवैज्ञानिक कारण भी होते हैं जैसे अत्यधिक तनाव, अचानक से शादी टूटना, नौकरी छूट जाना, परिवार में किसी प्रिय व्यक्ति की मृत्यु हो जाना, परिवार का माहौल अच्छा न होना ऐसे बहुत से कारण हैं, जो अपना प्रभाव मनोविदलता पर डालते हैं. रोगी को पारिवारिक सपोर्ट की अत्यंत आवश्यकता होती है, इसलिए इस बीमारी में फैमिली काउंसलिंग भी की जाती है. यह बीमारी शुरुआत में ही चिकित्सा करने से ठीक हो जाती है, लेकिन कभी-कभी होता यह है अधिकतर लोग ऐसी बीमारियों में झाड़ फूंक भूत-प्रेत इन सब चीजों में ज्यादा विश्वास करते हैं और अपने ढेर सारे पैसे फूंक देते हैं, जबकि ऐसा करने से स्थिति और बिगड़ जाती है. यह बीमारी जितनी पुरानी होती है, उतना इसका इलाज लंबा चलता है. कभी-कभी जीवन पर्यंत औषधि खानी पड़ सकती है. मनोचिकित्सा में रोगी के व्यवहार को परिवर्तन करने की कोशिश की जाती है और रोगी को बहुत सपोर्ट की आवश्यकता होती है. आज के समय में भी पढ़े लिखे अच्छे लोग भी मनोचिकित्सक के पास ना जाकर झाड़-फूंक भूत प्रेत में ज्यादा विश्वास करते हैं. मरीज को मनोचिकित्सक के पास ले जाने से परहेज करते हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व में लाखों लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. बहुत बार रोगी के परिजन घरों में इस तरह के रोगी को चैन से बांधकर अलग कमरों में बंद कर रखते हैं, जो बिल्कुल भी सही नहीं है. अस्पतालों में पाया गया कि मरीज को भर्ती करने के पश्चात परिजनों ने बहुत सालों तक उनसे संबंध नहीं रखा. उन्हें अस्पताल में छोड़ दिया. यह एक तरह से अमानवीय अत्याचार है. बहुत से मरीज अस्पतालों में कई कई सालों से अभी भी भर्ती हैं और पुनर्वास से अपना जीवन यापन कर रहे हैं. वह बहुत अच्छे हैं, फिर भी उनके परिवार के लोगों का पता नहीं चल पाया है. बीमारी किसी को भी कभी भी हो सकती है. स्वतंत्र रूप से जीने का अधिकार हर किसी को है. मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए आप किसी की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाएं. स्वयं जागरूक बनें. औरों को भी जागरूक करें. समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने में लोगों में जागरूकता फैला कर आप महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. आप ऐसे रोगियों को देख कर दूर न भागें, ऐसी बीमारियां छूने से नहीं फैलतीं. मानसिक बीमारियां छुआछूत की बीमारियां नहीं हैं. इसलिए मानसिक रोगियों के साथ प्यार से पेश आएं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> पति का पत्नी के चरित्र पर शक करना या पत्नी का पति के चरित्र पर शक करना, खाद्य पदार्थों पर भी संदेह करना कि इसमें जहर मिलाया गया है. ऐसे व्यक्ति को देखना जो सिर्फ वही देख पा रहा है, बाकी और लोग नहीं देख पाते. समाज से एकदम कट जाता है ऐसा व्यक्ति. अत्यधिक अवसाद के कारण आत्महत्या की भी सोचता है. यदि ऐसे लक्षण व्यक्ति में एक महीने से अधिक आते हैं या महसूस होते हैं तो मनोविदलता संभव है.

• मनोविज्ञान

रेनू गहलोत रॉय

मीडिया में अन्यत्र

कर्नाटक सरकार का विवादास्पद कानून

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने निजी नौकरियों में स्थानीय आरक्षण को अनिवार्य करके इस विवाद को नया मोड़ दे दिया है. संबंधित विधेयक को वर्तमान विधानसभा सत्र में पेश किया जाना है और इसमें कहा गया है कि स्थानीय कंपनियों के रोजगार में प्रबंधन के पदों पर 50 फीसदी और गैर प्रबंधकीय पदों पर 75 फीसदी नियुक्तियां स्थानीय लोगों की होंगी. आश्चर्य नहीं कि इस कानून को लेकर आईटी के केंद्र, वैश्विक क्षमता केंद्रों और फार्मा उद्योग के गढ़ बेंगलूरु में कंपनियों ने तीव्र प्रतिक्रिया दी है. ये वे कंपनियां और क्षेत्र हैं, जो अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करते हैं. नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर ऐंड सर्विसेज कंपनीज (नैसकॉम) ने पहले ही एक वक्तव्य जारी करके अपनी निराशा जाहिर कर दी है और राज्य के अधिकारियों से मुलाकात की इच्छा व्यक्त की है. स्थानीय रोजगार के कानूनों की प्रक्रिया नई नहीं है. महाराष्ट्र ने 2008 में 80 फीसदी रोजगार स्थानीय लोगों को देने का कानून बनाया था.आंध्र प्रदेश ने 2019 में 75 फीसदी और हरियाणा ने 2020 में 75 फीसदी स्थानीय रोजगार का कानून बनाया. इन सभी कानूनों को औद्योगिक संगठनों ने अदालत में चुनौती दी. नवंबर 2023 में अदालत ने हरियाणा के कानून को निरस्त किया और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने इसके लिए जो वजह दी वह जानकारी बढ़ाती है. हरियाणा ने यह कानून बनाया था कि निजी क्षेत्र में 30,000 रुपये या इससे कम के मासिक वेतन वाले पदों में से 75 फीसदी स्थानीय स्तर पर भरे जाएंगे. उच्च न्यायालय ने इसे निरस्त करते हुए दो वजह दीं. पहला, खुले बाजार में नियुक्तियां करने का नियोक्ता का अधिकार राज्य सरकार के दायरे से बाहर था.दूसरा, स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार आरक्षित करना अन्य लोगों के विरुद्ध था. न्यायालय ने कहा कि हरियाणा के बाहर के नागरिकों को दूसरे दर्जे का स्थापित करके संवैधानिक नैतिकता का उल्लंघन किया गया है. उसने यह भी कहा कि यह आजीविका कमाने के उनके अधिकार का उल्लंघन है. न्यायालय ने कहा कि ऐसा करने से संविधान के अनुच्छेद 19 का उल्लंघन हुआ है, जो सभी नागरिकों को किसी भी पेशे या व्यवसाय को अपनाने की सुविधा देता है और उन्हें पूरे देश में अबाध रूप से कहीं भी आने-जाने की इजाजत देता है. आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने कहा कि राज्य का 2019 का कानून असंवैधानिक है, लेकिन वह मामले की सुनवाई करेगा. हरियाणा सरकार ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील की, जहां मामले की सुनवाई फरवरी में आरंभ हुई. संवैधानिक मर्यादाओं के उल्लंघन के अलावा ऐसी संकीर्णता के पीछे कोई आर्थिक तर्क समझ पाना मुश्किल है. कर्नाटक के विधेयक में 'स्थानीय' को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि वह व्यक्ति राज्य में पैदा हुआ हो, वहां कम से कम 15 वर्ष से रह रहा हो और कन्नड़ भाषा पढ़ने, लिखने और बोलने में सक्षम हो.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

चाल/ गति

मेरे पैरों में घुघरू बंधा दे तो फिर मेरी चाल देख ले. 1968 में आयी फिल्म संघर्ष के मस्ती भरे इस गाने में शकील बदायुंनी ने बताने की कोशिश की है कि घुंघरू बांध देने से ही कैसे किसी की चाल बदल जाती है. यह बात तो सही है हर किसी की हर समय एक जैसी चाल नहीं होती है, लेकिन चाल अगर बेढंगी हो जाये तो मनुष्य की गति प्रभावित होती है और दुर्गति में बदल जाती है. जो जैसा करता है, उसका परिणाम उसे निश्चित रूप से भोगना पड़ता है. कबीरदास ने इसी बात पर तो कहा है- करम गति टारे नाहीं टरे. चाल और गति दोनों ऐसे हैं, जो कभी एक जैसे लगते हैं तो कभी समानांतर हो जाते हैं. चाल और गति दोनों शब्द मूलतः तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग हैं. चाल क्या है? चलने की क्रिया या गति, चलने का ढंग, चलन, व्यवहार, बर्ताव, आचरण रीति-रिवाज, ढब, ढंग, बाजी, पारी, छल, कपट, धूर्तता, धोखा देनेवाली बात, ताश या शतरंज में पत्ते या मुहरे का चलना या चलने की बारी. मंबई, कोलकाता आदि बड़े शहरों में ऐसी इमारत जो बड़ी होती है, लेकिन कम चौड़ी होती है, चाल कहलाती है. भौतिक विज्ञान के अनुसार किसी वस्तु द्वारा इकाई समय में किसी निश्चय दिशा में तय की गई दूरी चाल है, लेकिन समय के साथ किसी वस्तु के परिवर्तन को गति कहते हैं. गति का सामान्य अर्थ है रफ्तार, चाल, गमन, जाने की अवस्था, प्रवाह, पहुंच, प्रयत्न, हरकत, माया, लीला, बुरी अवस्था, हालत, दशा, अंगों की चेष्टा, स्पंदन, हरकत, रंग-रूप, सद्गति, मोक्ष, मृत्यु के पश्चात आत्मा की भली या बुरी दशा, मुक्ति, उपाय, ज्ञान, ग्रहों की चाल. कई स्थानों पर चाल और गति के बीच कोई अंतर नहीं रह जाता है, लेकिन प्रयोग किये जाने के बाद कई स्थानों पर इनका अर्थ रूढ़ हो जाता है. तब पर्यायवाची कह कर चाल की जगह गति का प्रयोग करना हास्यास्पद हो जाता है.

बड़े खिलाड़ी और टप्पेबाजी का कमाल

टप्पेबाजी है तो टप्पेबाज़ों का होना भी लाज़मी है. अखबार के पन्नों में अक्सर पढने को मिलता है कि एक टप्पेबाज़ ने देखते देखते माल पार कर दिया. लेकिन यह टप्पेबाजी होती क्या है. मैंने यह शब्द पहले कभी नहीं सुना था. कोश में देखा तो वहां भी यह शब्द गायब था. कोश भी टप्पेबाज़ निकला. अजीब मुश्किल है. मैंने अखबार की खबर दोबारा पढी. टप्पेबाज़ ने माल पार किया, यानी, धोखा दिया और देखते-देखते पार कर दिया, यानी, अपना काम बड़ी फुर्ती से किया. अतः टप्पेबाजी 'तुरत धोखा' देना है. ध्यान बंटाया और चीज़ गायब कर दी. ज़ाहिर है ऐसी टप्पेबाजी के लिए कौशल चाहिए. बड़े हुनर की ज़रूरत है. जो आते आते ही आता होगा. कोई खेल या हंसी-मज़ाक नहीं है टप्पेबाजी. राजनीति के टप्पेबाजों का तो कहना ही क्या? बड़े खिलाड़ी होते हैं. जब अपने को किसी असुविधाजनक स्थिति में फंसते देखते हैं, ध्यान बंटाने के लिए तुरंत टप्पा खाते हैं और एक नया मुद्दा खोल बैठते हैं. अपनी असुविधाजनक स्थिति से बच जाते हैं और सामने वाले को असुविधा में डाल देते हैं. इस तरह वे अपनी तुरत- बुद्धि से धोखा देकर तुरन्त अपना बचाव भी कर लेते हैं. प्रजातंत्र में ज़रूरी नहीं कि हमारे नेता बड़े बड़े नगरों से आएं. ज्यादहतर वे छोटी छोटी तहसीलों और टप्पों से ही आते हैं. अपनी शुरुआती टप्पेबाजी से वे अपने नेतृत्व की चमक पहले अपने टप्पे में ही निखारते हैं. धीरे धीरे उनकी प्रसिद्धि फैलने लगती है. शोहरत टप्पे से कस्बे, और कस्बे से ज़िले तक आती है और देखते-देखते पूरे सूबे में फैल जाती है. किसी बड़े नेता की शरण में आकर ये छोटे-मोटे 'छुट-भैये' नेता बन जाते हैं और मौक़ा पाते ही एक टप्पा खाकर अपने ही नेता को फलांग जाते हैं. नेतृत्व के आकाश में नए सितारे का उदय होता है. जय-जयकार होने लगती है. विधायक बनते हैं, मंत्री बनते हैं, मुख्यमंत्री बन जाते हैं. प्रधानमंत्री के सपने देखने लगते हैं. कभी बन भी जाएं तो ताज्जुब नहीं. हमारे प्रजातंत्र में नेतृत्व के विकास का यह स्वाभाविक सोपान है. यों तो टप्पा गायिकी आजकल बहुत चलन में नहीं है, लेकिन इसका विकास छोटे छोटे टप्पों में ही हुआ है. जैसे छोटे छोटे टप्पों ने हमें बड़े बड़े नेता दिए हैं वैसे ही टप्पा गायिकी की शुरुआत छोटे- छोटे टप्पों में ही हुई है. (शायद इसीलिए इस गायिकी को "टप्पा" कहा भी गया है). बाद में बड़े बड़े शास्त्रीय संगीतज्ञों ने भी इस गायिकी को अपना लिया. क्यों न अपनाते ? आखिर टप्पा भी अंततः एक तरह का लोक-गीत ही तो है और बिना लोक को रिझाए भला यश कैसे अर्जित हो! शास्त्रीय संगीतज्ञ भी, अन्य गायकों की तरह, यश-कामी तो होते ही हैं. लेकिन ध्यान रहे, टप्पा गायक टप्पेबाज़ नहीं होता. इस गायिकी में बेशक तान की प्रधानता होती है और हां, तान की इस उछाल के कारण आप भले ही इसमें टप्पेबाजी का आभास पा लें तो बात दूसरी है.

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

हस्ताक्षर

मेघ मल्हार वर्षा की अनुभूति कराने वाला राग है, फिल्मों में बारिश के आह्वान के लिए या फिर बारिश के दृश्यों को पूर्णता के लिए, या फिर बारिश के भाव के लिए मेघ मल्हार के प्रयोग होते रहे हैं. उधर चर्चा में तकनीक, प्रकृति और संगीत का अद्भुत समन्वय से तैयार विजयवाड़ा शहर का एक होर्डिंग है जो बारिश की बूंदों से मेघ मल्हार की ध्वनि उत्पन्न कर रहा है.

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

मेघ मल्हार-सिनेमा से होर्डिंग तक

कैसा महसूस होगा, जब बारिश में भीगते हुए किसी शहर के किसी सड़क से गुजरते हुए कानों पर संतूर पर बज रहा राग मेघ मल्हार दस्तक देने लगे. हमारे लिए यह कल्पना होगी, आंध्र प्रदेश के शहर विजयवाडा के लिए यह सच है, जहां ताजमहल चाय के प्रचार के लिए एक ऐसी होर्डिंग लगायी है, जिसकी बनावट कुछ ऐसी है कि बारिश की बूंदें लकड़ी से बने हत्थे के एक सिरे पर बने बने कप में जमा होती है, और असंतुलित होकर खाली होने और होर्डिंग पर लगे तारों से टकराने पर संतूर पर मेघ मल्हार की ध्वनि गूंजने लगती है. वास्तव में तकनीक, प्रकृति और संगीत का एक अद्भुत समन्वय है यह, जिसे प्रख्यात शास्त्रीय संगीतज्ञ तौफीक कुरेशी और संतूर वादक शांतनु गोखले के निर्देशन में तैयार करवाया गया. यह जानना भी दिलचस्प है कि अपने फ्यूजन के लिए चर्चित तौफीक कुरेशी उस्ताद अल्लारखा खां के बेटे और उस्ताद जाकिर हुसैन के भाई हैं, लेकिन संगीत की शिक्षा इन्होंने घाटम के गुरु पं. विक्कू विनायक राम से प्राप्त की. निश्चय ही उनके इस अभिनव प्रयोग में घाटम के ज्ञान का अहम योगदान रहा होगा. 2, 250 वर्गफीट के इस विशाल होर्डिंग में 31 लकडी के हत्थे हैं, जिसके एक सिरे पर वर्षा की बूंदे सहेजने के लिए कप बने हैं, और इतनी ही संख्या में स्ट्रिंग्स हैं. आश्चर्य नहीं कि दुनिया के सबसे बड़े पर्यावरण अनुकूल होर्डिंग के रुप में इसे गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी शामिल किया गया है.

किस्सा राग दीपक और मेघ मल्हार का

वास्तव में 'ताजमहल चाय' को पता है कि वर्षा से चाय का संबंध भले ही नया हो, मेघ मल्हार का संबंध पुराना है. होती होगी मेघ मल्हार के गायन पर बारिश, आज भी कहीं भी, कभी भी मेघ मल्हार सुने तो बारिश का अहसास तो होने ही लगता है. कहते हैं तानसेन ने जब अकबर के अनुरोध पर राग दीपक गाया, और फिर अपने ही ताप से उसका बदन जलने लगा तो उसकी ही शिष्या ने मेघ मल्हार गाकर बारिश को आमंत्रित किया और उसका ताप शांत हुआ.

सिनेमा में राग मेघ मल्हार : घनन घनन घिर आए बदरा...

सिनेमा में राग मेघ मल्हार पर आधारित पहला गीत भी 1942 में बने 'तानसेन' का ही माना जाता है जिसे खेमचंद प्रकाश के संगीत निर्देशन में खुर्शीद ने गाया था, बरसो रे कारे बदरवा हिया में बरसो...

मेघ मल्हार वर्षा की अनुभूति कराने वाला राग है, फिल्मों में बारिश के आह्वान के लिए या फिर बारिश के दृश्यों को पूर्णता के लिए, या फिर बारिश के भाव के लिए मेघ मल्हार के प्रयोग होते रहे हैं. 1959 में बनी 'कवि कालिदास' में उनके मेघदूत पर आधारित गीत, अरे आषाढ के पहले बादल, ओ नभ के काजल...को संगीतकार एस एन त्रिपाठी ने मेघ मल्हार से सजाकर कालजयी बना दिया. 'दुख भरे दिन बीते रे भैया, अब सुख आयो रे, रंग जीवन में नया लायो रे...' मदर इंडिया में बारिश के साथ ग्रामीणों के जीवन में आए उम्मीदों को मेघ मल्हार ही निबद्ध कर सकता था. यह उम्मीद और आस का राग है. 'साहब बीबी और गुलाम' में छोटी बहू पति के इंतजार में बेचैन श्रृंगार कर रही है, मिलन की उम्मीद अभिव्यक्त होती है राग मेघ में पिया ऐसे जिया में समाय गयो रे कि मैं तन मन की सुध गंवा बैठी 'लगान' में ए आर रहमान की धुन पर आमिर खान गाते हैं, घनन घनन घिर आए बदरा, घने घन घोर कारे छाए बदरा और अंत में कहते हैं, दुविधा के दिन बीत गए, भैया मल्हार सुनाओ

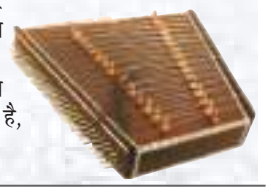

मेघ और मेघ मल्हार दोनों ही जीवन के प्रतीक हैं. ये जिस भी रुप में हमारे जीवन में दस्तक देते हैं, स्वागत है, परदे पर सही, होर्डिंग पर ही सही.

रोमांटिक चॉकलेटी हीरो शाहिद का वायलेंट अवतार

'कबीर सिंह' हो या 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' शाहिद कपूर की रोमांटिक फिल्मों के फैंस दीवाना हैं. इस साल वेलेंटाइन डे पर शाहिद कपूर और कृति सेनन के रोमांटिक अंदाज और उनकी शानदार केमेस्ट्री दर्शक को पसंद आई थी. वहीं अब आने वाले 2025 के वेलेंटाइन डे पर फैंस शाहिद कपूर को वायलेंट अवतार देखने को मिलेगा. जी हां एक धमाकेदार एक्शन थ्रिलर फिल्म 'देवा,' जिसमें शाहिद कपूर लीड रोल में हैं. अब तक की प्राप्त सूचना के मुताबिक यह फिल्म 14 फरवरी 2025 को रिलीज होगी. यह फिल्म ज़ी स्टूडियो और रॉय कपूर फिल्म्स लेकर आ रहे हैं.

शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर हाल ही में इस फिल्म का पोस्टर शेयर किया है. इस पोस्टर के शेयर करने के साथ ही शाहिद ने एक छोटा सा नोट भी लिखा है- 'एक हिंसक वैलेंटाइन डे के लिए तैयार हो जाइए... देवा, 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी !'

शाहिद के इस इस पोस्ट पर फैन्स के जमकर रिएक्शन दिया है. एक यूजर ने कहा क्या बात है, शाहिद नए अवतार में. वहीं एक अन्य यूजर ने कहा कि शाहिद तुम्हारे हर अंदाज का स्वागत. शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर ने कमेंट कर फायर इमोजी बनाई है.

नसीरुद्दीन शाह आज अपना 74वां जन्मदिन मना रहे हैं. 20 जुलाई 1950 को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में इस महान कलाकार का जन्म हुआ था. 'डर्टी पिक्चर', 'ज़िन्दगी न मिलेगी दोबारा', 'सरफ़रोश', 'मोहरा', 'मासूम', 'उमराव जान' ओ वेडनेसडे' जैसी तमाम अनगिनत शानदार फिल्मों में नसीरुद्दीन ने अपनी शानदार एक्टिंग का जलवा दिखाया है. पद्मभूषण और पद्मश्री से नवाजे जा चुके नसीरुद्दीन न केवल अपनी अदाकारी, बल्कि बेबाक अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं. लीक से हट कर जीने वाले इस एक्टर की जिंदगी रोचक किस्सों से पटी है.

किस्सों के शाह नसीरुद्दीन

जब रुठे पिता ने भेजा पैसा

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से ग्रैजुएशन करने के बाद उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में एडमिशन लिया. हालांकि, पिता नहीं चाहते थे कि वे फिल्मी दुनिया में आए. उनके पिता अली मोहम्मद शाह तहसीलदार हुआ करते थे. वे अपने बच्चों को पढ़ा-लिखाकर अफसर बनाना चाहते थे, लेकिन नसीरुद्दीन शाह का दिल पढ़ाई में लगता ही नहीं था. उनके पसंद की बस तीन चीजें थीं- क्रिकेट, थिएटर और फिल्में. स्कूल के दिनों में फिसड्डी थे और उनके पिता परीक्षा के नंबरों को लेकर परेशान रहा करते थे. उधर नसीरुद्दीन को दो और बड़े भाई थी जिनमें से एक आर्मी ऑफिसर बन चुके थे और दूसरा भाई इंजीनियर थे. जब नसीरुद्दीन ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में एडमिशन लिया तो पिता ने उनसे रिश्ता तोड़ लिया था. एडमिशन के दौरान उनके भाइयों ने थोड़ी-बहुत मदद की. लेकिन एक दिन 600 रुपये की उन्हें जरूरत पड़ी, तो उन्होंने पिता का खत लिखा. हालांकि उन्हें उम्मीद नहीं थी, पर पिता ने अगले ही दिन उन्हें पैसे भेज दिए. कुछ समय बाद पहली ही फिल्म के लिए उन्हें 1000 रुपये मिले. बेटे की इस सफलता को देख पिता भी खुश थे. हालांकि, बताया जाता है कि इसके कुछ समय बाद ही पिता का निधन हो गया.

बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार

नसीरुद्दीन की पहली फिल्म निशांत थी जो 1975 में आई थी. फिर 'मंथन', 'गोधूलि', 'भूमिका', 'जुनून' जैसी कई फिल्मों में अपनी अदाकारी से पहचान बनाई. 1980 में आई 'स्पर्श' फिल्म में नसीरुद्दीन ने शबाना आजमी के साथ दृष्टिहीन की भूमिका निभाई थी. फिल्म में दोनों किरदार स्पर्श मात्र से एक-दूसरे पर फिदा हो जाते हैं. इस फिल्म के लिए नसीरुद्दीन शाह को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया. 2006 में फिल्म 'इकबाल' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला.

इस बीमारी से हैं ग्रस्त

रिपोर्ट्स के मुताबिक नसीरुद्रदीन शाह ओनोमैटोमेनिया नामक मानसिक बीमारी से ग्रस्त हैं. इस बीमारी में व्यक्ति कुछ शब्दों या वाक्यों का बार-बार इस्तेमाल करता है. अगर व्यक्ति उस शब्द का इस्तेमाल नहीं कर पाता है तो उसे बैचेनी होने लगती है. जिसके कारण वह परेशान और निराश होने लगता है. इससे आगे जाकर चिंता, चिड़चिड़ापन और गुस्सा भी होने लगता है. यह रोग साहित्य और आर्ट से जुड़े पढ़ने- लिखने वाले लोगों को ज्यादा होने की आशंका होती है. इसमें व्यक्ति चुप नहीं होता बल्कि सोने के दौरान भी अपना पसंदीदा शब्द दोहराता रहता है.

जिंदगी में शामिल हुईं रत्ना

70 के दशक में रत्ना पाठक और नसीरुद्दीन शाह, दोनों नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में साथ पढ़े और एक दूसरे से आकर्षित हुए. प्रसिद्ध अदाकारा दीना पाठक की बेटी रत्ना ने नसीरुद्दीन शाह के साथ कई फिल्मों में काम किया. वे उस जमाने में कई साल तक लिव-इन रिलेशनशिप में भी रहे. तब मनारा से उनका तलाक नहीं हुआ था.

रत्ना के पिता थे नाराज

जब आज के दौर में सोनाक्षी-जहीर शादी के लिए ट्रोल हो सकते और उनके परिवार की नाराजगी की बात उठ सकती तो सोचिए उस दौर में क्या हुआ होगा. रत्ना के पिता शादी के खिलाफ थे. हालांकि उनकी शादी होने से पहले ही उनका निधन हो गया.

पिता के कब्र को कही यह बात

पिता के मौत से नसीरुद्दीन शाह इतने गमगीन हुए कि वे जनाजे में भी शामिल नहीं हुए. कुछ समय बाद नसीर पिता की कब्र के पास पहुंचे. उन्हें कुछ भी समझ नहीं आ रहा था. लोग बताते हैं कि घंटों तक नसीरुद्दीन वहां बैठा करते और दिल की वह सब बातें बयां कर देते जो अब तक दिल में ही कहीं छिपा रखी थी, पिता को कहना था, पर नहीं कह पाए थे.

15 साल बड़ी बीवी

उम्र में 15 साल बड़ी और बालबच्चेदार तलाकशुदा मनारा पर जब 19 साल के नसीरुद्दीन का दिल आया तो शादी के मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था. घरवालों की नाराजगी के विरुद्ध मनारा सीकरी से निकाह किया. मनारा, 'बालिका वधू' की दिवंगत एक्ट्रेस सुरेखा सीकरी की सौतेली बहन हैं. मनारा-नसीरुद्दीन की शादीशुदा जिंदगी में बेटी आई, जिसका नाम हीबा शाह है. कुछ समय बाद नसीरुद्दीन और मनारा के रिश्ते में खटास आई और वे दोनों अलग हो गए.

तलाक से पहले गुजर गईं मनारा

रत्ना से शादी करने के लिए नसीरुद्दीन ने पहली बीवी मनारा को तलाक देने की तैयारी शुरू की. इसके लिए उन्होंने जरूरी मेहर पूरी कर ली. रत्ना से 1982 में शादी की, लेकिन जिस साल नसीरुद्दीन ने रत्ना को हमसफर बनाया, उसी साल मनारी की अचानक मौत हो गई. नसीरुद्दीन और रत्ना के दो बेटे हैं विवान और इमाद, इनके साथ मनारा की बेटी हीबा भी रहती हैं.

नहीं डाला धर्म बदलने का दवाब

रत्ना पाठक ने एक इंटरव्यू में कहा था कि नसीरुद्दीन शाह के परिवार ने कभी भी उनके लिए कंवर्ट शब्द का इस्तेमाल तक नहीं किया और कभी धर्म परिवर्तन के लिए दबाव नहीं डाला. उन्होंने मुझे वैसे ही स्वीकार किया जैसे मैं हूं. उनका यह बयान लव जेहाद के इस मौसम में राहत की बयार की तरह है. रत्ना ने कई बार मीडिया के सामने स्वीकार किया कि नसीरुद्दीन के परिवार वालों ने कभी उन पर किसी तरह का दवाब नहीं डाला.

नागपुरी कॉमेडी खोटा सिक्का का उद्घाटन

मल्टीप्लेक्स में चलेगा नागपुरी का सिक्का

सिनेमा की एक जादुई दुनिया है जिसने आज की पीढ़ी को सर्वाधिक प्रभावित किया है. शिष्ट, सम्पन्न और विकसित समाज की पहुंच से आगे बढ़कर अब क्षेत्रीय स्तर पर भी सिनेमा निर्माण का उत्साह दिखलाई पड़ने लगा है. सामाजिक विषयों से आगे बढ़ते हुए अब क्षेत्रीय सिनेमा कॉमेडी जैसे विशिष्ट जॉनर में हाथ आजमाने लगी है. शुक्रवार, 19 जुलाई को राजधानी रांची में जे डी स्ट्रीट मॉल में नागपुरी कॉमेडी खोटा सिक्का का उद्घाटन हुआ. फिल्म के निर्देशक अनमोल खलखो ने बताया कि आज के समय में जब लोग अधिकतर तनावग्रस्त रहते हैं तब उनके लिए फिल्में अगर मनोरंजन के साथ-साथ तनाव मुक्ति का अवसर नहीं देती हैं, तो फिल्मों का कोई खास औचित्य नहीं रह जाता. इसलिए उन्होंने प्रयास किया है कि नागपुरी जैसे क्षेत्रीय भाषा नागपुरी में विशिष्ट रूप से कॉमेडी को दर्शकों के सामने परोसा जाए.

राकेश रमण

शुक्रवार, 19 जुलाई को राजधानी रांची में जे डी स्ट्रीट मॉल में नागपुरी कॉमेडी खोटा सिक्का का उद्घाटन हुआ. फिल्म देखने पहुंचे रांची के कला-संस्कृति से जुड़े लोग.

कम बजट में उच्चतर तकनीक

आज के समय में जब सिनेमा की तकनीक काफी उन्नत हो गई है, तब क्षेत्रीय स्तर पर सामान्यतः कम बजट की फिल्में बनती हैं. उनमें उच्च तकनीक का प्रयोग नहीं हो पाता. इसके बावजूद अनमोल ने यह खतरा मोल लिया है कि उच्चतर तकनीक का इस्तेमाल करके यह फिल्म लोगों के सामने लाएं.

यह है कहानी

यह फिल्म एक सिक्के की कहानी के पीछे घूमती है वह सिक्का जो वास्तव में सिक्का नहीं है, एक चमत्कारी सिक्का है या आप उसे अंधविश्वास का प्रतीक भी कह सकते हैं. उस सिक्के के पीछे पांच नायक और पांच नायिकाएं घूम रही हैं और इस प्रकार एक अनूठे परिस्थितिजन्य हास्य का सृजन होता है.

झारखंड में शूटिंग

इस फिल्म को पर्दे पर देखना वास्तव में एक अच्छा अनुभव होगा ऐसी आशा के साथ मैं अभी इस सिनेमा हॉल में पहुंचा हूं और सिनेमा देखने के बाद फिर हाजिर होऊंगा. बताता चलूं कि इसकी शूटिंग झारखण्ड में और कुछ गानों की छत्तीसगढ़ में भी हुई है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक में भारत : जब पदक के करीब पहुंच कर भारतीय खिलाड़ियों को मिली निराशा

चौथा स्थान...और पदक चूकने की टीस

भाषा। नयी दिल्ली

अक्सर कहा जाता है कि ओलंपिक में चौथा स्थान हासिल करना किसी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी निराशा होती है. किसी प्रतियोगिता में आखिरी स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को अगर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है, तो वहीं चौथे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को पदक चूकने की टिस रहती है. खेल के सबसे बड़े वैश्विक मंच पर भारतीय खिलाड़ी कई बार बेहद करीब से ओलंपिक पदक जीतने से चूक गये. इसकी शुरुआत 1956 मेलबर्न ओलंपिक में हुई थी और यह टोक्यो में हुए पिछले ओलंपिक तक जारी रहा.

मेलबर्न ओलंपिक : 1956

भारतीय फुटबॉल टीम ने क्वार्टर फाइनल में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई. इस मैच में ही नेविल डिसूजा ओलंपिक में हैट्रिक गोल करने वाले पहले एशियाई बने. नेविल ने सेमीफाइनल में यूगोस्लाविया के खिलाफ टीम को बढ़त दिला कर अपने प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश की लेकिन यूगोस्लाविया ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी करते हुए मुकाबले को अपने पक्ष में कर लिया. कांस्य पदक मुकाबले में भारत बुल्गारिया से 0-3 से हार गया. भारत के महान खिलाड़ी पीके बनर्जी अक्सर अपनी इस पीड़ा को साझा करते थे.

मास्को ओलंपिक : 1980

नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और ग्रेट ब्रिटेन जैसे शीर्ष हॉकी देशों ने अफगानिस्तान पर तत्कालीन सोवियत संघ के आक्रमण पर मास्को खेलों का बहिष्कार किया था, भारतीय महिला हॉकी टीम के पास अपने पहले प्रयास में ही पदक जीतने का बड़ा मौका था. टीम को हालांकि पदक से चूकने की निराशा का सामना करना पड़ा. टीम अपने आखिरी मैच में सोवियत संघ से 1-3 से हारकर चौथे स्थान पर रही.

टोक्यो ओलंपिक : 2020

मास्को खेलों के चार दशक के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम को एक बार फिर करीब से पदक चूकने का दंश झेलना पड़ा. भारतीय टीम तीन बार की ओलंपिक चैम्पियन ऑस्टेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची लेकिन उसे अंतिम चार मैच में अर्जेंटीना से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा. रानी रामपाल की अगुवाई वाली टीम को इसके बार कांस्य पदक मैच में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ 3-2 की बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी और 3-4 से हार गयी. इसी ओलंपिक में अदिति अशोक ऐतिहासिक पदक जीतने से चूक गयी. विश्व रैंकिंग में 200 वें स्थान पर काबिल इस खिलाड़ी ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को टक्कर दी, लेकिन बेहद मामूली अंतर से पदक नहीं जीत सकी.

रियो ओलंपिक : 2016 में दीपा करमाकार

दीपा करमाकर ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली भारतीय महिला जिमनास्ट बनीं. महिलाओं की वॉल्ट स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने के बाद, वह महज 0.150 अंकों से कांस्य पदक से चूक गईं. उन्होंने 15.066 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल किया. इसी ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा का शानदार करियर एक परीकथा जैसे समापन की ओर बढ़ रहा था, लेकिन वह भी मामूली अंतर से पदक जीतने से चूक गये. बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाले बिंद्रा कांस्य पदक से मामूली अंतर से पिछड़ गये. बोपन्ना को 2004 के बाद एक बार फिर से ओलंपिक पदक जीतने से दूर रहने की निराशा का सामना करना पड़ा जब उनकी और सानिया मिर्जा की भारतीय मिश्रित युगल टेनिस जोड़ी को सेमीफाइनल और फिर कांस्य पदक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा. इस जोड़ी को कांस्य पदक मैच में लुसी ह्रादेका और रादेक स्तेपानेक से हार का सामना करना पड़ा था.

लंदन ओलंपिक : 2012 में जॉयदीप करमाकर

निशानेबाज जॉयदीप करमाकर ने इस सत्र में कांस्य पदक विजेता से एक स्थान पीछे रहने के निराशा का अनुभव किया. करमाकर पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहे थे और फाइनल में वह कांस्य पदक विजेता से सिर्फ 1.9 अंक पीछे रहे.

इससे पहले सेमीफाइनल में निकोलस किफर और रेनर शटलर की जर्मनी की जोड़ी से सीधे सेटों में 2-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा था. इन खेलों में कुंजारानी देवी महिलाओं की 48 किग्रा भारोत्तोलन प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन वह वास्तव में पदक की दौड़ में नहीं थीं. वह क्लीन एवं जर्क वर्ग में 112.5 किग्रा वजन उठाने के अपने अंतिम प्रयास में अयोग्य घोषित कर दी गईं. कुंजारानी 190 किग्रा के कुल प्रयास के साथ कांस्य पदक विजेता थाईलैंड की एरी विराथावोर्न से 10 किग्रा पीछे रही.

रोम ओलंपिक : 1960 में मिल्खा सिंह

महान मिल्खा सिंह 400 मीटर फाइनल में पदक के दावेदार थे लेकिन वह सेकंड के 10वें हिस्से से कांस्य पदक जीतने से चूक गये. विभाजन के बाद अपने माता-पिता को खोने के बाद इसे उनकी सबसे बुरी याद के रूप में याद किया जाएगा. इस हार के बाद फ्लाइंग सिख ने खेल लगभग छोड़ ही दिया था. उन्होंने इसके बाद 1962 के एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीते लेकिन ओलंपिक पदक चूकने की टिस हमेशा बरकरार रही.

एथेंस ओलंपिक : 2004

दिग्गज लिएंडर पेस और महेश भूपति की टेनिस में भारत की संभवतः सबसे महान युगल जोड़ी एथेंस खेलों में पुरुष युगल में पोडियम पर पहुंचने से चूक गई. पेस और भूपति क्रोएशिया के मारियो एनसिक और इवान ल्युबिसिक से मैराथन मैच में 6-7, 6-4, 14-16 से हारकर कांस्य पदक से चूक गए और चौथे स्थान पर रहे. इस जोड़ी को

लॉस एंजेलिस ओलंपिक : 1984 में पीटी उषा

लॉस एंजेलिस ओलंपिक ने मिल्खा की रोम ओलंपिक की यादें फिर से ताजा कर दीं, जब पीटी उषा 400 मीटर बाधा दौड़ में सेकंड के 100वें हिस्से से कांस्य पदक से चूक गईं. जिससे यह किसी भी प्रतियोगिता में किसी भारतीय एथलीट के लिए अब तक की सबसे करीबी चूक बन गई. पय्योली एक्सप्रेस के नाम से मशहूर उषा रोमानिया की क्रिस्टीना कोजोकारू के बाद चौथे स्थान पर रहीं. वह हालांकि अपनी इस साहसिक प्रयास के बाद घरेलू नाम बन गयी.

सही घोड़े के बिना, आप कुछ भी नहीं हैं : अनुष अग्रवाल

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में चुनौती पेश करने को तैयार घुड़सवार अनुष अग्रवाल को यह समझने में देर नहीं लगती कि उनका घोड़ा 'सर कारमेलो' घबराया हुआ, उत्साहित या खुश महसूस कर रहा है. अग्रवाल ने कहा कि कोई रिश्ता सद्भाव और विश्वास पर बना है तो भाषा कोई बाधा नहीं है. 24 साल के अग्रवाल 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत ड्रेसेज स्पर्धा में क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय घुड़सवार हैं. वह ओलंपिक में परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता किये बिना अपने खेल को सुधारने पर ध्यान दे रहे हैं. अग्रवाल 'सर कारमेलो' के साथ इस स्पर्धा का लुत्फ उठाना चाहते हैं. दोनों के बीच ऐसा बंधन है कि अग्रवाल खुद की देखभाल से ज्यादा अपने घोड़े की देखभाल करना पसंद करते हैं. अग्रवाल ने जर्मनी से पीटीआई-भाषा को बताया, घोड़ों के बिना, हम कुछ भी नहीं हैं. बेशक, आपको एक अच्छा सवार बनने की ज़रूरत है. आपके पास एक अच्छा कोच होना चाहिए. लेकिन सही घोड़े के बिना, आप कुछ भी नहीं हैं. अग्रवाल 17 साल की उम्र में जर्मनी के पैडरबोर्न गये थे. उन्होंने शौकिया तौर पर घुड़सवारी शुरू की जो जल्द ही जुनून में बदल गया. कड़ी मेहनत और उचित मार्गदर्शन के साथ वह 2023 एशियाई खेलों में दो पदक जीतने में सफल रहे.

ओलंपिक में खेलेगी इजराइली फुटबॉल टीम

ज्यूरिख। फीफा ने इजराइल को अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से प्रतिबंधित करने के फलस्तीन के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया है, जिससे इजराइल फुटबॉल टीम पेरिस ओलंपिक में खेल सकेगी. दो महीने पहले फलस्तीन के प्रस्ताव पर निष्पक्ष कानूनी आकलन की घोषणा के बाद फीफा को आमसभा की असाधारण बैठक में शनिवार को इस पर फैसला लेना था. यह फैसला ओलंपिक की फुटबॉल स्पर्धा शुरू होने से चार दिन पहले आता जिसमें इजराइल को जापान, माली और पराग्वे के साथ एक ग्रुप में रखा गया है. फीफा ने कहा कि प्रक्रिया पूरी करने में अभी और समय लगेगा यानी फैसला अब ओलंपिक के बाद आयेगा. फीफा ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपना अपना पक्ष रखने के लिए समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है.

सुखजीत को ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद

- 28 साल के खिलाड़ी का यह पहला ओलंपिक

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय हॉकी खिलाड़ी सुखजीत सिंह का दाहिना पैर पीठ की चोट के कारण अस्थायी रूप से लकवाग्रस्त हो गया था, लेकिन पंजाब का यह खिलाड़ी छह साल पहले की निराशा को पीछे छोड़कर 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक में टीम के लिए दमदार प्रदर्शन करने को लेकर प्रतिबद्ध है. इस 28 साल के खिलाड़ी का यह पहला ओलंपिक है. भारत के लिए 2022 में पदार्पण करने वाले अग्रिम पंक्ति के इस खिलाड़ी ने कहा, ओलंपिक में खेलना हमेशा से मेरे और मेरे परिवार के लिए एक सपना रहा है. यह किसी भी खिलाड़ी के करियर का शिखर है और मैं इस अवसर को पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं. मुझे विश्वास है कि मेरी कड़ी मेहनत और समर्पण सफल होगी. प्रतिबद्धता के साथ पूरा करने के साथ पेरिस में सब कुछ झोंक दूंगा.

ब्रीफ खबरें

स्क्वाश में भारत की जीत के साथ शुरुआत

ह्यूस्टन। भारत ने विश्व जूनियर स्क्वाश चैम्पियनशिप में जीत के साथ शुरुआत की जब लड़के और लड़कियों की टीम ने अपने-अपने मुकाबले अच्छे अंतर से जीते. लड़कों ने कुवैत को ग्रुप एफ के मुकाबले में 3-0 से हराया जबकि राष्ट्रीय चैंपियन अनाहत सिंह की अगुवाई में लड़कियों ने ग्रुप डी में चीनी ताइपै को इसी अंतर से मात दी.

गोवा चैलेंजर्स के सामने जयपुर की चुनौती

चेन्नई। गत चैंपियन गोवा चैलेंजर्स 22 अगस्त से सात सितंबर तक यहां होने वाले अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के शुरुआती मैच में नयी टीम जयपुर पैट्रियट्स का सामना करेगा. इस फ्रेंचाइजी-आधारित लीग में दो नयी टीमें जुड़ी हैं. आठ टीमों के इस लीग के सभी 23 मैच यहां के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले जायेंगे.

2047 में खेलों में भी शीर्ष पांच में रहने का लक्ष्य : मांडविया

भाषा। नयी दिल्ली

नये भारत के निर्माण में खेलों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि 2047 में आजादी की सौवीं सालगिरह पर भारत का खेलों में भी शीर्ष पांच में रहने का लक्ष्य रहेगा. खेलमंत्री ने कहा, पिछले दस साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है और आजादी की सौंवी सालगिरह पर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है. नवनिर्माण के इस रोडमैप का हिस्सा खेल भी है और जब हम विकसित राष्ट्र होंगे तो खेलों में भी शीर्ष पांच में रहेंगे.

उन्होंने कहा, भारत विविधताओं का देश है और यहां खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है. प्रतिभा को तलाशकर उसे इको सिस्टम में लाने और मौके देने की जरूरत भर है.

100 दिन में एक लाख खिलाड़ियों की होगी पहचान

नयी दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कीर्ति परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत की, जिसका लक्ष्य 100 दिन के अंदर एक लाख युवा खिलाड़ियों की पहचान करना है. खेल मंत्री का मानना है कि खेलो इंडिया उदीयमान प्रतिभा पहचान (कीर्ति) भारत को 2047 तक ओलंपिक खेलों में शीर्ष पांच देशों में शामिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा.

नौरी को हराकर नडाल नॉर्डिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बस्ताड (स्वीडन)। रफेल नडाल ने पांचवीं वरीयता प्राप्त कैमरन नौरी को 6-4, 6-4 से हराकर नॉर्डिया ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. दूसरे सेट के पहले गेम में नडाल गिर गए और खून बहने लगा, जिससे उन्हें मेडिकल सहायता की जरूरत पड़ी. उन्होंने मैच के आखिरी पांच गेम जीतकर जनवरी के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. नडाल ने 2005 में 19 वर्ष की उम्र में यहां खिताब जीता था, जिसके बाद वह पहली बार यहां खेल रहे हैं. वह पेरिस में रोलां गैरो पर ओलंपिक में खेलने की तैयारी में हैं. उन्होंने पहले दौर में स्वीडन के महान खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग को हराया. 38 वर्ष के नडाल ने विंबलडन में भाग नहीं लिया था. वह पिछले डेढ साल से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं.

दिल्ली मैराथन के लिए पंजीकरण शुरू

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली में 20 अक्टूबर को आयोजित होने वाली वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन के लिए शुक्रवार को पंजीकरण शुरू हो गया. विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस की मान्यता प्राप्त इस आयोजन में कुल इनामी राशि 260,000 डॉलर (लगभग 2.17 करोड़ रुपये) है, जिसमें दुनिया भर के लंबी दूरी की सर्वश्रेष्ठ धावकों के साथ शौकिया दौड़ने वाले लोगों को भी भाग लेने का मौका मिलेगा.

मुख्य हाफ मैराथन रेस के साथ शौकिया दौड़ने वाले लोग इसमें ओपन 10के (दस किलोमीटर की दौड़), ग्रेट दिल्ली रन (4.5 किमी), सीनियर सिटिजन रन (2.5 किमी), और चैंपियंस विद डिसेबिलिटी रन (2.5 किमी) श्रेणियों में भाग लेने के लिए 30 सितंबर तक पंजीकरण करा सकते हैं. ओपन 10के के अलावा सभी दौड़ यहां के जवाहरलाल स्टेडियम से शुरू होकर इसी स्थल पर खत्म होंगी. ओपन 10के रेस संसद मार्ग से शुरू होकर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खत्म होगा. शारीरिक तौर पर इस दौड़ में शामिल होने के साथ प्रतिभागी ऑनलाइन तरीके के साथ भी इस रेस में शामिल हो सकते है.

ऑनलाइन रेस के लिए पंजीकरण 11 अक्टूबर तक किया जा सकता है. रेस के आयोजक प्रोकैम इंडिया के संयुक्त महानिदेशक विवेक सिंह ने कहा कि इस बार दौड़ में अधिक महिलाओं को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है. उन्होंने गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में कहा, इस आयोजन में अधिक महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सीमित संख्या में स्थान आरक्षित किए गए हैं. इस मौके पर 2023 एशियाई खेलों में लंबी कूद में रजत पदक जीतने वाली एन्सी सोजन एडाप्पिली भी मौजूद थी.

महिला क्रिकेट एशिया कप : नेपाल ने यूएई को छह विकेट से हराया

दांबुला। सलामी बल्लेबाज समझाना खड़का के नाबाद अर्धशतक और तेज गेंदबाज इंदु बर्मा के तीन विकेट की मदद से नेपाल ने शुक्रवार को यहां महिला टी20 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 23 गेंद शेष रहते हुए छह विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की. खड़का ने 45 गेंद पर नाबाद 71 रन बनाए, जिसमें 11 चौके शामिल हैं. उनकी इस पारी की मदद से नेपाल ने 116 रन का लक्ष्य 16.1 ओवर में हासिल कर दिया. नेपाल ने 4 विकेट पर 118 रन बनाए. अमीरात की टीम इससे पहले 8 विकेट पर 115 रन ही बना पाई थी. उसकी तरफ से खुशी शर्मा ने 36 और कविशा एगोडेज ने 22 रन का योगदान दिया. बर्मा नेपाल की सबसे सफल गेंदबाज रही. उन्होंने 19 देकर तीन विकेट लिए.

पर्सनल लाइफ खेल के मैदान में स्टार खिलाड़ी, निजी जीवन में झेलते हैं कई जख्म, खेल पर भी पड़ता है असर

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर, जिन्होंने झेला है तलाक का दर्द

एजेंसी। मुंबई

स्टार क्रिकेटर हार्दिक पंड्या ने आखिरकार नताशा स्टानकोविच से अलग होने का फैसला कर ही लिया. हार्दिक ने खुद अपने तलाक की जानकारी सोशल मीडिया पर दी. हार्दिक ने कहा कि ये फैसला उनके लिए आसान नहीं था. इस तलाक के साथ उन्होंने अपने बेटे को भी गंवा दिया है. उनका बेटा अगस्त्या मां नताशा के साथ सर्बिया चला गया है. टीम इंडिया के क्रिकटर में हार्दिक पहले खिलाड़ी नहीं हैं, जिनका तलाक हुआ है. पंड्या से पहले भी कुछ ऐसे क्रिकेटर रहे, जो तलाक के इस दर्द को झेल चुके हैं.

शिखर धवन : कभी रोहित शर्मा के ओपनिंग जोड़ीदार रहे शिखर धवन तलाक का दर्द झेल चुके हैं. उन्होंने 2009 में आयशा मुखर्जी से मेलबर्न में सगाई की और फिर उन्होंने 2012 में शादी कर ली थी. दोनों को एक बेटा भी है. दोनों 11 साल तक शादी के बंधन में बंधे रहे. हालांकि, दोनों के बीच रिश्ते में दरार पड़ी और 2023 में धवन ने मानसिक प्रताड़ना के आधार पर आयशा से तलाक ले लिया. आयशा और उनका बेटा जोरावर ऑस्ट्रेलिया के नागरिक हैं और वहीं रहते हैं. दिल्ली की कोर्ट ने 2023 ने अपने फैसले में कहा था कि आयशा ने धवन को सालों तक उनके इकलौते बेटे से अलग रहने के लिए मजबूर किया और मानसिक कष्ट दिया.

दिनेश कार्तिक : दिनेश कार्तिक ने 21 की उम्र में 2007 में अपनी बचपन की दोस्त निकिता बंजारा से शादी की थी. उन्होंने इस शादी के लिए काफी समय लिया था और खूब प्लानिंग की थी. दोनों के परिवार के बीच काफी समय से घरेलू संबंध भी थे, लेकिन उनकी शादी केवल 5 साल तक ही टिक सकी. 2012 में कार्तिक की पत्नी शादी में होते हुए उनके साथी क्रिकेटर मुरली विजय के साथ रिश्ते में आ गई थीं. ये जानकर कार्तिक को बहुत बड़ा धक्का लगा था. इसके बाद उन्होंने तलाक ले लिया था. बाद में कार्तिक ने 2015 में स्क्वॉश खिलाड़ी दीपिका पल्लिकल से शादी कर ली थी.

मोहम्मद शमी : भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 2014 में हसीन जहां से शादी की थी. दोनों की पहली मुलाकात आईपीएल के दौरान हुई थी. तब हसीन जहां कोलकाता नाइट राइडर्स की चीयर लीडर हुआ करती थीं. 4 साल तक शादी के बंधन में रहने के बाद हसीन जहां 2018 में शमी पर सरेआम शादी के बाहर दूसरी लड़कियों से अफेयर और घरेलू हिंसा के आरोप लगाए थे. तब से दोनों अलग रहते हैं. हालांकि, दोनों का अभी तक मामला कोर्ट में ही अटका हुआ है. शमी की एक बेटी भी है, जो हसीन जहां के साथ रहती है. हाल ही उन्होंने अपनी बेटी को बर्थ डे विश भी किया था.

मोहम्मद अजहरुद्दीन : भारतीय टीम के कप्तान रह चुके मोहम्मद अजहरुद्दीन एक नहीं बल्कि दो बार तलाक ले चुके हैं. उन्होंने 1996 में अपनी पहली पत्नी नौरीन से तलाक लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस संगीता बिजलानी से शादी की थी. इसके कुछ साल बाद उन्होंने संगीता बिजलानी को भी तलाक दे दिया और बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा से शादी की.

विनोद कांबली : भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली ने 1998 में अपनी बचपन की दोस्त नोएला लुईस से शादी की थी. उन पर शादी के दौरान अपनी पत्नी के साथ मारपीट और प्रताड़ना के आरोप लगे थे. उन्होंने पत्नी से तलाक ले लिया था.

जवागल श्रीनाथ : जवागल श्रीनाथ भारत के तेज गेंदबाज रहे हैं. फिलहाल, वो आईसीसी के लिए मैच रेफरी का काम करते हैं. 1999 में उन्होंने ज्योसना से शादी की थी, लेकिन 8 सालों के बाद 2007 में तलाक ले लिया था. इसके एक साल बाद ही उन्होंने जर्नलिस्ट माधवी पत्रवली से शादी कर ली थी.

महिला टीम जल्द ही आईसीसी ट्रॉफी जीतेगी : स्नेह राणा

भाषा। मुंबई

स्पिन आल राउंडर स्नेह राणा का कहना है कि रोहित शर्मा एंड कंपनी के हाल में टी20 विश्व कप ट्राफी जीतने से भारतीय महिला टीम को भरोसा मिला है कि वे अपनी पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने की मुहिम जारी रखेंगे. भारतीय टीम शुक्रवार से श्रीलंका में शुरू हो रहे महिला एशिया कप में फिर खिताब बरकरार रखने की दावेदार है और टीम की असली परीक्षा अक्टूबर में टी20 विश्व कप और अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में होगी. स्नेह राणा ने शुक्रवार को पीटीआई से कहा, अगर आप पिछले दो-तीन साल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन देखो तो टीम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही है. आईसीसी ट्राफी जीतने की बात करें तो पुरुष टीम का उदाहरण देखिये, उन्हें ट्रॉफी जीतने में लगभग 10 साल लगे. वे लंबे समय से मेहनत और तैयारी कर रहे थे. स्नेह राणा ने कहा, कुछ बड़ा हासिल करना है तो यह रातोंरात नहीं होगा. इसमें समय लगेगा. इसके लिए काफी संघर्ष और बलिदान लगेगा, लेकिन अंत में हम ऐसा करेंगे. क्षेत्ररक्षण टीम के लिए चिंता का विषय रहा है लेकिन उनका कहना है कि इसमें सुधार करने के लिए जज्बे में कोई कमी नहीं हुई है. जब हम इतने मैच खेलते हैं तो गलतियों का काफी अधिक मौका होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई खिलाड़ी इसमें खराब है, जब आप मैदान पर होते हो तो सर्वश्रेष्ठ करना चाहते हो.

ब्रीफ खबरें

78 किलो गांजा समेत दो तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी 71वीं वाहिनी के जवानों और महुआवा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 78 किलो गांजा की खेप के साथ दो तस्कर गिरफ्तार किये गये. शुक्रवार को इसकी जानकारी देते एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि कुछ तस्कर नेपाल की ओर से गांजा की खेप लेकर आने वाले है,सूचना के आलोक में भारतीय सीमा में एसएसबी के जवान व महुआवा पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चौकसी बढ़ायी गयी.

बाइक सवार ने किसान को कुचल डाला, मौत

बेगूसराय । बेगूसराय में लगातार रफ्तार का कहर देखने को मिल रहा है. ताजा मामला परिहारा थाना क्षेत्र के सांखू गांव के पास का है. जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार युवक ने एक किसान को कुचल दिया. इस हादसे में किसान की दर्दनाक मौत हो गई. इस घटना की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया. मृतक किसान की पहचान सांखू गांव निवासी लक्ष्मी शाह के रूप में की गई है. परिजनों ने बताया कि मृतक किसान लक्ष्मी शाह घर से निकलकर अपने डेरा पर जा रहे थे. तभी सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार युवक ने उन्हें कुचल दिया.

तस्कर ने पुलिस गाड़ी से लगाई छलांग, मौत

अररिया । जिले के कुंआरी चेकपोस्ट पर बीती रात करीबन डेढ़ बजे उत्पाद विभाग की ओर से चेकिंग की जा रही थी. इसी क्रम में बाइक पर सवार फारबिसगंज के दो युवकों को उत्पाद विभाग की टीम ने नेपाली शराब के साथ पकड़ा. पकड़े गए दोनों युवकों के साथ जब्त शराब को लेकर उत्पाद विभाग की टीम अररिया जा रही थी कि इसी क्रम में कुंआरी थाना अंतर्गत धड़ीपार के पास चलती गाड़ी से दोनों युवकों ने छलांग लगा दी, जिसमें दोनों युवक गंभीर तरह जख्मी हो गए. उत्पाद टीम दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्साकांटा ले गयी, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने पवन कुमार को मृत घोषित कर दिया.

राज्य कैबिनेट की बैठक में 27 अहम प्रस्तावों को दी गयी मंजूरी

अब रिन्यूअल नीति की बाध्यता खत्म भागलपुर में खुलेगा केंद्रीय विवि

संवाददाता ।पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 27 प्रस्तावों को हरी झंडी मिली. डबल इंजन सरकार ने भवन निर्माण, पंचायती राज, वित्त विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, वाणिज्य कर विभाग, परिवहन विभाग, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, जल संसाधन विभाग, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, कृषि विभाग, खेल विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, भवन निर्माण विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, सूचना एवं जन संपर्क, अल्पसंख्यक कल्याण और शिक्षा विभाग से जुड़े अहम प्रस्तावों पर स्वीकृति दी.

कैबिनेट की बैठक के बाद अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने बताया कि पंचायतों में अब 15 लाख रुपये से कम की योजनाओं का भी टेंडर होगा. राज्य सरकार ने पंचायत

नीतीश कैबिनेट में 27 एजेंडों पर लगी मुहर

स्वीकृति दी है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगाया गया है. सरकार के इस कदम से अब अब मुखिया और पंचायत सचिवों की मनमानी नहीं चलेगी.

एस सिद्धार्थ ने बताया कि नियमावली में अब यह प्रावधान है, जिससे मुखिया और पंचायत सचिवों की मनमानी पर रोक लगेगी. छोटे बनेगा. उसकी बिड लगेगी और बोली में ही चयनित व्यक्ति को वह काम दिया जाएगा. एस सिद्धार्थ ने बताया कि राज्य के सभी 38 जिलों में जिला परिषद की जमीन को लीज पर देने के लिए भी सरकार ने अब नीति बना दी है. 30 से 50 साल यानी लांग टर्म नीति के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेनी होगी.

उन्होंने बताया कि खेती-किसानी के लिए भी लीज बाजार मूल्य पर देना होगा जो अधिकतम पांच साल का होगा. अपर मुख्य सचिव ने बताया कि अब गया और मोतिहारी के बाद भागलपुर के बिक्रमशिला में राज्य के तीसरे केंद्रीय विश्वविद्यालय खुलने का भी रास्ता साफ हो गया है. सरकार ने 205 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने के लिए 87.99 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है. बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति 2024 की भी स्वीकृति मंत्रिमंडल ने दे दी है. शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए नीतीश सरकार ने एक नई योजना मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना को भी कैबिनेट में मंजूरी दे दी है.

खास बातें

- 205 एकड़ जमीन अधिग्रहण के लिए 87 .99 करोड़ की मंजूरी
- पंचायतों में 15 लाख से कम की योजनाओं का भी टेंडर होगा

नकली शराब फैक्ट्री का पुलिस ने किया भंडाफोड़

बांका । जिले के बाराहाट प्रभारी थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली की परघड़ी गांव में नकली शराब फैक्ट्री संचालित किया जा रहा है. सूचना मिलते ही बाराहाट थाना प्रभारी राजू ठाकुर ने इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को दी और तुरंत ही एक टीम गठित कर प्रभारी थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ परघड़ी गांव पहुंचकर छापेमारी की. इस दौरान मंटू साह के दो मंजिला इमारत में शराब बनाने के रासायनिक घोल, कई नामी कंपनियों के रैपर्स, खाली बोतल, बोतल के ढक्कन, बोतल को सील करने वाली मशीन आदि बरामद की गई. जैसे ही पुलिस की कार्रवाई आरंभ हुई और पुलिस को शराब बनाने के साक्ष्य मिलने पर खबर आग की तरह फ़ैल गई और पूरे आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया.

एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

मनी लांड्रिंग मामले

संवाददाता ।पटना

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की टीम ने विवादों में रही एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर रेड की है. मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत पर प्रवर्तन निदेशालय की टीमें एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर शुक्रवार की सुबह-सुबह दबिश दी है. पटना के अलावा दिल्ली में भी कंपनी के ठिकानों पर रेड चल रही है. कंपनी के क्षेत्रीय कार्यालय समेत प्रोजेक्ट कार्यालयों में भी छापेमारी चल रही हैं. भागलपुर के सुल्तानगंज में अगुआनी पुल हादसे के बाद एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी चर्चा में आई थी. अगुआनी घाट पर निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा तास के पत्तों की तरह भर-भराकर गिर गया था और कई पाया गंगा में समा गए थे. इस घटना को लेकर खूब हंगामा हुआ था. अगुवानी पुल का निर्माण कर रही एसपी सिंगला कंपनी के ऊपर की गंभीर आरोप भी लगे थे. उस समय बिहार में विपक्ष में रही भाजपा ने सरकार और तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव पर पुल के टेंडर में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया था. मामला हाई कोर्ट तक पहुंचा था और हाई कोर्ट ने एसपी सिंगला को आदेश दिया था कि पुल के गिरे हिस्से का निर्माण वह अपने खर्च पर करे.

निजी स्कूल के लैब में केमिकल रिएक्शन

आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल

संवाददाता ।मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर के गायघाट थाना क्षेत्र के मईठी स्थित एक निजी शैक्षणिक संस्थान एमएल दास एकेडमी में उस वक्त अफरा तफरी का माहौल हो गया. जब साइंस लैब में कैमिकल रिएक्शन से करीब आधे दर्जन बच्चे जख्मी हो गए. सभी सातों घायल बच्चे वर्ग आठवीं के छात्र है. दरअसल आठवीं कक्षा के बारह छात्र छात्राओं की टीम विज्ञान के शिक्षक भरत कुमार के नेतृत्व में साइंस लैब में कैमिकल रिएक्ट कर ट्रैफिक लाइट प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे. इसी दौरान हाइड्रोक्लोरिक एसिड के किसी अन्य कैमिकल से रिएक्शन होने पर कैमिकल रखा बोतल ब्लास्ट कर गया. जिससे वहां मौजूद शिक्षक व छात्र घायल हो गए. घायलों में ऋषि नंदन कुमार चौधरी, आयुष राज, शिवम, आशुतोष, आयुष, नीतू, आदर्श व शिक्षक भरत कुमार है. ऋषि नंदन गंभीर रूप से घायल है, त्वचा पूरी तरह से झुलस चुकी है. आंख में कैमिकल पड़ने से उसका आंख नीला हो गया. वह एक आंख से देख नहीं पा रहा है.

बेतिया में फिलिस्तीनी झंडा लहराने का मामला

पुलिस ने नौ नामजद समेत 100 लोगों पर केस किया, तीन धराया

संवाददाता ।बेतिया

बेतिया में बुधवार को मुहर्रम जुलूस के दौरान फिलिस्तीनी झंडा लहराने और नारे लगाने का सोशल मीडिया पर वीडियो तथा वायरल हुए थे. इस मामले में पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए एफआईआर दर्ज की है. वहीं, मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है.

पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर छापामारी कर पूर्व पार्षद सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. जबकि दो अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद छोड़ दिया है. प्रशिक्षु डीएसपी डॉ. सपना रानी ने बताया कि अखाड़ा मुहर्रम पर्व के

अवसर पर जुलूस के लाइसेंस धारक पूर्व पार्षद वकील मियां, डीजे संचालक दिलीप और जामा मस्जिद रोड निवासी मोहम्मद शहनवाज गिरफ्तार किया गया है. तीनों से पूछताछ की जा रही है. उन्होंने बताया कि मुहर्रम जुलूस के दौरान फिलिस्तीनी झंडा लहराए जाने की सूचना के साथ ही उसका वीडियो क्लिप सामने आया था, जिसकी जांच-पड़ताल की गई है.

ट्रक ने बाइक सवार दो को रौंदा, एक की मौत

बेतिया । बेतिया छावनी के पास ट्रक से दबकर बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई है वहीं दूसरा गंभीर रुप से घायल बताया जा रहा है. गंभीर रूप से घायल युवक को जीएचसीएच में भर्ती कराया गया है. इस घटना से लोगों में काफी आक्रोश है. गुस्साए लोगों ने सड़क पर बवाल और आगजनी कर रहे हैं. तक की पहचान बानूछापर हाजमा टोला वार्ड 27 के निवासी रामायण साह के 19 वर्षीय बेटे आर्यन कुमार के रूप में हुई है. दूसरे व्यक्ति जो गंभीर रूप से घायल हैं उनकी पहचान गुलफाम अंसारी के रूप में हुई है जो पलंबर का काम करते हैं. मृतक आर्यन कुमार पलंबर मिस्त्री गुलफाम अंसारी को छोड़ने छावनी जा रहा था. छावनी में रेलवे गुमटी बंद होने के कारण ओवरब्रिज के नीचे खड़ा था, तभी खड़ी ट्रक अचानक ढुल गई और बाइक उसकी चपेट में आ गई.

बदमाश बेखौफ मामला मधुबनी जिले के बेनीपट्टी अनुमंडल का

मधुबनी में ग्रामीण चिकित्सक की हत्या

संवाददाता ।मधुबनी

मधुबनी में बेखौफ बदमाशों ने एक ग्रामीण चिकित्सक की गोली मारकर हत्या कर दी है. घटना गुरुवार देर रात की है. यह पूरा मामला मधुबनी जिले के बेनीपट्टी अनुमंडल का है. मृतक की पहचान 28 वर्षीय ग्रामीण चिकित्सक सुनील झा के रूप में की गई है. हालांकि गोली लगने के बाद ग्रामीणों ने बेनीपट्टी अस्पताल में भर्ती कराया था. यहां से डॉक्टरों ने डीएमसीएच रेफर कर दिया था.

दरभंगा में इलाज के दौरान रात में ही दो से ढाई बजे के बीच ग्रामीण चिकित्सक की मौत हो गई. मौत के बाद डॉक्टर के शव का डीएमसीएच में ही पोस्टमार्टम किया गया. बताया जा रहा है कि

गुरुवार की रात करीब 10 बजे मलहामोड़-उच्चैठ मुख्य पथ के बीच से जगत गांव जाने वाली सुनसान सड़क पर अज्ञात बदमाशों ने गुरुवार की देर रात इस घटना को अंजाम दिया है. गोली लगने के बाद ग्रामीण चिकित्सक सुनील झा घायल हो गए. उनके मस्तक में गोली लगी थी. घटनास्थल से एक अपाची बाइक और एक जिंदा गोली पुलिस को मिली है. घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की. एफएसएल की टीम ने साक्ष्य को जुटाया. बता दें कि हाल ही में दरभंगा में वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की हत्या हुई थी. इसके बाद लॉ एंड ऑर्डर को लेकर सवाल उठने शुरू हो गए. लगातार तेजस्वी यादव हमलावर हैं.

इस पूरे मामले में बेनीपट्टी के प्रभारी डीएसपी जयनगर के सीडीपीओ विप्लव कुमार ने कहा कि गुरुवार की रात एक ग्रामीण ग्रामीण चिकित्सक को गोली मार दी गई थी जिससे मौत हो गई. पोस्टमार्टम के बाद परिजन को शव सौंप दिया गया है. इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है. एफएसएल सहित पुलिस की टीम अनुसंधान कर रही है.

मिड डे मील में मिली छिपकली, 14 बीमार

नालंदा । नालंदा के रहुई थाना क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र देकपुरा में मिड डे मील (एमडीएम) खाने से 14 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई. खाने में छिपकली गिरी हुई थी. अचानक इतनी संख्या में एक साथ बच्चों के बीमार होने से गांव में हड़कंप मच गया. ग्रामीणों ने ही सभी बच्चों को इलाज के लिए रहुई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया. बताया जाता है कि आंगनबाड़ी केंद्र देकपुरा में पढ़ाई के बाद भोजन दिया गया था. जैसे ही बच्चों ने खाना शुरू किया था कि एक बच्चे की थाली में मरी हुई छिपकली दिख गई. इसके बाद बच्चों ने इसकी सूचना अपने परिजनों को दे दी. इसके बाद आक्रोशित हुए घर वाले आंगनबाड़ी केंद्र पहुंच गए. यहां पर मौजूद रसोईया और अन्य लोगों को बंधक बना लिया. घटना को लेकर आनन-फानन में 112 को सूचना दी गई.

कारोबार

पेटीएम ब्रांड का घाटा जून तिमाही में बढ़ा

नयी दिल्ली । पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन कम्युनिकेशंस का घाटा चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 840 करोड़ रुपये हो गया है. बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 358.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था. पेटीएम ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी एकीकृत आमदनी 33.48 प्रतिशत घटकर 1,639.1 करोड़ रुपये रह गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,464.2 करोड़ रुपये थी.

केपीआई को नई हाईब्रिड परियोजना मिली

नयी दिल्ली । केपी समूह की नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी केपीआई ग्रीन एनर्जी को एथर इंडस्ट्रीज से 100 मेगावाट की हाइब्रिड ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है. कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि आदेश की शर्तों के अनुसार परियोजनाओं को वित्त वर्ष 2024-25 में विभिन्न किस्तों में पूरा किया जाना है. केपीआई ग्रीन एनर्जी ने कहा, हमें कंपनी के निजी उपयोग वाली बिजली उत्पादक खंड के अंतर्गत 100 मेगावाट की हाइब्रिड निजी सौर ऊर्जा परियोजना के लिए नया ठेका मिला है. कंपनी ने हालांकि इस संबंध में और जानकारी नहीं दी.

एचडीएफसी बैंक का सीएसआर खर्च बढ़ा

नयी दिल्ली । निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 945.31 करोड़ रुपये का कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च दर्ज किया है. यह वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में लगभग 125 करोड़ रुपये अधिक है. एचडीएफसी बैंक ने बयान में कहा कि उसका सीएसआर कार्यक्रम परिवर्तन लगभग एक दशक से सक्रिय है और 28 राज्यों व आठ केंद्र शासित प्रदेशों में फैली इसकी विभिन्न पहलों ने 10 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित किया है. सालाना रिपोर्ट के अनुसार, परिवर्तन की विभिन्न पहलें 9,000 गांवों तक पहुंचते हुए लगभग 10 हजार घरों को प्रभावित कर चुकी हैं.

बैंकों से ऋण और जमा वृद्धि के बीच अंतर पर सतर्क रहने को कहा और सलाह दी

सरकार के साथ समन्वय से हुआ अर्थव्यवस्था में सुधार : गवर्नर

एजेंसी ।मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को कहा कि उनके करीब छह साल के कार्यकाल के दौरान सरकार के साथ रिजर्व बैंक के संबंध अच्छे रहे हैं. उन्होंने कोविड-19 महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार का श्रेय दोनों के बीच बेहतर समन्वय को दिया. यहां अखबार फाइनेंशियल एक्सप्रेस के बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा) सम्मेलन में दास ने कहा कि किसी ने भी उनसे यह उम्मीद नहीं की थी कि वे अपने कार्यकाल के दौरान सरकार के लिए 'चीयरलीडर' बनेंगे. उन्होंने अपने एक पूर्ववर्ती द्वारा हाल में लिखी गई पुस्तक में लगाए गए आरोपों के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, "मैं अपने अनुभव से कह रहा हूं. कोई भी यह उम्मीद नहीं करता कि आरबीआई 'चीयरलीडर' बनेगा. मेरा ऐसा कोई अनुभव नहीं है. नए

कार्यकाल के लिए तैयारी को लेकर पूछे गए सवाल पर दास ने कहा कि वह वर्तमान कार्यभार पर पूरी तरह केंद्रित हैं और इसके अलावा किसी अन्य विषय पर नहीं सोचते हैं. उल्लेखनीय है कि दास का कार्यकाल इस साल दिसंबर में समाप्त हो रहा है. सरकार ने उन्हें 11 दिसंबर, 2018 को शुरूआत में तीन साल की अवधि के लिए आरबीआई का 25वां गवर्नर नियुक्त किया था. उन्हें 2021 में तीन साल के लिए सेवा विस्तार दिया गया.

दास ने कहा कि आरबीआई चालू वित्त वर्ष (2024-25) में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान को हासिल करने के लिए पूरी तरह से आशान्वित है. उन्होंने कहा कि वृद्धि दर बेहतर रहने के साथ मौद्रिक नीति का ध्यान पूरी तरह से मुद्रास्फीति को काबू में लाने पर है. उन्होंने बैंकों से ऋण और जमा वृद्धि के बीच अंतर पर सतर्क रहने को कहा और सलाह दी कि कर्ज में वृद्धि और जमा वृद्धि से अधिक नहीं होनी चाहिए. गवर्नर ने कहा कि ऋण और जमा वृद्धि के बीच अंतर के कारण वित्तीय प्रणाली 'संरचनात्मक रूप से नकदी मुद्दों' से प्रभावित हो सकती है. अवैध तरीके से राशि प्राप्त करने और भेजने के लिए उपयोग किये जाने वाले खातों को लेकर चिंताओं के बीच दास ने बैंकों से आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अपने ग्राहकों को जोड़ने और लेनदेन की निगरानी प्रणालियों को मजबूत करने को कहा. उन्होंने कहा कि आरबीआई ऐसे खातों और डिजिटल धोखाधड़ी की जांच के लिए बैंकों और जांच एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है. दास ने कहा कि असुरक्षित कर्ज (व्यक्तिगत ऋण, क्रेडिट कार्ड आदि) पर आरबीआई के कदमों का वांछित प्रभाव पड़ा है और इस मामले में वृद्धि धीमी हुई है. हालांकि उन्होंने पहले से ही इस श्रेणी में अधिक कर्ज के बावजूद कुछ बैंकों द्वारा असुरक्षित ऋण पर उच्च सीमा रखने को लेकर चिंता जतायी.

उन्होंने ऐसे बैंकों को सूझ-बूझ के साथ काम करने की सलाह दी तथा उन्हें इस मामले में अति-उत्साह से बचने को कहा. दास ने साफ किया कि किसी को भी यह नहीं मानना चाहिए कि बैंकिंग प्रणाली में कोई बड़ी समस्या है और वास्तव में यह बहुत मजबूत बनी हुई है. उन्होंने कहा कि आरबीआई फिलहाल कॉरपोरेट इकाइयों को बैंकों का स्वामित्व या उन्हें बढ़ावा देने की अनुमति देने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रहा है. आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा कि समूह से जुड़े पक्षों के बीच लेनदेन का मुद्दा है और उन पर नियंत्रण रखना कठिन है.

विप्रो का शुद्ध लाभ 4.6% बढ़कर 3,003.2 करोड़ रुपये हुआ

एजेंसी ।बेंगलुरु

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़कर 3,003.2 करोड़ रुपये रहा. बेंगलुरु की कंपनी की आय हालांकि 2024-25 की पहली तिमाही में 3.8 प्रतिशत घटकर 21,963.8 करोड़ रुपये रही. कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा कि उसे आगामी सितंबर तिमाही में आईटी सेवा व्यवसाय खंड से 260-265.2 करोड़ डॉलर तक आमदनी की उम्मीद है. विप्रो के सीईओ और प्रबंध निदेशक श्रीनी पलिया ने कहा कि कंपनी ने एक और तिमाही में एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के बड़े सौदे हासिल किए. उन्होंने कहा कि कंपनी के शीर्ष खातों में वृद्धि जारी है, साथ ही 'अमेरिका 1' रणनीतिक बाजार इकाई (एसएमयू), बैंक, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) और उपभोक्ता क्षेत्रों में वृद्धि हुई.

लॉकहीड मार्टिन के सीईओ ने पीएम मोदी से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करते लॉकहीड मार्टिन के सीईओ जिम टेसलेट.

- पीएम ने 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड' को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता की सराहना की

एजेंसी ।नयी दिल्ली

रक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लॉकहीड मार्टिन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जिम टेसलेट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. बैठक के दौरान पीएम ने 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड' को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता की सराहना की. यह मुलाकात गुरुवार को हुई. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, लॉकहीड मार्टिन के सीईओ जिम टेसलेट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. लॉकहीड मार्टिन भारत-अमेरिका एयरोस्पेस और रक्षा औद्योगिक सहयोग में एक प्रमुख भागीदार है.

हम 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड' के सपने को साकार करने की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं.

एक्स पर बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए लॉकहीड मार्टिन ने एक पोस्ट में कहा, सीईओ जिम टेसलेट माननीय नरेंद्र मोदी से मिले. तीन दशकों से अधिक समय के एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में, हम स्थानीय उद्योग की होनहार प्रतिभा और क्षमताओं को पहचानते हैं. हम दोनों देशों के बीच रक्षा और औद्योगिक संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

भारतीय शेयर बाजार बजट से पहले हफ्ते के आखिरी सेशन में शेयर बाजार धड़ाम

निवेशकों को हुआ 8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

एजेंसी ।मुंबई

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और घरेलू स्तर पर चार दिनों की रिकॉर्ड तेजी के बाद मुनाफावसूली का जोर रहने से शुक्रवार को मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 739 अंक नीचे आ गया और निफ्टी भी नुकसान में रहा. कारोबारियों ने कहा कि दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आई गिरावट ने भी बाजार को नीचे लाने का काम किया.

बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 738.81 अंक यानी 0.91 प्रतिशत टूटकर 81,000 अंक से नीचे 80,604.65 पर बंद हुआ. हालांकि शुरुआती कारोबार में यह 81,587.76 के अपने नए

सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन मुनाफावसूली के दबाव में यह टूट गया. कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 844.36 अंक गिरकर 80,499.10 पर आ गया था.

सेंसेक्स ने गुरुवार को पहली बार 81,000 अंक का आंकड़ा छुआ था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी 269.95 अंक यानी 1.09 प्रतिशत गिरकर 24,530.90 पर बंद हुआ. यह शुरुआती दौर में 24,854.80 के अपने नए रिकॉर्ड शिखर पर पहुंच गया था लेकिन बाद में यह कमजोर पड़ गया. कारोबार के दौरान एक समय यह 292.7 अंक गिरकर 24,508.15 पर आ गया था.

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील का शेयर भी लगभग पांच प्रतिशत टूट गया. टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज अन्य प्रमुख पिछड़े हुए शेयर रहे.

भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट के चलते निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है. यानि शुक्रवार के सत्र में निवेशकों को 8.07 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है.

दूसरी तरफ दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस के सकारात्मक नतीजों से इसके शेयरों में करीब दो प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई. आईटीसी, एशियन पेंट्स और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट पर रहे जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट बढ़त के साथ बंद हुआ. यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे. गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में गिरावट का रुख रहा था. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.07 प्रतिशत गिरकर 85.05 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 5,483.63 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की थी. सेंसेक्स गुरुवार को 626.91 अंक उछलकर 81,343.46 के नए उच्च स्तर और निफ्टी 187.85 अंक चढ़कर 24,800.85 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ था.

23 जुलाई को स्पाइसजेट के निदेशक मंडल की होगी बैठक

एजेंसी ।मुंबई

किफायती विमानन सेवा प्रदाता कंपनी स्पाइसजेट का निदेशक मंडल 23 जुलाई को बैठक करेगा, जिसमें योग्य संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए नई पूंजी जुटाने पर विचार किया जाएगा. एयरलाइन ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, स्पाइसजेट लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक 23 जुलाई, 2024 (मंगलवार) को होगी, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ योग्य संस्थागत नियोजन के माध्यम से योग्य संस्थागत खरीदारों को पात्र प्रतिभूतियां जारी करके नई पूंजी जुटाने पर विचार और अनुमोदन किया जाएगा. इस वर्ष जनवरी में स्पाइसजेट को बीएसई से 2,242 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिली थी और उसने दो किस्तों में तरजीही निर्गम के तहत 1,060 करोड़ रुपये जुटाए थे. गुरुग्राम स्थित एयरलाइन का 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही के लिए एकीकृत शुद्ध लाभ कई गुना वृद्धि के साथ 119 करोड़ रुपये रहा था. वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ सिर्फ 16.85 करोड़ रुपये रहा था. पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी को 409.43 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था. कंपनी को 2022-23 में 1,503 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था. एयरलाइन कई तिमाहियों से अपने परिचालन को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है.

ब्रीफ खबरें

रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में सुरंग नहीं

पुरी। श्री जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में एक गोपनीय सुरंग होने को लेकर लगाई जा रही अटकलों के बीच, पुरी के राजा एवं गजपति महाराजा दिव्य सिंह देव ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) जांच के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है. देव ने रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में सुरंग या गुप्त कक्षों की संभावना के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए यह बात कही. कई स्थानीय लोगों का मानना है कि रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में एक गुप्त सुरंग है.

पूजा खेडकर की मां से संबद्ध कंपनी सील

पुणे। पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निकाय ने भारतीय प्रशासनिक सेवा की विवादास्पद परिवीक्षाधीन अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा से जुड़ी एक इंजीनियरिंग कंपनी को लगभग दो लाख रुपये का संपत्ति कर बकाया होने पर शुक्रवार को सील कर दिया. एक आपराधिक मामले में मनोरमा खेडकर फिलहाल पुणे पुलिस की हिरासत में हैं. पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम ने संपत्ति का बकाया न चुकाने पर तलावडे क्षेत्र में स्थित बंद पड़ी कंपनी थर्मोवेरिटा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को सील कर दिया.

चिली में 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

सैंटियागो (चिली)। अर्जेंटीना की सीमा के पास उत्तरी चिली में बृहस्पतिवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया. अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने यह जानकारी दी. इस भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है. यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप चिली के समयानुसार रात नौ बजकर 51 मिनट पर 117 किलोमीटर गहराई में आया. इसका केंद्र चिली के सैन पेड्रो डी अटाकामा से 45 किलोमीटर (28 मील) दक्षिण-पूर्व में था.

यूएस ने यूक्रेन मुद्दे पर भारत से समर्थन मांगा

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग को रेखांकित करते हुए कहा है कि अमेरिका चाहता है कि भारत यूक्रेन में स्थायी और न्यायपूर्ण शांति स्थापित करने के उसके प्रयासों का समर्थन करे. विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हाल में हुई बैठकों के बारे में बृहस्पतिवार को पूछे गए एक सवाल के जवाब में ये बातें कहीं.

लादेन का करीबी सहयोगी गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अलकायदा के एक प्रमुख सदस्य अमीन उल हक को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया. उसे मारे गये आतंकवादी ओसामा बिन लादेन का करीबी सहयोगी बताया गया है. पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) के प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है, क्योंकि विभाग ने विभिन्न खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर पंजाब प्रांत में एक योजनाबद्ध अभियान के दौरान हक को गिरफ्तार किया है.

आइटी संकट : माइक्रोसॉफ़्ट पीसी ऑपरेटिंग सिस्टम में आई गड़बड़ी के कारण दुनिया भर में आईटी सेवाएं प्रभावित

एयरलाइंस, मीडिया व बैंकिंग पर व्यापक असर

शुभम संदेश न्यूज नेटवर्क। नई दिल्ली

दुनिया भर के बड़े बैंक, मीडिया आउटलेट्स और एयरलाइंस कंपनियों ने बड़े पैमाने पर आईटी सेवाओं के बाधित होने की शिकायत की है जिसका असर उनकी सेवाओं पर पड़ा है. आईटी सेवाओं में इस रुकावट की वजह को लेकर तस्वीर अभी तक साफ़ नहीं हो पाई है लेकिन इससे प्रभावित होने वाले कई प्रतिष्ठानों ने इसके लिए माइक्रोसॉफ़्ट पीसी ऑपरेटिंग सिस्टम में आई गड़बड़ी को जिम्मेदार बताया है. सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर माइक्रोसॉफ़्ट 365 के आधिकारिक हैंडल से जारी किए गए सर्विस अपडेट में कहा गया है कि "हम माइक्रोसॉफ़्ट 365 के विभिन्न ऐप्स और सर्विसेज़ का इस्तेमाल करने में यूजर्स को हो रही समस्या की जांच कर रहे हैं." हालांकि माइक्रोसॉफ़्ट के एक प्रवक्ता ने बीबीसी को शुक्रवार को बताया कि कुछ घंटे पहले बाधित होने वाली ज़्यादातर आईटी सेवाएं को बहाल कर लिया गया है. ऑस्ट्रेलिया इस आईटी संकट से विशेष रूप से प्रभावित हुआ है. देश के गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि ये आईटी संकट एक साइबर सिक्योरिटी फर्म से जुड़ा हुआ है. जबकि ऑस्ट्रेलिया की साइबर सिक्योरिटी पर नज़र रखने वाली सरकारी एजेंसी का कहना है कि किसी साइबर हमले का कोई अंदेशा नहीं है.क्या है ताज़ा हालात : कंप्यूटर सिस्टम में एक बड़ी समस्या के कारण दुनिया भर में ट्रांसपोर्ट, ब्रॉडकास्ट, अस्पताल और अन्य की सेक्टरों की सेवाएं बाधित हुई हैं. दुनिया भर में कई फ़्लाइट्स रद्द हुई हैं और कई फ्लाइट्स का उड़ान टाइम आगे बढ़ाया गया है. अमेरिकन एयरलाइन का कहना है कि दिक्कत की वजह साइबर सिक्योरिटी फ़र्म क्राउडस्ट्राइक है. अमेरिका के अलास्का राज्य ने कहा है कि उनका इमरजेंसी सेवाओं का नेटवर्क भी प्रभावित है. भारत की एयरपोर्ट्स पर भी सेवाएं प्रभावित हुई हैं. दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानों के गेट की जानकारी व्हाइटबोर्ड पर हाथ ले लिखी जा रही है. पेरिस ओलंपिक का आईटी सिस्टम भी प्रभावित हुआ है.

लंदन एयरपोर्ट

आईटी आउटेज के लिए क्राउडस्ट्राइक कंपनी जिम्मेदार?

बीबीसी हिंदी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकन एयरलाइन ने दुनिया भर में आईटी आउटेज के लिए क्राउडस्ट्राइक नाम की साइबरसिक्योरिटी कंपनी को ज़िम्मेदार बताया है. अब स्विटज़रलैंड की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी ने भी इसी फ़र्म पर उंगली उठाई है. क्राउडस्ट्राइक एक साइबर सिक्योरिटी कंपनी है जिसकी स्थापना साल 2011 में हुई थी. क्राउडस्ट्राइक दुनिया भर की बड़ी कंपनियों और हार्डवेयर को साइबर अटैक से बचाने का काम करता है. ये कंपनी एंडपॉइंट सुरक्षा में माहिर है और कॉर्पोरेट नेटवर्क से कनेक्ट होने वाले उपकरणों, जैसे फ़ोन और लैपटॉप वगैरह को वायरस या मालवेयर से बचाने का काम करती है. ये उन कंपनियों को भी सुरक्षा प्रदान करती है जो क्लाउड नेटवर्क पर काम करती हैं. ये उन कंपनियों के डेटा की सुरक्षा करती है जो इसे अपनी छत के नीचे, या अपने स्वयं के सर्वर पर सुरक्षित रखने से तथाकथित क्लाउड प्रदाताओं में स्थानांतरित हो गए हैं. टेक्सास स्थित फर्म की स्थापना उद्यमियों जॉर्ज कर्ट्ज़ और दिमित्री अल्पेरोविच ने की थी. लॉन्च होने के बाद से ही कंपनी ने साइबर हमलों की जांच में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. 2016 में इस कंपनी को यूएस डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी ने अपने कंप्यूटर नेटवर्क में सेंध की जांच के लिए बुलाया है. साइबरस्ट्राइक के सह-संस्थापक जॉर्ज कुर्त्ज़ ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा है कि क्राउडस्ट्राइक विंडोज़ होस्ट में पाए गए दोष से प्रभावित ग्राहकों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहा है.

दुनिया भर में इमर्जेंसी सेवाएं हुईं प्रभावित

ऑस्ट्रेलिया की साइबर सिक्योरिटी निगरानी एजेंसी ओर से जारी बयान में कहा गया है, "हमारे पास फिलहाल ये सूचना है कि थर्ड पार्टी सॉफ्टवेयर प्लेटफ़ॉर्म में आई तकनीकी समस्या से उनका इस्तेमाल करने वाली कंपनियां प्रभावित हुई हैं." उधर, अलास्का के अधिकारियों का कहना है कि 911 और गैर आपातकाली सेवाओं से जुड़े कॉल सेंटर्स ठीक से काम नहीं कर रहे थे. दुनिया भर में कई एयरलाइंस कंपनियों को अपनी विमान सेवाएं रोकनी पड़ी हैं और बहुत सी उड़ानें विलंब से चल रही हैं. अमेरिकी राज्य अलास्का ने चेतावनी दी है कि आईटी सेवाओं में रुकावट का असर उसकी इमर्जेंसी सर्विसेज़ पर पड़ा है. ऑस्ट्रेलिया के सुपरबाज़ार ठप हैं और कई देशों में मीडिया आउटलेट्स को सिस्टम फ़ेल होने की वजह से लोगों तक सूचनाएं पहुंचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है. स्काई न्यूज़ को ब्रिटेन में थोड़े समय के लिए अपना प्रसारण रोकना पड़ा.

भारत में विमान सेवाएं बाधित

दिल्ली एयरपोर्ट

भारत में भी आईटी सेवाएं बाधित हुई एडवायज़री जारी कर यात्रियों को के आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बारे में हमारा मंत्रालय माइक्रोसॉफ़्ट लगाया जा चुका है और इससे निपटने सीईआरटी (इंडियन कंप्युटर टेक्निकल एडवाइज़री जा कर रहा है. आउटेज से प्रभावित नहीं है." कि आउटेज की वजह क्राउडस्ट्राइक द्वारा जारी एक अपडेट गया है. अब भी अगर होस्ट कंप्युटर मोड या सेफ मोड में बूट करने की इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर चेक-इन के लिए इस्तेमाल होने वाले सारे टर्मिनल बंद हैं. एयरपोर्ट की ओर से एक्स पर लिखा गया, "ग्लोबल आईटी दिक्कतों के कारण दिल्ली एयरपोर्ट की कुछ सेवाएं अस्थाई रूप से बाधित हैं. हम सेवाओं में हो रही बाधा के असर को कम करने का प्रयास कर रहे हैं. हैं. देश के कई एयरपोर्ट्स ने इसके बारे में आगाह किया है. भारत कहा, "ग्लोबल आईटी आउटेज के के संपर्क में है. इसके कारण का पता के लिए काम शुरू हो चुका है. इमरजेंसी रेस्पांस टीम) एक भारत का एनआईसी नेटवर्क इस सीईआरटी ने अपने बयान में कहा है साइबरसिक्योरिटी कंपनी है. कंपनी की टीम को ये बता दिया क्रैश कर रहे हों तो वे विंडो रिकवरी कोशिश कर सकते हैं. दिल्ली की

चेन्नई एयरपोर्ट

भारतीय विमान कंपनियां बोलीं-एयरपोर्ट प्रशासन सहयोगियों से संपर्क में

भारत की राजधानी दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी दी गई है कि वैश्विक आईटी संकट की वजह से उसकी कुछ सेवाओं पर असर पड़ा है. बयान मुताबिक़, 'एयरपोर्ट प्रशासन सभी सहयोगियों से संपर्क में है ताकि यात्रियों की परेशानी को कम किया जा सके.' अकासा एयर ने ट्वीट कर कहा है, "दिक्कतों की वजह से हमारे सर्विस प्रोवाइडर, हमारी कुछ ऑनलाइन सेवाएं, जिनमें बुकिंग, चेक इन और अन्य बुकिंग सेवाएं अस्थाई तौर पर अनुपलब्ध रहेंगी. इस समय हम एयरपोर्ट पर मैनुअल चेक इन और बोर्डिंग प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं. हम यात्रियों से एयरपोर्ट पर जल्द पहुंचने और चेक इन कराने का आग्रह कर रहे हैं." एयर इंडिया ने भी इस संकट पर ट्वीट किया है, "माइक्रोसॉफ़्ट के सर्वर में ख़राबी आने से हमारा सिस्टम अस्थायी तौर पर प्रभावित हुआ है और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है." इंडिगो एयरलाइंस ने ट्वीट किया है, "माइक्रोसॉफ़्ट के सर्वर में आई गड़बड़ी की वजह से यात्रियों को एयरपोर्ट पर इंतज़ार का समय लंबा हो गया है." स्पाइस जेट ने भी कहा है कि वो विमानों के अपडेट देने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है

एयर इंडिया ने रूस में फंसे यात्रियों को ले जाने के लिए मुंबई से राहत उड़ान भेजी

मुंबई। एयर इंडिया ने अपनी दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को उड़ान के यात्रियों को ले जाने के लिए मुंबई से एक राहत उड़ान रवाना की है. ये यात्री बृहस्पतिवार से रूस के क्रास्नोयार्स्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केजेए) पर फंसे हुए हैं. एयर इंडिया के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि राहत विमान एआई 1179 यहां छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दोपहर 12.52 बजे रवाना हुआ और रूसी शहर क्रास्नोयार्स्क स्थित हवाई अड्डे पर स्थानीय समय अनुसार रात लगभग आठ बजे पहुंचने की संभावना है. एयरलाइन ने कहा कि रूसी हवाई अड्डे पर यात्रियों और कर्मचारियों को किसी भी तरह की सहायता प्रदान करने के लिए चालक दल और सुरक्षा कर्मियों सहित एयर इंडिया की एक टीम राहत उड़ान में मौजूद है. उसमें सभी यात्रियों के लिए पर्याप्त भोजन के अलावा आवश्यक सामान भी मौजूद है. विमान जल्द से जल्द सभी यात्रियों और चालक दल को हवाई अड्डे से बाहर ले जाएगा. एयरलाइन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि राहत उड़ान के लिए उसे नियामकीय मंजूरी मिल चुकी है. एयरलाइन ने कहा कि उसने सूचना के लिए एक समर्पित हॉटलाइन सेवा भी स्थापित की है. इसके तहत भारत में बात करने के लिए 011 -69329301 तथा अमेरिका में बात करने के लिए 13177390126 पर संपर्क किया जा सकता है.

बांग्लादेश में आरक्षण प्रणाली में सुधार को लेकर जारी हिंसक प्रदर्शनों में 25 लोगों की मौत

सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर जारी प्रदर्शनों के बीच शुक्रवार को पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले दागे. हिंसक प्रदर्शनों के बीच इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं. राजधानी ढाका और कुछ स्थानों पर प्रदर्शन कुछ सप्ताह पहले शुरू हुए थे लेकिन सोमवार से इनमें तेजी आई. ये विरोध प्रदर्शन प्रधानमंत्री शेख हसीना के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं क्योंकि जनवरी में हुए चुनाव में उन्होंने लगातार चौथी बार जीत हासिल की है. 'एसोसिएटेड प्रेस' के एक रिपोर्टर ने देखा कि सीमा रक्षक अधिकारियों ने 1000 से अधिक प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर गोलियां चलाईं. ये प्रदर्शनकारी 'बांग्लादेश टेलीविजन' के मुख्यालय के बाहर एकत्र हुए थे. इस मुख्यालय पर एक दिन पहले प्रदर्शनकारियों ने हमला किया था और आग लगा दी थी. सीमा रक्षकों ने राइफलों से भीड़ पर गोलियां चलाईं, जबकि पुलिस अधिकारियों ने आंसू गैस के गोले दागे और रबर की गोलियां चलाईं. गोलियां सड़कों पर बिखरी हुई थीं जिन पर खून के धब्बे भी लगे थे.

'बांग्लादेश टेलीविजन' के न्यूज प्रोड्यूसर और पत्रकार ने बृहस्पतिवार को 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि प्रदर्शनकारियों ने मुख्य द्वार तोड़ दिया और वाहनों और स्वागत कक्ष क्षेत्र में आग लगा दी. न्यूज प्रोड्यूसर ने फोन पर कहा, 'मैं दीवार फांदकर भाग गया लेकिन मेरे कुछ साथी अंदर फंस गए. हमलावर इमारत में घुसे और उन्होंने फर्नीचर में आग लगा दी.' स्थानीय मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बृहस्पतिवार को कम से कम 22 लोग मारे गए जबकि इस सप्ताह की शुरुआत में छह लोगों की मौत हो गई थी. इसके साथ ही विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से मरने वालों की संख्या 25 हो गई है. प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि वे प्रदर्शन जारी रखेंगे. ढाका और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय के छात्र 1971 में पाकिस्तान से देश की आजादी के लिए लड़ने वाले युद्ध नायकों के रिश्तेदारों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कुछ नौकरियों को आरक्षित करने की प्रणाली के खिलाफ रैलियां कर रहे हैं.

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बांग्लादेश में जारी हिंसा पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने कहा कि गुतारेस बांग्लादेश के घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहे हैं और वहां जारी हिंसा से बेहद चिंतित हैं. गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बृहस्पतिवार को नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम ढाका और बांग्लादेश के अन्य स्थानों पर घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं साथ ही सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील करते हैं.' संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बांग्लादेश सरकार से बातचीत के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की अपील की, साथ ही गतिरोध दूर करने के लिए प्रदर्शनकारियों से बातचीत में शामिल होने का आग्रह किया. दुजारिक ने कहा, 'हिंसा कोई हल नहीं है.' उन्होंने कहा कि गुतारेस बेहतर विश्व के निर्माण में युवाओं की सार्थक और रचनात्मक भागीदारी को प्रोत्साहित करते है.

द्रमुक ने 3 नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ किया उच्च न्यायालय का रुख

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों को असंवैधानिक और अवैध घोषित करने की अपील करते हुए शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया. देश में एक जुलाई से तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए), लागू हो चुके हैं जिन्होंने ब्रिटिशकालीन कानूनों- भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है. न्यायमूर्ति एस.एस. सुंदर और न्यायमूर्ति एन सेंथिल कुमार की खंडपीठ के समक्ष द्रमुक के संगठन सचिव आरएस भारती द्वारा दायर याचिका सुनवाई के लिए आई. पीठ ने केंद्र को नोटिस जारी करने का आदेश दिया जिसका जवाब चार सप्ताह के भीतर देना होगा. याचिकाकर्ता के अनुसार सरकार ने तीनों विधेयक पेश किए और बिना किसी सार्थक चर्चा के उन्हें संसद से पारित करा लिया.

तेल अवीव में हवाई हमले में एक की मौत, 10 लोग घायल

- यमन के हूती विद्राहियों ने हमले की जिम्मेदारी ली, इजराइली सेना एयर स्ट्राइक की जांच में जुटी

एजेंसी। तेल अवीव

इजराइल के तेल अवीव की सड़कों पर शुक्रवार को भीषण विस्फोट हुआ और चारों ओर छर्रे बिखर गए. इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए. यह हमला ऐसे स्थान पर किया गया जो अमेरिकी दूतावास के काफी नजदीक था. यमन के हूती विद्राहियों ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है.

वहीं इजराइली सेना ने कहा कि वह विस्फोट मामले की जांच कर रही है और घटना के बाद हवाई गश्त बढ़ाई जा रही है. सेना की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि है यह 'हवाई हमला' था. अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इजराइल की हवाई रक्षा प्रणाली इस हमले को रोक क्यों नहीं पाई और इजराइल इस हमले के जवाब में क्या कदम उठाएगा. इजराइल और हमास के बीच नौ माह के युद्ध जारी है. यमन के हूती विद्रोही खुलकर हमास का साथ दे रहे हैं और वे लगातार इजराइल की ओर ड्रोन और मिसाइलें दाग रहे हैं. शुक्रवार तक ऐसे सभी हमलों को या इजराइली बलों ने नाकाम किया है या उनके पश्चिमी सहयोगियों ने. इजराइल ने अब तक हूती विद्रोहियों पर कोई हमला नहीं किया है और वह पूरा ध्यान गाजा में युद्ध और लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्ला के साथ जारी लड़ाई पर केंद्रित कर रहा है. इजराइल की आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा ने बताया कि इस हमले में 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है. वहीं हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सारे ने 'एक्स' पर कहा कि यह हमला इजराइल और हमास के बीच गाजा में जारी युद्ध के प्रत्युत्तर में किया गया है.

मीडिया रिपोर्ट राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस विचार को स्वीकार करना शुरू कर दिया है कि वह नवंबर में होने वाला चुनाव जीतने में संभवतः सक्षम नहीं हैं

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ से पीछे हट सकते हैं बाइडन

एजेंसी। मिलवाउकी

अमेरिका के राष्ट्रपति पद की चुनाव प्रक्रिया के तहत रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ पहली बहस में 'खराब' प्रदर्शन के बाद से चुनावी दौड़ से पीछे हटने के लिए लगातार बढ़ रहे दबाव के बीच, अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन अपनी उम्मीदवारी को लेकर बड़ी घोषणा कर सकते हैं. अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है. दरअसल, बहस में बाइडन के 'खराब' प्रदर्शन, उनके खराब स्वास्थ्य, उनके प्रतिद्वंद्वी ट्रंप की हत्या की कोशिश और सर्वेक्षणों में उनकी घटती लोकप्रियता के बीच डेमोक्रेटिक पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने राष्ट्रपति को चुनावी दौड़ से पीछे हटने का सुझाव दिया है.

'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने कहा, 'राष्ट्रपति बाइडन के कई करीबी लोगों ने बृहस्पतिवार को कहा कि

उनका मानना है कि उन्होंने (बाइडन ने) इस विचार को स्वीकार करना शुरू कर दिया है कि वह नवंबर में होने वाला चुनाव जीतने में संभवतः सक्षम नहीं हैं और उन्हें अपनी पार्टी के कई चिंतित सदस्यों की बढ़ती मांगों के आगे झुकते हुए दौड़ से बाहर होना पड़ सकता है.' बाइडन एक बार फिर कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं और राष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया के महत्वपूर्ण मोड़ पर उन्हें अपना प्रचार अभियान रोकना पड़ा है. वह डेलावेयर स्थित अपने आवास में पृथकवास में रह रहे हैं. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी बाइडन की उम्मीदवारी के बारे में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के समक्ष निजी तौर पर चिंता व्यक्त की है.

वहीं, प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने बाइडन (81) को निजी तौर पर आगाह किया है कि यदि वह उम्मीदवारी की दौड़ से पीछे नहीं हटते हैं तो डेमोक्रेटिक पार्टी सदन में नियंत्रण हासिल करने की क्षमता खो सकती है. न्यूयॉर्क टाइम्स' की खबर में कहा गया, 'शीर्ष डेमोक्रेटिक नेताओं के करीबी लोगों ने बृहस्पतिवार को कहा कि अब ऐसा लग रहा है कि बाइडन राष्ट्रपति पद की दौड़ से अंततः पीछे हट जाएंगे. एक-दो दिन पहले पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने मित्रों से कहा कि बाइडन की जीत की उम्मीद कम है.'

कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए ज्यादा योग्य उम्मीदवार: सर्वे

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पर राष्ट्रपति पद के चुनाव में उम्मीदवारी छोड़ने के लिए बढ़ रहे दबाव के बीच डेमोक्रेटिक पार्टी के अधिकतर नेताओं को लगता है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए सबसे अच्छी उम्मीदवार हैं. एपी-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के एक नए सर्वेक्षण में पता चला है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के 10 में से छह नेताओं को लगता है कि कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए सबसे योग्य उम्मीदवार हैं. 10 में से लगभग दो नेताओं ने कहा कि उन्हें नहीं लगता की कमला हैरिस सही उम्मीदवार हैं, जबकि 10 में से दो अन्य ने कहा कि उन्हें इस बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है कि वे कुछ कह सकें. 27 जून को हुई बहस में

बाइडन के खराब प्रदर्शन को देखते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के कई नेताओं का कभी गुपचुप तरीके से तो कभी खुले तौर पर मानना है कि हैरिस को बाइडन की जगह राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए. इन नेताओं का मानना है कि वह रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को बाइडन से ज्यादा कड़ी टक्कर दे सकती हैं. जहां तक हैरिस की बात है तो वह बाइडन का पूरी तरह से समर्थन करती रही हैं.

तीन-चौथाई नेताओं का हैरिस पर सकारात्मक दृष्टिकोण

डेमोक्रेटिक पार्टी के लगभग तीन-चौथाई नेता हैरिस के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, जबकि बाइडन के लिए भी वे ऐसा ही दृष्टिकोण रखते हैं. 10 में से सात लोग उनके बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं. टेम्पा में रहने वाली शैनन बेली ने राष्ट्रपति के तौर पर बाइडन की उपलब्धियों, खासकर बुनियादी ढांचा कानून और महंगाई को काबू में रखने के लिए उनकी तारीफ की और कहा कि उन्हें "प्रेमपूर्वक याद" किया जाएगा. हालांकि वह बाइडन की तुलना में हैरिस का ज्यादा समर्थन करती दिखीं. कहा कि हैरिस राष्ट्रपति पद संभालने के लिए ज्यादा सक्षम नजर आती हैं.

हम नहीं हारेंगे, अमेरिका स्वर्णिम युग की दहलीज पर : डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने देशवासियों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि अब विश्व के ऐसे सबसे सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व की मांग और अपेक्षा करने का समय आ गया है जो साहसिक, गतिशील, मजबूत और निडर हो. ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका एक नए स्वर्णिम युग की दहलीज पर है, लेकिन हमें इस युग को लाने के लिए साहसिक कार्य करने होंगे. हम हारेंगे नहीं.' राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से उम्मीदवारी स्वीकार करते हुए ट्रंप (78) ने अपने भाषण में अमेरिकियों से अपील की कि वे पांच नवंबर को होने वाले चुनाव में उन्हें जीत दिलाने में मदद करें. ट्रंप ने अपने ऊपर हुए हमले के करीब एक सप्ताह के बाद कहा, 'आज, मैं आपसे आपका

सहयोग, आपका समर्थन और आपका वोट विनम्रतापूर्वक मांगता हूं. मैं आपके भरोसे का सम्मान करने का हर दिन प्रयास करूंगा और मैं आपको कभी निराश नहीं करूंगा.' उन्होंने कहा, 'जिन पुरुषों और महिलाओं को भुला दिया गया है, जिन्हें पीछे छोड़ दिया गया है, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया, अब उनके साथ ऐसा नहीं होगा. हम साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे और हम जीतेंगे. मैं आप सभी के सामने आत्मविश्वास, ताकत और उम्मीद का संदेश लेकर खड़ा हूं. अब से चार महीने बाद हम एक अविश्वसनीय जीत हासिल करेंगे और हमारे शासन के आगामी चार वर्ष इतिहास के सबसे महान वर्ष होंगे.'

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)